वर्ष 72 अंक 238 पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 27 मई, 2025
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 15, विक्रम संवत् 2082
नगर ▪▪ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जो कुछ भी सुंदर, मनोहर और आकर्षक बनाया गया है, वह उस नजर के लिए है जो उसे देख सकती है
– रूमी

खाली पंचायतों में उपचुनाव कार्यक्रम तय

विशेष संवाददाता भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की खाली पड़ी पंचायतों में उपचुनाव कराने के लिए कार्यक्रम तय कर दिया है। इसके लिए मतदाता सूची में नए मतदाता भी जोड़े जाने हैं। इसके लिए आयोग ने 1 जनवरी 2025 को आधार बनाया है। जिन पंचायतों में उपचुनाव होना है, वहां के लिए राज्य निर्वाचन आयोग नए सिरे से मतदाता सूची तैयार कराएगा। आयोग ने मतदाता सूची का कार्यक्रम भी जारी किया है। 1 जनवरी 2025 की तारीख को जो लोग 18 साल पूरे कर चुके हैं, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ग्राम पंचायतों में मतदाता सूची का आखिरी प्रकाशन करेंगे। ताकि उपचुनाव की स्थिति पर काम किया जा सके।

5 जून को होगा मतदाता सूची का प्रकाशन

मतदाता सूची अपडेट के लिए 30 मई को शिफ्टिंग के साथ-साथ जांच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को सौंपी जाएगी। 5 जून को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित होगी, जिसमें दावे-आपत्तियां 5 से 11 जून तक ली जाएगी। 17 जून तक दावे और आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। इसके बाद 20 जून को चेकलिस्ट तैयार होगी और 21 जून को वेंडर भी उपलब्ध करा दिया जाएगा, जिसके बाद 23 जून को फोटो युक्त मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी।

75 साल बाद इतनी जल्दी पहुंचा मानसून जमकर बरसा, 107 साल का रिकॉर्ड टूटा

1918 में हुई थी मुंबई में ऐसी बारिश: कई जिलों में रेड अलर्ट, 250 से ज्यादा उड़ानें और 3 मेट्रो लाइन प्रभावित

मुंबई, नई दिल्ली, जेएनएन। मुंबई समेत महाराष्ट्र के पश्चिमी इलाके में 16 दिन पहुंचे मानसून पहुंच गया है। बीते 75 साल में पहली बार इतनी जल्दी पहुंचा मानसून जमकर बरसा और मई में बारिश का 107 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले 1918 में ऐसी बारिश हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में मई के महीने में रिकॉर्ड 295 मिलीमीटर बारिश हुई है। साल 1918 में मई में 279.4 मिलीमीटर बारिश हुई थी। हालांकि इस रिकॉर्डतोड़ भारी बारिश से मुंबई बेहाल हो गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 26 मई को मुंबई में दस्तक दी। पिछले ७५ साल में ऐसा पहली बार हुआ है कि मानसून इतना जल्दी मुंबई पहुंचा है। इससे पहले 1950 में दक्षिण-पश्चिम मानसून 29 मई को मुंबई पहुंचा था। 1962 और 1971 में भी मानसून इसी तारीख को मुंबई पहुंचा था। मुंबई में मानसून के पहुंचने का समय 11 जून के आसपास का है। लेकिन इस बार समय से 16 दिन पहले इसका आगमन हो गया है।

मुंबई में लगातार बारिश और आंधी के बाद सोमवार सुबह येलो अलर्ट जारी किया गया, लेकिन बाद में इसे रेड अलर्ट में बदल दिया गया। बारिश के कारण मुंबई में कई जगहों पर जलभराव हुआ। 250 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं। भारी बारिश के चलते कुर्ला, सायन, दादर और परेल सहित कई निचले इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए। तीन मेट्रो लाइन भी बारिश से प्रभावित हुई हैं। महराष्ट्र के पर्यटन उद्योग पर भी इसका असर ■ शेष पृष्ठ 7 पर

जल्दी क्यों आया मानसून?... मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अनुकूल वायुमंडलीय और महासागरीय परिस्थितियों का संयोजन भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून को जल्दी लाता है। इसी तरह मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन (एमजेओ), मस्कारेन हाई और मानसून गर्त भी प्रमुख कारक है। एमजेओ बादलों, बारिश, हवा और दबाव का एक पूर्व की ओर बढ़ने वाला विक्षोभ है जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों को पार करता है। यह मानसून को प्रभावित करता है। ग्लोबल वार्मिंग से हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जो तापमान तेजी से बढ़ा रहे हैं। यह भी मानसून पहले आने का कारण है।

कोंकण में खेती और पर्यटन प्रभावित

मानसून जल्द आने से न केवल कृषि गतिविधियां बाधित हुईं, बल्कि पर्यटन उद्योग भी प्रभावित हुआ है। बारिश से फसल कटाई का कार्यक्रम गड़बड़ा गया। कृषि विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि मानसून की वर्तमान गति टिकाऊ नहीं है और राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क हो सकता है। अनुमान है कि 27 मई से तापमान में वृद्धि होगी और 5 जून तक अधिकांश क्षेत्रों में बारिश की संभावना नहीं है।

■ **किसानों के लिए चेतावनी:** महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने आगाह किया है कि यह शुरुआती बारिश स्थायी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि बोवनी की प्रक्रिया जल्दबाजी में न करें और स्थिर बारिश का इंतजार करें।

“ 26 मई को मुंबई में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दस्तक दी है। यह पिछले 75 सालों में सबसे पहले मानसून आगमन है। सामान्यतः मुंबई में मानसून 11 जून को पहुंचता है।

● **सुषमा नायर, वैज्ञानिक, आईएमडी**

क्या मानसून का समय से पहले आना है फायदेमंद?

दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत में कृषि गतिविधियों के संचालन और जलाशयों को दोबारा भरने के लिए आवश्यक बारिश का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा लाता है। मानसून का समय से पहले आगमन कृषि, मत्स्य पालन और पशुधन जैसे क्षेत्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

यहां हुई सबसे ज्यादा बारिश

नरीमन पॉइंट फायर स्टेशन	वार्ड ऑफिस	कोलाबा पंपिंग स्टेशन	महापौर मुख्यालय
104 मिमी	86 मिमी	83 मिमी	80 मिमी

मुंबई शहर में औसतन 58 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

उपराष्ट्रपति ने किया कृषि उद्योग समागम का उद्घाटन

धनखड़ बोले- किसान के खेत से जाता है विकास का रास्ता

विशेष संवाददाता, भोपाल। उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ ने कहा है कि विकसित भारत का रास्ता किसान के खेत से जाता है और मध्यप्रदेश में गांव और खेत के विकास के लिए काफी काम हो रहा है। ऐसे में तय है कि मध्यप्रदेश का विकास की दृष्टि से सबसे बढ़ी छलांग लगाना तय है। उपराष्ट्रपति सोमवार को नरसिंहपुर में कृषि उद्योग समागम-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मनमोहक हैं, कार्यशील हैं। वे हर पल गांव और किसान की चिंता करते हैं. इनके नेतृत्व में मध्य प्रदेश सबसे बड़ी छलांग लगाएगा। मध्यप्रदेश खेत और गांव को लेकर जो प्रयास डॉ. मोहन यादव सृजित कर रहे हैं. इससे अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा उछाल आएगा। क्योंकि आज की कृषि को उद्योग से जोड़ने की जो पहल है वो बहुत बड़ी सोच का परिणाम ■ शेष पृष्ठ 7 पर

नरसिंहपुर में एग्री-हॉर्टी एक्सपो प्रदर्शनी का शुभारंभ करते उपराष्ट्रपति और सीएम डॉ. यादव।

नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और मंडला में तैयार हो रहे फूड पार्क: सीएम

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि आधारित उद्योग बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। फूड प्रोसेसिंग में प्रगति के लिए नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर में कृषि आधारित उद्योगों का फूड पार्क बनाया जा रहा है। छिंदवाड़ा के बोरगांव और मंडला के मनेरी में 40 इकाइयों वाला फूड पार्क स्थापित होगा।

कोरोना के मरीजों की संख्या 1000 पार

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मामलों की संख्या 1009 तक पहुंच चुकी है। सबसे अधिक मामले केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली से सामने आए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार संक्रमण की यह लहर फिलहाल गंभीर नहीं है, लेकिन सतर्कता बरतना जरूरी है। पिछले सप्ताह तक देश में कोविड-19 के चलते केवल एक मौत दर्ज की गई थी, लेकिन 19 मई से 26 मई के बीच सात लोगों की मौत हुई है। पिछले एक सप्ताह में 700 से अधिक नए मामले दर्ज किए गए हैं, जो चिंताजनक संकेत है। यह वृद्धि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों, हांगकांग, सिंगापुर, चीन और थाईलैंड में मामलों में तेजी से जुड़ी हुई मानी जा रही है। बिहार में सोमवार को कोविड-19 की मौजूदा लहर का पहला मामला सामने आया। पटना के 31 वर्षीय एक व्यक्ति में संक्रमण ■ शेष पृष्ठ 7 पर

■ **केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली ज्यादा प्रभावित**

मुरैना जिले में चाचा-भतीजे की गोली मार कर हत्या

इलाके में तनाव, अवैध शराब पकड़ने जा रहे थे

जागरण, मुरैना। प्रदेश के मुरैना जिले में डबल मर्डर की वारदात सामने आई है। विवाद अवैध शराब से जुड़ा बताया जा रहा है। शराब माफिया अवैध शराब की गाड़ी लेकर जा रहे थे, जिसे चाचा-भतीजे ने रोकने की कोशिश की। इसके बाद आरोपियों ने फायरिंग कर दी। इसमें चाचा और भतीजे दोनों की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह मुरैना के सिहौनिया थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 8 बजे भाटापुरा नहर पुलिया इलाके की है। पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है। दरअसल, सुबह शराब ठेकेदार के कर्मचारी महेंद्र भदौरिया और उसके भतीजे सौरभ भदौरिया को जानकारी मिली कि दिमनी क्षेत्र से गोपी पंचोली गांव की तरफ से अवैध शराब लेकर गाड़ी आ रही है। इस गाड़ी को चाचा-भतीजे ने रोकने की कोशिश की। इसके चलते शराब माफिया ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से सौरभ और ■ शेष पृष्ठ 7 पर

आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित: एएसपी

एएसपी सुरेंद्र सिंह डावर ने बताया कि सोमवार की सुबह सोहनिया थाना क्षेत्र में दो लोगों को गोली मारे जाने की सूचना मिली थी। उनकी अस्पताल में मौत हो गई है। पुलिस ने कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने टीमों का गठन कर दिया है और उनकी तलाश की जा रही है।

खुशखबरी! | डीजीसीए का बड़ा फैसला: आर्ट्स, कॉमर्स छात्र भी बन सकेंगे पायलट

नॉन साइंस स्ट्रीम छात्र भी संभालेंगे कॉकपिट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में अब कक्षा 12वीं में आर्ट्स या कॉमर्स पढ़ने वाले छात्र भी व्यावसायिक पायलट (कमर्शियल पायलट) बनने का सपना साकार कर सकेंगे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक ऐतिहासिक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जो पिछले तीन दशकों से चले आ रहे 'सिर्फ विज्ञान (साइंस) वर्ग' की पात्रता नियम को समाप्त करता है।

अब तक व्यावसायिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) हासिल करने के लिए कक्षा 12वीं में भौतिकी और गणित का होना अनिवार्य था। इसके कारण हजारों इच्छुक उम्मीदवारों को ओपन स्कूलिंग के जरिये दोबारा विज्ञान विषयों से परीक्षा देनी पड़ती थी। लेकिन अब डीजीसीए ने प्रस्ताव भेजा है कि सभी 12वीं पास छात्र, चाहे वे आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस किसी भी स्ट्रीम से हों, यदि वे मेडिकल और एप्टीट्यूड टेस्ट पास कर लेते हैं, तो उन्हें पायलट प्रशिक्षण के लिए पात्र माना जाएगा। यह प्रस्ताव नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भेज दिया है, जो अब इसे कानून मंत्रालय को भेजेगा। कानून मंत्रालय की अधिसूचना के बाद यह नया नियम औपचारिक रूप से लागू होगा।

संभावित असर

- **समावेशिता में वृद्धि:** अब हर स्ट्रीम के छात्र पायलट बनने की दौड़ में आ सकेंगे।
- **पायलट की कमी दूर होगी:** भारत में बढ़ती एयरलाइन सेवाओं के मद्देनजर प्रशिक्षित पायलटों की मांग तेजी से बढ़ रही है।
- **वैकल्पिक करियर विकल्प:** अब आर्ट्स और कॉमर्स छात्रों के लिए भी पायलट बनना एक व्यवहारिक करियर विकल्प होगा।

क्यों जरूरी था बदलाव?

उड्डयन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि यह नियम अनावश्यक रूप से सीमित था और भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश था जो पायलट बनने के लिए विज्ञान की अनिवार्यता रखता था। उनका तर्क है कि उड़ान से जुड़े विज्ञान के मूलभूत सिद्धांत स्कूल के प्रारंभिक स्तर पर पढ़ाए जाते हैं, और इन्हें प्रशिक्षण के दौरान भी सिखाया जा सकता है।

नीट यूजी मामला: अब 29 को फिर सुनवाई

जागरण, इंदौर। नीट यूजी रिजल्ट मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इससे पहले 22 मई को हुई सुनवाई में एनटीए से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वर्चुअल उपस्थित हुए थे। उन्होंने कहा था कि इंदौर से जुड़े 24 सेंटरों के प्रभावित स्टूडेंट्स के लिए एक कमेटी गठित की जाए। सोमवार को छात्रों के वकील मृदुल भटनागर ने बताया कि इंदौर-उज्जैन से 60 से ज्यादा याचिकाओं दाखिल हो चुकी है। इस पर एनटीए की ओर से रिप्लाई आ चुका है। हमने इस पर रिजॉइंडर भी पेश कर दिया था। हमें उम्मीद थी कि इस पर आज अंतिम बहस हो जाएगी। भटनागर ने बताया कि सोमवार को सुनवाई से पहले एनटीए ने जांच समिति बनाने का कहा था, एक रिपोर्ट भी दी थी। कोर्ट में 3.30 बजे सुनवाई होना तय हुआ था। लेकिन इससे पहले ही एनटीए की ओर से भारत के सॉलिसिटर जनलर तुषार मेहता 2.30 बजे वर्चुअल जुड़े हुए और हाईकोर्ट से समय मांगा।

चित्रकूट के समग्र विकास में हर व्यक्ति का विकास समाहित : कैलाश विजयवर्गीय

प्रभारी मंत्री ने रामायण कुटी में की साधु-संतों से की भेंट

जागरण, सतना। नगरीय विकास एवं आवास मत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन रामायण कुटी में जाकर साधु-संतों से भेंट की और उन्हें चित्रकूट विकास की समेकित योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद सतना जिले के धार्मिक स्थल चित्रकूट में श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों का आवागमन कई गुना बढा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चित्रकूट के समग्र विकास के लिए परियोजना कार्यो को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट के समग्र विकास में हर व्यक्ति का विकास समाहित है। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, रामायण कुटी के संत रामहदय दास जी, संतोषी अखाडा के महंत संतोषी महाराज, कामतानाथ मंदिर के मदन गोपाल महाराज, सनकादिक महाराज, रामजी दास महाराज, सीताशरण महाराज, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता भी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के सभी धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व के स्थलों का विकास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में महाकाल लोक के बाद भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट और मां शारदा लोक मैहर के विकास की योजना प्राथमिकता से क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम प्रदेश की पहचान बन गया है। यहां का प्राकृतिक सौन्दर्य बरकरार रखते हुए विकास के वातावरण में सारी सुविधाओं के विकसित होने पर श्रद्धालुओं के आगमन की संख्या गई गुना बढेगी। कामदगिरि पर्वत, भगवान श्री कामतानाथ मंदिर, पवित्र सलिला, मां मंदाकिनी को स्वच्छ और सदानीरा बनाये रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा के कार्य समेकित विकास योजना में लिये गये हैं। उन्होंने बताया कि मां मंदाकिनी को पवित्र और सदानीरा बनाये रखने ड्रेनेज का पानी नदी में नहीं मिलाकर इसे खेतों में ले जाकर सिंचाई में उपयोग करने की कार्य योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत देश में पहाड, नदी, जल स्त्रोत, जीव-जंतु सभी पूज्यनीय है। चित्रकूट को हरा-भरा रखने और मां मंदाकिनी को सदानीरा बनाये रखने 5 लाख पौधे लगाये जायेंगे। चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं और भक्तों को चित्रकूट और मंदाकिनी को सदा स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता लाने की आवश्यकता है। उन्होंने साधु-संतों द्वारा दिये गये ज्ञापन पर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुए कहा कि संतो के चेहरे पर मुस्कान कायम रखी जायेगी और उनसे यह अपेक्षा है कि चित्रकूट के सर्वागीण विकास के कार्यो में यथा संभव सहयोग और आशीर्वाद प्रदान करते रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का शासन न्याय और सुशासन का प्रतीक : कैलाश विजयवर्गीय

ग्रामोदय विवि में आयोजित व्याख्यान माला में प्रभारी मंत्री का संबोधन

जागरण, सतना। नगरीय विकास एवं आवास मत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि लोकमता देवी अहिल्याबाई होल्कर का शासन, न्याय और सुशासन का अनूठा उदाहरण है। वह कुशल प्रशासक, बुद्धिमान और रणनीति कार महिला शासक रही है। तत्कालीन समय में सारा देश युद्ध के वातावरण में था लेकिन उन्होंने अपने राज्य में कोई भी युद्ध नहीं होने दिया। दार्शनिक राजा होने के साथ वह कुशल वक्ता भी रही हैं। प्रभारी मंत्री सोमवार को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती समारोह के अवसर पर चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय और डीआरआई द्वारा संयुक्त तत्वाधान में आयोजित व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विधायक विक्रम सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, कुलगुरू ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, प्रबल श्रीवास्तव, अनिल जायसवाल, कार्तिकेय द्विवेदी भी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि 31 मई से पूरे देश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती समारोह को जयंती वर्ष के रूप में पूरे वर्ष भर मनाया जायेगा। मालवा क्षेत्र की महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने शिव भक्ति की आराधना में लीन होते हुए शासक के रूप में कुशल रणनीति और कुशल कूटनीति का उत्कृष्ट उदाहरण दिया। इतिहास में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर अकेली महिला शासक रही। जिन्होंने 28-30 सालों तक शासन करते हुए अपने राज्य में एक भी युद्ध नहीं होने दिया और ना ही उनके शासन काल अकाल पडा। कुशल सुशासन उत्पादन का कुशल प्रबंधन और न्याय प्रियता, सेवा, धर्म की धनी देवी अहिल्याबाई होल्कर आधुनिक विचाराधारा के बावजूद अपने सनातन परंपरा को पल्लवित करने का काम किया। धर्म परायण, समाज सुधारक, संगीत प्रेमी, मालवा की महारानी होने पर भी सामान्य स्वरूप में महेश्वर के महल में रही है। जिन्होंने हिन्दुत्व के स्वाभिमान को जगाने के लिए टूटे हुए मंदिरों को पुर्ननिर्माण कराया और 250 मंदिर बनवाये। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विधायक विक्रम सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, कुलगुरू ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, प्रबल श्रीवास्तव, पूर्व स्पीकर अनिल जायसवाल, बालेन्द्र गौतम भी उपस्थित थे।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित

रीवा। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत राज संस्थाओं के उप चुनाव के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। इसमें एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि को आधार मानकर नए मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 26 मई तक अधिकारियों को प्रशिक्षण देने तथा शिफ्टिंग सूची के सत्यापन का कार्य करेंगे। मतदाता सूची बनाने वाले वेण्डर 30 मई को शिफ्टिंग, जाँच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रदान करेंगे। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 5 जून को किया जाएगा। इस संबंध में मतदाताओं तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की जाएंगी। मतदाता सूची के संबंध में दावे, आपत्तियां 5 से 11 जून तक प्राप्त किए जाएंगे। दावे आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जाएगा।

जैवविविधता संरक्षण हम सबकी जवाबदेही और जिम्मेदारी

बच्चों ने फल, सब्जी, पक्षी, जानवर पहचाने और पाए पुरस्कार

जागरण, सतना। अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर जैव विविधता प्रबंधन समिति पिथौराबाद द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद के पिथौराबाद पोड़ी तिराहा में आयोजित कार्यक्रम दो सत्रों में हुआ। प्रथम सत्र में कक्षा 5 वीं से लेकर 11वी के छात्रों के बीच जैव विविधता पहचानों प्रतियोगिता रखी गई। विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ ही कार्यक्रम के वक्ताओं ने जैवविविधता की टूटती कड़ियों पर गहन चिंता व्यक्त करते हुए उसके दुष्परिणामों की भी चर्चा की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित ग्रामीणों का सब्जी व पेड़ पौधों के बीज वितरण के साथ हुआ।

कनिष्का प्रथम तो अंशिका को मिला दूसरा स्थान : युवाओं को प्रकृति से जोड़ने और उनमें जैवविविधता संरक्षण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़.चढ़ कर हिस्सा लिया। स्पर्धा में सब्जीए फ्लए अनाजए जानवरोंए पक्षियों के चित्र पहचान के लिए दिखाए गए थे। प्रतियोगिता में शामिल दो दर्जन के करीब बच्चों में कनिष्का दहायत को प्रथमए अंशिका प्रजापति द्वितीय तथा रहस्य प्रताप सिंह को तृतीय तथा दो बच्चों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्रों को वितरण भी किया गया।

विद्वानों ने जैवविविधता की टूटती कड़ियों पर जताई चिंता

परम्परागत अनाज सब्जियों मोटे अनाजों वनस्पतियों और जड़ी बूटियों सहित समस्त जैव विविधता पर परिचर्चा विचार.विमर्श पर केंद्रित दुतीत सत्र केंद्रित रहा। मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के रिटायर महानिर्देश डॉ सदाचारी सिंह तोमर ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण हम सबकी जवाबदेही है। दिन.प्रतिदिन हो रहे बदलाव के दुष्परिणामों को हम सभी देख रहे हैं। इसलिए पेड़.पौधे परम्परागत अनाजों जीव.जंतुओं आदि सभी पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उनने बक्सवाहा जंगल के संरक्षण पर अपने अनुभव साझा किए कि किस तरह आंदोलन से वहां की जैवविविधता संरक्षित की गईघ्। कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे अपर संचालक कृषि विभाग एवं प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड भोपाल आर एस चर्मकार ने कहा कि मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ जैव विविधता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी हैं।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जे पी सिंह बीटीएम आत्मा कृषि विभाग, रामलोटन कुशवाहा, सुरेश दाहिया, डॉ हीरालाल दाहिया, समाजसेवी बलिराम सिंह, पंचायत सचिव छकौडीलाल सिंह, अनुपम दाहिया, प्रदीप जायसवाल, डॉदिलीप द्विवेदी, सौखीलाल कुशवाहा, राजेश रावतए कु काजल चाहत सहित विभिन्न अशासकीय संस्थाओं के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में क्षेत्र ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पड़रिया कला में हुई चोरी, लाखों का सामान चोरों ने किया पार

जागरण, सतना । रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के गांव ग्राम पड़रिया कला में बीती रात चोरों ने दरवाजा तोड़कर लाखों का सामान पार कर दिया! प्राप्त जानकारी के अनुसार राम विश्वास कुशवाह निवासी पड़रिया कला कहीं बारात में गए हुए थे और उनका बेटा भी कहीं बारात में गया हुआ था जिसमें रात्रि तकरीबन 11 बजे वह बारात से घर वापस आए और अपने कमरों में जाकर सो गए सुबह जब उठे तो दरवाजा बाहर से बंद था जिस पर आवाज लगाने के बाद बेटे ने पीछे के दरवाजे से आकर दरवाजा खोला मगर जब अंदर जाकर देखा तो दूसरे दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ था और अंदर जाने पर देखा कि जहां पर उनका जेवर और नदी पैसे रखे हुए थे वह बक्सा तितर बितर पड़ा हुआ है चोरी की आशंका होने पर पीड़ित परिवार ने रामपुर बघेलान ने थाने को सूचित किया जिसकी जानकारी लगते ही रामपुर बाघेलान पुलिस तत्काल घटना स्तर पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को भी घटना स्तर पर बुलाया जिस पर फॉरेंसिक टीम से अजीत सिंह ने वहां पर पड़ी हुई वस्तुओं के फिंगरप्रिंट लिए और मोबाइल लोकेशन ट्रेस की पीड़ित परिवार से मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने तकरीबन 15 लाख रुपए तक के जेवर और 75 हजार नगद पार कर दिया पुलिस मामले की सघन जांच कर रही है।

डॉ आस्था सनाढ्य को पीजी एम्स परीक्षा में 426वां स्थान

जागरण, सतना। अमरपाटन निवासी डॉ आस्था सनाढ्य ने एम्स अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान हेतु सम्पन्न पीजी प्रवेश परीक्षा में आल इण्डिया रैंक 426 प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय सफ्लता हेतु पूर्व मंत्री विधानसभा उपाध्यक्ष एवं विधायक डॉ राजेन्द्र कुमार सिंह जिला न्यायाधीश एसके चौबे जिला न्यायाधीश एमएस मिश्रा न्यायाधीश पूर्णाक चौबे, एनडी टीवी के ज्ञान शुक्ला, बेदान्ती त्रिपाठी, डॉ शिवप्रसन्न शुक्ल, डॉ उमेशचन्द्र तिवारी, डा गजेन्द्र द्विवेदी, राहुल देव सिंह, अतीन्द्र त्रिपाठी, डॉ मुकेश प्रसन्न, प्रशान्त व्यास, शैलेश गुप्ता, निधी तिवारी माधुरी शर्मा, डॉ अर्पित पाठक, डॉ युग दुवेदी राजनारायण द्विवेदी, सुधीर गर्ग, शैलेन्द्र सनाढ्य, मुकेश गर्ग पुष्पराज त्रिपाठी, शुभान्सु बागरी, पप्पी बागरी, भानुमती सिंह नीतू प्रजापति, दीपा गर्ग सुरेन्द्र बागरी अजय पाठक, प्रहलाद द्विवेदी, जयप्रकाश पाठक प्रदीप जैन, ज्ञानेन्द्र मिश्रा डॉ अजय तिवारी जितेन्द्र सनाढ्य राजकिशोर श्रीवास्तव, प्रियांक रेले, श्रद्धा रेले, गौरव मिश्रा प्रशान्त आशुतोष जैन दीपान्शु बागरी निलिशा मिश्रा श्रीमती गीता मिश्रा श्रीमती दुलारी जैनए आभा गौतम आभा तिवारी प्रदीप तिवारी रैहान रिजवी, सुधीर सनाढ्य सुरेश शुक्ल राजन सिंह महेश प्रसाद रजक संजय यादव बाला प्रसाद मोलई प्रसाद आदि.आदि ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की कामना की है।उल्लेखनीय है कि डॉ आस्था सनाढ्य ने शास0 गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल से एक वर्ष के इन्टर्नशिप सहित 2025 में ही एमबीबी एस की डिग्री हासिल की तथा प्रथम प्रयास में ही एम्स पीजी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की। डॉ आस्था के पिता आरण् केण् सनाढ्य जन शिक्षण संस्थान सतना में निदेशक एवं मा श्रीमती रचना सनाढ्य सतना में शासकीय शिक्षिका है।

जय जोहार कोचिंग सेंटर का हुआ शुभारम्भ

जागरण, सतना । नगर परिषद रामपुर बघेलान अंतर्गत वार्ड नं 11 इटमा नई बस्ती में गरीब बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के लिए रामकुमार आदिवासी उपाध्यक्ष और शिक्षा समिति के अध्यक्ष मुख्य अतिथि रामायण सिंह पूर्व पार्षद की अध्यक्षता में जय जोहार कोचिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया जिसमें वार्ड के गरीब आदिवासी बच्चो को सुबह और शाम निः शुल्क कोचिंग के द्वारा शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर समाज सेवी सुदर्शन कोलए अशोक कोलए रमेश कोलए जगदीश कोलए संता कोलए पुष्पेंद्र कोल और शिक्षक रामबली सिंह के साथ कोचिंग के बच्चे उपस्थित रहे। बच्चो को मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए रामकुमार आदिवासी ने कहा कि शिक्षा ही मानव को जीवन जीने की कला और सम्मान दिलाती है अतः हम सब मिलकर बच्चो को शिक्षा और संस्कार के लिए काम करना चाहिए। रामबली सिंह ने उपस्थित बच्चो को पेन कापी देकर निः शुल्क कोचिंग में शामिल होकर शिक्षा प्राप्त करे इसके लिए माताओं को ध्यान देना जरूरी है क्योंकि पहली गुरु माता और पहली शाला घर होता है जहां से बच्चे संस्कार प्राप्त करते हैं। अंत मे बच्चो को मिष्ठान वितरण कर कोचिंग के संचालक सुदर्शन कोल को बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

लघु उद्योग भारती रीवा इकाई का हुआ पुनर्गठन

रीवा। लघु उद्योग भारती की रीवा इकाई का पुनर्गठन होटल स्टार में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एस.एन तिवारी (जिला संघचालक, रीवा) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल वासवानी (महाकौशल अंचल, लघु उद्योग भारती) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा से हुआ। तत्पश्चात राहुल द्विवेदी द्वारा अतिथियों के सम्मान में स्वागत भाषण दिया गया। पूर्व अध्यक्ष उपदेश पंसारी जी ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा किया। इसके बाद निल वासवानी द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें दीपक मदान को लघु उद्योग भारती रीवा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। आशिष तिवारी को सचिव, नम्रता वर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया। उपाध्यक्ष पद का दायित्व क्रमशः हरीश ढींगरा, विपुल आर्य एवं संतोष दुबे को सौंपा गया। सह सचिव के रूप में मोहित सचदेवा तथा सह कोषाध्यक्ष के रूप में नमन ताम्रकार को नियुक्त किया गया। अनिल वासवानी जी द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष को कार्यभार सौंपते हुए उनका स्वागत किया गया। दीपक मदान ने रीवा के सभी उद्यमियों को उद्योगों के विकास एवं समस्याओं के समाधान हेतु सदैव समर्पित होकर कार्य करने का विश्वास दिलाया तथा लघु उद्योग भारती मध्यप्रदेश को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने हेतु आभार व्यक्त किया।

रीवा के श्रेयश जैन को मुंबई में मिला सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी सम्मान

रीवा। रीवा के श्रेयश जैन को भारत के प्रसिद्ध मैनेजमेंट कॉलेज नार्सी मूंजी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज मुंबई में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नार्सी मुन्जी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज मुंबई के दीक्षांत समारोह के अवसर पर श्रेयश जैन को कॉलेज का सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी शैक्षणिक एवं स्टूडेंट एक्टिविटीज विद्यार्थी गतिविधियों की ट्रॉफी पेप्सी कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मुख्य कार्यपालिक अधिकारी जागरूत कोटेजा, जी.एस.के. फार्मास्यूटिकल्स की चेयरमैन रेणु सड कर्नड एवं कॉलेज के डीन डॉक्टर जस्टिन पॉल ने प्रदान की। श्रयेश मेधावी छात्र के रूप में प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया एवं प्लेसमेंट कमेटी में विशेष योगदान रहा है। श्रेयश जैन लायन अतुल जैन एवं वालेन्तीना जैन के पुत्र हैं। जिन्होंने ग्वालियर के माधव इंस्टिट्यूट से इंजीनियरिंग की उपाधि लिली एवं प्राथमिक शिक्षा सैनिक स्कूल निकेतन एवं ज्योति स्कूल से प्राप्त की, आपकी लगन एवं समर्पण के कारण आदित्य बिरला कैपिटल कंपनी ने मुम्बई में प्रोजेक्ट ट्रेंनिंग के पश्चात मैनेजमेंट ट्रेनिंज एच.आर (मानव संसाधन) के पद पर नियुक्ति प्रदान की। उन्होंने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया है। इस उपलब्धि पर कालेज के शिक्षक, विधार्थियों, लायंस क्लब, वैश्य समाज, भारत विकास परिषद जैन समाज के सदस्यों एवं मित्रों ने खुशी व्यक्त की एवं बधाई दी है।

पुस्तक विक्रेता संघ की रीति-नीति बताई, सम्मान भी किया

संघ की बैठक में जिले भर के पुस्तक व्यवसायी रहे उपस्थित

जागरण, रीवा। रविवार 25 मई 25 को जीत रेसीडेंसी में पुस्तक विक्रेता जिला संघ की बैठक हुई। जिसे मुख्य अतिथि पुस्तक विक्रेता संघ के संरक्षक नरेंद्र गुप्ता व कमलेश सचदेवा, एड सुनील अग्रवाल रहे, अध्यक्षता पुस्तक विक्रेता संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय गुप्ता ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के सचिव वरिष्ठ पुस्तक विक्रेता मयंक प्रकाश गोयल उपस्थित रहे। संचालन संघ के सह सचिव प्रेमचंद गुप्ता व आभार गौतम लॉ एजेंसी के शिवेश गौतम ने किया गया। अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी पुस्तक विक्रेता साथियों को स्वागत के साथ ही संघ की आवश्यकता की जानकारी दी। कहा कि सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान के साथ-साथ सोशल मीडिया में भी एक्टिव रहे और अपनी बातें सोशल मीडिया के माध्यम से भी सबके समक्ष रखें। संघ उपाध्यक्ष अग्रसेन बुक डिपो के संचालक कमलेश अग्रवाल ने विक्रेताओं के साथ हो रही समस्या पर गहरा प्रकाश डाला। संरक्षक कमलेश सचदेवा व संघ के संरक्षक एडवोकेट सुनील अग्रवाल आवश्यक जानकारी दी गई। संरक्षक नरेंद्र गुप्ता ने शासन की गाइडलाइन के ईमानदारी पूर्वक काम करने को कहा। इस अवसर पर सभी व्यापारी बंधुओ को शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से शिवम गुप्ता ,अजय कुमार तिवारी, श्रवण गुप्ता, आशीष गुप्ता, अशोक गुप्ता, दरबारी लाल गुप्ता, आयुष गुप्ता, राजेश गुप्ता, सत्येंद्र पांडे, संजय गुप्ता, दिलीप तिवारी, राजकुमार कुशवाहा, राजकुमार गुप्ता, अनिल गुप्ता, मोहम्मद नईम आजाद, मुनेश कुमार द्विवेदी, पुष्पेंद्र गुप्ता, अमित कुमार केसरवानी, राम गोपाल गुप्ता, जितेंद्र केसरवानी, रविंद्र गुप्ता, बृजेश गुप्ता लवकुश गुप्ता, पुष्पराज गौतम, विजय सिंह, संतोष गुप्ता, नीरज गुप्ता, राजेश सिंह परिहार, अनिल कुमार अग्रवाल, विमल श्रीवास्तव, शुभम केशरवानी, संजय श्रीवास्तव, श्रवण प्यासी, प्रवीण अग्रवाल, डी दास गुप्ता, मंगलेश्वर प्रसाद तिवारी, कादिर खान, सिद्धार्थ अग्रवाल प्रदर्शनी बुक हाउस, संतोष अग्रवाल, मोहम्मद वसीम आजाद, भास्कर मिश्रा, सुरेश कुशवाहा, कामता शरण द्विवेदी, बृजेंद्र गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, सुलभ कुमार पुरवार, अजीम खान प्रिंस आजाद, राकेश सिंह, सुरेश चंद्र गुप्ता, संतोष कुमार गुप्ता, गंगा प्रसाद पांडे, अंकित गुप्ता, आशीष गुप्ता, हेमंत अग्रवाल आदि सैकड़ों व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

शिक्षक समस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

रीवा। जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता की अध्यक्षता में व राजेश मिश्रा एवं अखिलेश मिश्रा सहायक संचालक तथा विकासखंड शिक्षाधिकारी सिरमौर रामराज मिश्रा की उपस्थिति में विकास खंड सिरमौर स्तर पर शिक्षक समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विकास खंड के समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, लिपिक उपस्थित रहे। शिविर में शिक्षको की क्रमोन्नति, समयमान, वेतन वृद्धि, लंबित भुगतान पेंशन प्रकरण, नामांकन, बोर्ड परीक्षा परिणाम, संबंधित समस्त बिन्दुओं पर चर्चा की गई एवं शिक्षकों से आवेदन लिए गए तथा मौके पर निराकरण किया गया।

उर्रहट में भजन संध्या का आयोजन आज

रीवा। स्व0 यशोदाबाई ताम्रकार की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी 27 मई 2025 मंगलवार को सांयकाल 7.00 बजे से उर्रहट रीवा स्थित नन्द भवन में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें नगर प्रमुख भजन गायकों द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। उक्त आशय की जानकारी स्व0 यशोदाबाई ताम्रकार स्मृति समिति के सचिव डॉ.उमेश कुमार ताम्रकार ने प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए नगर के गणमान्य नागरिकों, भजन प्रेमियो एवं सुधी जनों से कार्यक्रम में पहुँचने का अनुरोध किया है।

ठेका निरस्त होने से एनएच-39 के कार्यों में लगा ग्रहण

जागरण लापरवाही

एमपीआरडीसी भोपाल के मुख्य अभियंता ने की कार्रवाई

टीबीसीएल कंपनी कर रही थी सड़क के विभिन्न कार्य

जागरण, सीधी

नेशनल हाईव 39 सीधी-सिंगरौली के निर्माणाधीन फोरलेन के कार्य की धीमी प्रगति पर मुख्य अभियंता एमपीआरडीसी भोपाल ने टीबीसीएल कंपनी का ठेका निरस्त कर दिया। ठेका निरस्त होने से एनएच-39 के कार्यों में ब्रेक लग गया है। दरअसल नेशनल हाईवे-39 सीधी-सिंगरौली निर्माणाधीन फोरलेन का कार्य कई दिनों से ठप्प पड़ा हुआ था। जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं एमपीआरडीसी के अधिकारियों की नाराजगी पर भी ठेका कंपनी लापरवाह बनी हुई थी। बताते चले कि सीधी-सिंगरौली के कार्य की वर्ष 2012-13 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देवसर में आधारशिला रखी थी। तीन साल के अंदर सड़क बनाने का लक्ष्य संविदाकार कंपनी गैमन इंडिया को दिया गया था। उस दौरान सड़क की लागत साढ़े 12 सौ करोड़ से ऊपर की थी। किंतु गैमन इंडिया 8 साल के वक्त में भी आधा काम भी नहीं कर सकी। जिसके चलते एमपीआरडीसी के द्वारा वर्ष 2020-21 में गैमन इंडिया का ठेका निरस्त कर दिया था। इसके बाद दूसरी बार टेंडर हुआ। जिसकी कुल लागत 331.16 करोड़ रूपये का ठेका टीबीसीएल संविदाकार कंपनी बुढ़ार शहडोल को मिला। इसे 4 अप्रैल 2023 तक में कार्य पूर्ण करने के लिए कुल 18 महीने का अनुबंध कर ठेका दिया गया था। टीबीसीएल 36 महीने का वक्त लेकर भी सड़क का कार्य पूर्ण नही कर सकी। लिहाजा आरोप लगने लगे कि संविदा कंपनी टीबीसीएल भी उक्त कार्य करने में सक्षम नही है। धीमी कार्य के प्रगति को लेकर सरकार के साथ-साथ एमपीआरडीसी के अमले की किरकिरी शुरू हो गई। विपक्ष लगातार एनएच-39 सीधी-सिंगरौली के निर्माण कार्य को लेकर सरकार एवं एमपीआरडीसी तथा संविदाकार कंपनी टीबीसीएल को घेरते हुये सवाल खड़े कर रहे थे। अंततः एमपीआरडीसी भोपाल के मुख्य अभियंता ने पिछले दिनों सीधी-सिंगरौली एनएच-39 के टीबीसीएल कंपनी के ठेका को निरस्त कर दिया। अब बारिश के महीने तक आवश्यकता अनुसार सड़क का मरम्मत कार्य एमपीआरडीसी कराएगा। साथ ही उक्त सड़क की टेंडर प्रक्रिया को आगे भी बढ़ाने का काम शुरू कर दिया गया है। अब सवाल उठ रहा है कि सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे के कार्य में कौन सा ऐसा ग्रहण है जो कार्य में बाधक बना हुआ है। सड़क बनने के लिए अब एक-डेढ़ साल मुसाफिरों एवं वाहन चालको को इंतजार करना पड़ सकता है।

दूसरी बार एनएच-39 का ठेका हुआ निरस्त

नेशनल हाईवे-39 सीधी-सिंगरौली का ठेका दूसरी बार निरस्त होने के बाद अब तीसरी बार होगा। एमपीआरडीसी के अधिकारियों की लापरवाही के चलते उक्त सड़क अनियमितता के साथ-साथ घोर उदासीनता की भेंट चढ़ गई है। वर्ष 2012.13 में उक्त सड़क का भूमि पूजन हुआ था। तब सड़क ठेका का कार्य गैमन इंडिया को मिला था। उसने टेक्रोयूनिक को कार्य सौप दिया था। लेकिन निर्धारित समय सीमा में गैमन इंडिया भी कार्य पूर्ण नही करा सका। अंततरू मुख्य कार्य अभियंता एमपीआरडीसी के द्वारा 2020.21 में निरस्त कर दोबारा टेंडर कराया गया। जहां टीबीसीएल कंपनी को बुढ़ार शहडोल दूसरी बार कार्य मिला था। टीबीसीएल ने भी 18 महीने के स्थान पर 36 महीने से अधिक का वक्त लगा दिया था। फिर भी कार्य पूर्ण नही हुआ था। अब तीसरी बार सड़क का टेंडर होगा।

सड़को का मेंटिनेंस कराएगा एमपीआरडीसी

जानकारी के अनुसार टीबीसीएल संविदाकार कंपनी का ठेका निरस्त किये जाने के बाद बारिश के दिनों में सीधी-सिंगरौली मार्ग में आवागमन बाधित ना हो इसके लिए बारिश के पहले और बारिश के दिनों में सड़क मरम्मत का कार्य एमपीआरडीसी करायेगा। ताकि वाहनों के आने-जाने व आवागमन में कोई दिक्कत न हो। एमपीआरडीसी इसकी मॉनिटरिंग कर कार्य कराने का जिम्मा उठाएगा।

कार्य में 1 हजार 29 करोड़ रूपये खर्च

नेशनल हाईवे-39 सीधी-सिंगरौली के प्रथम टेंडर में कार्य की कुल लागत करीब साढ़े 12 सौ करोड़ रूपये मंजूर किया गया था। जिसमें गैमन इंडिया को 871 करोड़ रूपये भुगतान किया गया। जबकि दूसरी बार टेंडर में तीन सौ 331.16 करोड़ रूपये मंजूर था। मेसर्स टीबीसीएल संविदा कंपनी को कुल 158 करोड़ रूपये का भुगतान किये जाने की चर्चा है। एमपीआरडीसी के सूत्रों के मुताबिक सीधी-सिंगरौली के 85 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य में कुल 1 हजार 29 करोड़ रूपये खर्च किया जा चुका है और आगे करीब ढाई सौ करोड़ रूपये खर्च करने का प्रस्ताव है। बताया जा रहा है कि 85 किलोमीटर के कार्य को अलग-अलग तीन हिस्सों में बाटा गया है। जिसके संबंध में टेंडर प्रक्रिया कई महीने से प्रचलन में है। अब टेंडर एवं अनुबंध प्रक्रिया को पूर्ण करने में कम से कम 8 महीने का वक्त लग सकता है।

लोक संगीत के क्षेत्र में राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय का विशेष योगदान

जागरण, सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले की राष्ट्रीय लोक गायिका एवं देश की सबसे छोटी लोक गायिका मान्या पाण्डेय का विंध्य क्षेत्र के लोक संगीत को आगे बढ़ाने एवं संरक्षित करने में विशेष योगदान रहा है। सुश्री मान्या पाण्डेय विंध्य क्षेत्र की एक मात्र ऐसी लोक गायिका हैं जिन्होंने बहुत कम उम्र में देश भर में बघेली लोकगीतों को पहुंचा रही है। वर्ष 2023 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पंचायतराज दिवस के अवसर पर रीवा में आयोजित कार्यक्रम को 11 मिनट खड़े होकर मान्या पाण्डेय एवं साथियों के कार्यक्रम को देखा था। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी कई बार मान्या पाण्डेय के संवाद कर चुके हैं। सुश्री मान्या पाण्डेय 5 वर्ष की छोटी उम्र से मंचीय प्रस्तुति दे रही है। अब तक देश के विभिन्न प्रदेशों लगभग 422 मंचों में प्रस्तुति दे चुकी हैं। इसके साथ ही देश के विभिन्न राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक न्यूज चौनलों में अपने लोकगीतों की प्रस्तुति दे चुकी हैं। बघेली लोकगीतों के साथ-साथ बुंदेली, अवधी, मैथिली, भोजपुरी, छत्तीगढ़ी लोकगीतों का अनुभव भी है। मान्या सीधी पर्यटन, सीधी पुलिस, नेशनल आर्टिस्ट यूनियन बिहार, झारखंड, उत्थान सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति सीधी-रीवा मप्र की ब्रांड एम्बेसडर भी रही हैं। कांसेप्ट कम्यूनिकेशन कंपनी मुंबई द्वारा मध्यप्रदेश माध्यम, मप्र शासन का उपक्रम के द्वारा इन्फ्लुएन्सर नियुक्त किया गया है। आपके द्वारा भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली, मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग भोपाल, स्वराज संस्था भोपाल, जनजाजीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी भोपाल, मध्य प्रदेश जन संपर्क विभाग भोपाल आदि शासकीय आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जाता रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश के रीवा में धरती कहे पुकार कार्यक्रम में मान्या पाण्डेय ने प्रस्तुति दी। उक्त प्रस्तुति को प्रधानमंत्री ने 11 मिनट खड़े होकर कार्यक्रम को देखा और मान्या पाण्डेय की प्रसंशा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं संस्कृति मंत्री के द्वारा सम्मानित किया गया। वर्ष 2015 से अब तक शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के द्वारा सुश्री मान्या पाण्डेय को लोकगायन पर उत्कृष्ट एवं विशिष्ट 238 सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। जिसमें 2015 को महाउर कला सम्मान, 2016 में तुलसी सम्मान, 2017 में विंध्य कला सम्मान, 2018 में विंध्य शिखर सम्मान, 2019 में भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय द्वारा कला सम्मान, 2020 में काशी सम्मान, 2021 में छत्तीसगढ कला सम्मान, 2022 में नर्मदा सम्मान, 2023 में नारायणी नमः सम्मान, 2024 में साहित्य कला अकादमी भोपाल के द्वारा साहित्य सम्मान, विंध्य कला सम्मान एवं विन्ध्य लोकरंग सम्मान आदि प्रमुख हैं।

लोक शिक्षण विभाग का आदेश बेअसर

जागरण, सीधी। लोक शिक्षण मप्र भोपाल द्वारा स्थानांतरण नीति 2022 के तहत जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में तीन वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मचारियों को अन्य कार्यालयों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत क्रय/स्टोर/स्थापना शाखाओं में कार्यरत कर्मचारियों के अन्य कार्यालयों में पदस्थ करने हेतु प्रशासकीय स्थानांतरण हेतु प्रस्ताव 13 मई 2025 तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। उक्त आदेश का अमल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीधी में करने की जरूरत नहीं समझी गई। लिहाजा लोक शिक्षण संचालक डीएस कुशवाह द्वारा 21 मई को फिर आदेश जारी कर दो दिवस की समय-सीमा के भीतर संबंधित कर्मचारियों की सूची मांगी गई है। इसको भी सीधी में नजर अंदाज किया जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ही कई लिपिक वर्षों से एक ही शाखा में जमे हुए हैं। इनमें लेखा परीक्षक अरूण प्रताप सिंह फरवरी 99 से, सहायक ग्रेड 3 राजकुमार शर्मा मार्च 1985 से, सहायक ग्रेड 3 आजय सिंह सितंबर 2003 से, सहायक ग्रेड 2 लालबहादुर सिंह सितंबर 2011 से, सहायक ग्रेड 2 श्यामलाल मिश्रा फरवरी 1986 से, ऑडिटर मुन्नालाल वर्मा जनवरी 2021 से, लेखापाल रमसा भैयालाल गुप्ता 2011 से, लिपिक चित्रसेन गौतम नवंबर 2022 से पदस्थ हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि लंबे समय से पदस्थ लिपिकों के स्थानांतरण की मांग हो रही है। जिसकी लगातार अनदेखी की जा रही है।

पुलिस ने लापता किशोरी को नरसिंहपुर से किया दस्तयाब

जागरण, सीधी। गुम बालक/बालिकाओं के दस्त्याबी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जमोड़ी पुलिस ने लापता किशोरी को ढूंढ़कर नरसिंहपुर से दस्तयाब किया। रिपोर्ट करने के महज 3 दिनों के भीतर पुलिस ने परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा गुमशुदा बालिकाओं के दस्तयाबी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तत्वाधान में पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रवीन्द्र वर्मा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी के मार्गदर्शन मे तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व मे जमोड़ी पुलिस ने लापता किशोरी को नरसिंहपुर से दस्तयाब कर वैधानिक कार्रवाई उपरांत परिजनों को सुपुर्द किया है। थाना जमोडी जिला सीधी मे एक परिजन ने रिपोर्ट लेख कराया कि उनकी नाबालिक पुत्री घर से बिना बताये कही चली गई है। जिसकी पता तलाश आस पडोस एवं रिश्तेदारी में किया लेकिन किशोरी का कोई पता नही चला। मामला गंभीर होने के कारण थाना प्रभारी जामोड़ी ने मामला पंजीबद्ध कर किशोरी की पता तलाश हेतु टीम का गठन कर पुलिस टीम रवाना किया जो किशोरी के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त होने पर किशोरी को जमोड़ी पुलिस टीम ढूंढ़कर नरसिंहपुर से दस्तयाब करते हुए वापस लाई जिसे वैधानिक कार्रवाई पश्चात परिजनों को सुपुर्द किया गया है। समस्त कार्रवाई मे थाना प्रभारी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, प्रआर महाराणा प्रताप सिंह, आरक्षक केपी सिंह, अभिषेक तेंदुलकर, महिला आरक्षक स्वाति द्विवेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

200 शीशी नशीली सिरप के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

3 लाख 39 हजार का मशरूका जब्त

जागरण, सीधी

मझौली पुलिस नें 200 शीशी प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ लगभग 3 लाख 39 हजार रूपए कीमती मशरुका जप्त किया। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं एसडीओपी मझौली सुश्री रोशनी ठाकुर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक दीपक बघेल के नेतृत्व में मझौली पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। पुलिस के अनुसार दिनांक 25 मई 2025 को थाना मझौली पुलिस द्वारा एक सूचना के आधार पर ग्राम चुवाही स्थित भीम ढाबा के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध ग्रे रंग की वैगनार कार को रोका गया, जिसमें सवार तीन व्यक्तियों के कब्जे से कुल 200 शीशी प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप कीमत लगभग 39 हजार रुपए जप्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित गुप्ता पिता रमेश प्रसाद गुप्ता उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 15, रजा मोहल्ला, थाना धनपुरी जिला शहडोल, अर्जुन बैश पिता रामकैलाश बैश उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम ताला थाना मझौली, जिला सीधी एवं प्रशांत नामदेव पिता स्व. रमेश नामदेव उम्र 21 वर्ष निवासी मिश्रा कॉलोनी वार्ड क्रमांक 17 थाना कोतवाली जिला सीधी शामिल हैं। तलाशी के दौरान कार की बीच वाली सीट के नीचे पीले रंग की प्लास्टिक बोरी में 110 शीशी तथा आरोपी अर्जुन बैश की निशानदेही पर ग्राम ताला के पास पुल के नीचे से सफेद बोरी में 90 शीशी नशीली सिरप बरामद की गई। उक्त प्रकरण में मप्र ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम की धारा 5/13 एवं एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/22 के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल सीधी भेजा गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी मझौली उनि दीपक बघेल, सउनि कमलेश त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक शंकरराज सिंह, आरक्षक धीरेन्द्र बागरी, सोनू बंसल, प्रभात सिंह एवं दीप नारायण सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

मेडिकल कॉलेज से ज्यादा जरुरी भाजपा कार्यालयः पंकज

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया के उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने भाजपा के नव निर्मित होने जा रहे जिला कार्यालय को लेकर कहा है कि वर्तमान में सीधी जिले में चिकित्सा सेवाओं के बुरे और फटेहाल स्थिति को ध्यान में रखते हुए क्या मेडिकल कॉलेज से ज्यादा जरुरी भाजपा कार्यालय है। सीधी जिले में लगातार मेडिकल कॉलेज कि मांग उठ रही है लेकिन अभी तक उसका कहीं रता पता नहीं है पर इन सब के उलट भाजपा जिला कार्यालय बनने को तैयार है। सीधी में भाजपा कार्यालय अब इतना हाईटेक बनेगा कि लगेगा कोई अंतरिक्ष यान उतरने वाला है। जनता सोच रही है कि क्या इसी हाईटेक इमारत से कभी एक डॉक्टर, एक स्ट्रेचर या एक इंजेक्शन भी निकलेगा। अस्पताल के छज्जे गिर जाएं तो चल जाएगा, लेकिन पार्टी ऑफिस की छत में अगर एक भी दरार आ गई तो आपातकाल घोषित हो सकता है। जिस जिला अस्पताल से जनता की साँसें जुड़ी हैं, वहीं अस्पताल अब मात्र अपनी चुनिंदा सांसे गिन रहा है। पंकज सिंह ने कहा कि फिर से कोरोना के वापसी की खबरें आने लगी हैं और जिलेभर की चिकित्सा सेवाओं की हालत बेहद बुरी है। जिला अस्पताल में सिविल सर्जन और सीएमएचओ और सिविल सर्जन के पद पर खरे दाम्पति का इन दिनों कब्जा है जिसको यहां के सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों और नेताओं का खुला संरक्षण प्राप्त है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण निराकृत करायें: कलेक्टर

जागरण, सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि मई-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने सीमांकन एवं भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि दिनांक 29 मई से 12 जून 2025 तक विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन खरीफ पूर्व किया जाना है। उक्त अभियान अन्तर्गत केन्द्रीय एवं राज्य की योजनाओं, वैज्ञानिक अनुसंधानों, उन्नत कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी की तकनीकियों एवं कृषकों द्वारा किये जा रहे नवाचारों इत्यादि के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं तकनीकी हस्तांतरण के लिए उक्त अभियान के अन्तर्गत प्रतिदिन ग्राम पंचायतों पर निर्धारित रूट चार्ट अनुसार अभियान का क्रियान्वित किया जाना है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों तथा मैदानी अमले को अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिले में समग्र ई-केवाईसी की प्रगति को लेकर कलेक्टर द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। कुछ क्षेत्रों में ई-केवाईसी की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में ई-केवाईसी कार्य को प्राथमिकता पर लें और समयबद्ध रूप से लक्ष्यों को पूर्ण करें। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत खाद्यान्न प्राप्त कर रहे समस्त हितग्राहियों के साथ-साथ जिले के सभी व्यक्तियों का भी ई-केवाईसी करने के निर्देश दिए गये है। ई-केवाईसी कार्य को पूर्ण कराने एवं अपात्र व्यक्तियों के नाम समग्र पोर्टल से हटाने के लिए अभियान चलाकर 31 मई 2025 तक आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करेंगे। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत जिले के चयनित ग्रामों विकासखंड रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम रामपुर, मझौली अंतर्गत ग्राम देवरी, सिहावल अंतर्गत ग्राम पटेहरा कोठार एवं तरका में अधोसंरचना विकास के कार्यों की कार्ययोजना निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्रसाल स्टेडियम में क्रिकेट मैच का हुआ आयोजन

जागरण, सीधी। छत्रसाल स्टेडियम में जिला क्रिकेट संघ सीधी द्वारा डीसीए ए और डीसीए बी के बीच खेले गए मैच में सर्वप्रथम मैच की शुरुआत होने से पहले इस मैच के मुख्य अतिथि डॉ. अनूप मिश्रा, अध्यक्षता डीसीए के सचिव उपेंद्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि कौशलेंद्र सिंह, चंदन मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उसके बाद टॉस कराया डीसीए ए के कप्तान हिमांशु ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुएए डीएस ए ने अपनी पहली पारी में निर्धारित 25 ओवर में 151 रन बनाकर ऑल आउट हो गई डीसीए ए के तरफ से हिमांशु ने 25 रन, कार्तिकेय ने 21 रन बनाए, डीसीए बी की तरफ से दिव्यांश ने 4 विकेट, सारांश ने 4 विकेट लिए एवं डीसीए बी की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए आसानी से यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया और यह मैच अपने नाम किया। डीसीए बी की तरफ से अभिजीत सोनी ने 73 रन एवं सारांश सिंह ने 33 रनों की शानदार पारी खेलकर अपने टीम को मैच जिताया। डीसीए ए के तरफ से अथर्व ने 3 विकेट एवं हर्ष गुप्ता ने 1 विकेट लिए।

बाइक सवारों के हमले में सीमेंट लोड ट्रेलर पलटा, ड्राइवर घायल

टोल प्लाजा से बचने अंदर के मार्ग से आ रहा था ट्रेलर

ट्रेलर के पलटने से सड़क में बिखरी सीमेंट की बोरियां

जागरण, सीधी

शहर के जमोड़ी चौराहा में आज टोल प्लाजा से बचकर अंदर के मार्ग से आ रहे सीमेंट से लोड ट्रेलर के ड्राइवर पर बाइक सवारों के हमला करने से अनियंत्रित होकर ट्रेलर पलट गया। बाइक सवारों के हमले में ड्राइवर का एक हांथ गंभीर रूप से चोंटिल हो गया है। ट्रेलर के पलटते ही बाइक सवार हमलावर आनन-फानन मौके पर से भाग खड़े हुए। मिली जानकारी के अनुसार सीमेंट से लोड ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीएन 4963 आज सोनवर्षा टोल प्लाजा के टैक्स से बचने के लिए तेंदुआ से प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से ग्राम करगिल, अमरवाह होते हुए सीधी आ रहा था। अमरवाह रेलवे के समीप विद्युत लाइन का सर्विस तार ट्रेलर की चपेट में आकर टूट जाने से अज्ञात लोगों ने बाइक में सवार होकर पीछा किया। दहशत के कारण ट्रेलर ड्राइवर राजबहादुर यादव निवासी ग्राम पोखरा जिला सीधी रुकने की बजाय तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा था। जमोड़ी चौराहा मुख्य मार्ग में आते ही बाइक सवारों ने साइड में आकर ट्रेलर ड्राइवर के हांथ में डंडा से कई प्रहार किए। जिसके चलते ड्राइवर का हांथ लहूलुहान हो गया और स्टेरिंग पर से वह अपना नियंत्रण खो बैठा। दोपहर करीब 12 बजे अनियंत्रित ट्रेलर के पलटते ही बाइक सवार हमलावर भी भाग खड़े हुए। सूचना मिलने पर जमोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल ट्रेलर ड्राइवर को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। ट्रेलर के केबिन में घटना के बाद ड्राइवर की औरत और बच्चे भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि ट्रेलर के पलटने से इनको कोई चोंटे नहीं आई। बताया गया है कि ड्राइवर की औरत और बच्चे कहीं धार्मिक स्थल में पूजा-अर्चना करने के लिए गए थे और वापस अपने गृह ग्राम की ओर ट्रेलर में सवार होकर आ रहे थे।

सोनवर्षा टोल प्लाजा में गुंडागर्दी चरम पर

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 में जिला मुख्यालय के समीपी सोनवर्षा टोल प्लाजा में मालवाहकों से मनमानी वसूली को लेकर गुंडागर्दी चरम पर है। मनमानी टोल टैक्स देने से बचने के लिए काफी संख्या में मालवाहक अमरवाह, करगिल मार्ग से होते हुए निकलते हैं। लेकिन उक्त मार्ग में भी टोल प्लाजा के गुर्गे जगह-जगह तैनात हैं और उनके द्वारा भी अवैध वसूली की जाती है। बताया गया है कि रात में सबसे ज्यादा रेत से लोड हाइवा निकलते हैं और इनसे भी मनमानी वसूली की जाती है। टोल प्लाजा के बेजा टैक्स से बचने के लिए घटना का शिकार हुआ सीमेंट से लोड ट्रेलर को भी ड्राइवर द्वारा निकालने का प्रयास किया जा रहा था। किंतु वह हमलावरों की चपेट में आकर जहां धायल हुआ वहीं ट्रेलर की पलटने से काफी क्षति हुई।

> सीमेंट से लोड ट्रेलर वाहन के पलटने की घटना की विवेचना की जा रही है। चोंटिल ड्राइवर को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।
>
> **दिव्यप्रकाश त्रिपाठी**
> **थाना प्रभारी जमोड़ी**

जतारा विधायक के ट्रांसफर को लेकर पत्र हुआ वायरल, दूसरीं विधानसभा के लोगों के है लेटर में नाम

विधायक ने कहा फर्जी है पत्र एसपी से करेंगे शिकायत

जागरण, टीकमगढ़

जैसे ही सरकार ने ट्रांसफर पॉलिसी लागू कीए वैसे ही अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने.अपने ट्रांसफर कराने के लिये आवेदन किए है। लेकिन इसके अलाबा भी राजनेताओं के द्वारा अपने पसंद और नापसंद लोगो को इधर से उधर करने का सिलसिला शुरू हो गया है। जिसको लेकर जतारा विधायक हरिशंकर खटीक का एक पत्र शोसल मीडिया पर वायरल हों रहा हैए जिसमे करीब 18 शिक्षकों के नाम लिखे हुए हैए जिसमे कुछ शिक्षकों की जिले से बाहर ट्रांसफर की अनुशंसा की गई है। जिसके बाद से जिले से बाहर की गई अनुशंसा बाले शिक्षकों में पत्र वायरल होते ही उदासी का माहौल बन गया। साथ ही इस पत्र के बाद से जतारा विधायक का दूसरीं विधानसभा

टीकमगढ़ में इंटरफेयर करने का राजनैतिक गलियारों में बाजार गर्म रहा। क्योंकि पत्र में कुछ भाजपा समर्थित नेताओ के परिजन शिक्षकों के भी नाम शामिल है। अगर यह पत्र सही है तो ट्रांसफर लिस्ट आने के बाद इन शिक्षकों को विधायक द्वारा की गई अनुशंसा अनुसार ही ट्रांसफर होनें चाहिये। वही जब इस मामले को लेकर विधायक हरिशंकर खटीक से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि यह भाजपा को बदनाम करने की साज़िश हैंए उनके द्वारा स्थानांतरण को लेकर कोई पत्र जारी नहीं किया हैं। साथ ही बताया हैं की उक्त पत्र की जानकारी उनके पास आई हैए पत्र में जो क्रमांक हैं बह भी गलत है। जबकि उनके पत्र की संख्या तक़रीबन 136 तक पहुंची हैंए लेकिन पत्र में क्रमांक 516 अंकित हैं। साथ ही कहाँ की वर्तमान में बह भोपाल में हैं टीकमगढ़ आते ही पुलिस अधीक्षक से उक्त मामले की शिकायत की जाएगी। उन्होंने बताया हैं की उनके पत्र को स्केन करके यह साज़िश की गई हैं। अब देखना यह होगा कि जतारा विधायक टीकमगढ़ आते ही इस फर्जी पत्र पर एक्शन लेते है और पुलिस अधीक्षक से उक्त फर्जीवाडा करने बाले व्यक्ति पर मामला दर्ज करवाते है कि नही। वही टीकमगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक राकेश गिरी गोस्वामी से उनकी विधानसभा के लोगो के नाम जतारा विधायक के पत्र में आने पर चर्चा की तो उन्होंने बताया की उनके द्वारा कोई नाम ट्रांसफर के लिए नही दिए हैए वह जतारा विधायक से इस मामले की चर्चा करेंगे।

मां के सरपंच बनने के बाद बेटी का टूटने लगा घर

रीवा। मनगवां थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता ने अपने मायके पक्ष के लोगों के साथ महिला थाना पहुंचकर पति पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई है। बताया गया कि एक महिला के सरपंच बनने के बाद उसके बेटी का परिवार टूटने की कगार पर आ चुका है। दामाद ने अपनी सासू मां के सरपंच बनने के बाद अपनी पत्नी को मायके भेज दिया। जिसके बाद वह पांच लाख रुपए की विदाई के साथ बेटी को बुलाने की बात कह रहा है। महिला थाने शिकायत करने पहुंचे बेटी के पिता राम कृष्ण साकेत ने बताया कि उसके बेटी का विवाह दो वर्ष पहले कल्याणगढ़ चित्रकूट निवासी सूरज साकेत नामक युवक से हुआ था, सब कुछ ठीक चल रहा था तभी पीड़िता की मां सरोज साकेत मढ़ी-धवैया की सरपंच बन गई। इसके बाद दामाद ने बेटी को मायके भेज दिया और कहा कि 5 लाख सरपंच मां से लेकर आओ कमाई बहुत है काफी समझाइस के बाद भी दामाद नहीं माना। सूरज साकेत को मनाने के लिए दोनों ही पक्षों के बीच बातचीत हुई फिर भी कोई हल नहीं निकला जिसके बाद पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत महिला थाना में दर्ज करवाई है।

भाजपा ने देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

जागरण, टीकमगढ़। आज स्थानीय बड़े तालाब परिसर के पास स्थित पार्क में देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। भाजपा मीडिया प्रभारी स्वप्निल तिवारी ने बताया कि देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्मशताब्दी वर्ष में भाजपा द्वारा विभिन्न गोष्ठियां संपन्न कराई जा रही हैंए इसी बीच आज स्थानीय पार्क में देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज राजपूत व अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण कर ए उनके जीवन पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार कठिनाइयों में रहते हुए भी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया तथा अंतिम समय तक जनकल्याण के लिए समर्पित रही। कार्यक्रम संयोजक महामंत्री आशुतोष भट्ट ए संचालन मंडल अध्यक्ष नरेश तिवारी व आभार कमलेश पाल द्वारा किया गया।भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज राजपूत ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर की जन्म भूमि भले महाराष्ट्र रही होए परंतु हम सौभाग्यशाली हैं कि उनका संपूर्ण जीवन मध्य प्रदेश में बीता। वह अपनी धर्म परायणताए न्यायप्रियताए परोपकार और राष्ट्रनिष्ठा के लिए जानी जाती है। मां अहिल्याबाई नारी नेतृत्वए सेवा और न्याय से सजी शक्ति की अनुपम कहानी है। मां अहिल्याबाई जानती थी कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्म निर्भर राष्ट्र की नींव होती हैए यदि व्यक्ति कर्मशील होगा और उधम में संलग्न होगा तो अपराध कम होंगे और राज्य की समृद्धि होगीए इसीलिए उन्होंने कृषि में सुधारए वनोंउपज पर आधारित कुटीर और हस्तकला को प्रोत्साहित किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कौशल विकास योजनाए प्रधानमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियानए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजनाए राष्ट्रीय युवा कॉर्प्स योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत का सपना साकार कर रहे हैए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैली में मां अहिल्या का राष्ट्र दिखवाई देता है। माल्यार्पण करने वालों में भाजपा जिला महामंत्री आशुतोष भट्टए मनोज देवालियाए रीतेश भदौराए नरेश तिवारीए रविंद्र श्रीवास्तवए इंजी अभय प्रताप सिंह यादवएशोभरन कुशवाहाए अंशुल व्यासए प्रफुल्ल द्विवेदी सुशीला राजपूत पूनम अग्रवालए पुष्पा यादव विभा श्रीवास्तवए रधुवीर राजपूत डॉ सुमित उपाध्यायए अरविंद खटीकए रोहित वैसाखियाए महेश साहूएज्ञानेंद्र सिंह आदित्य योगी अंकित तिवारी पंकज प्रजापति अजय सिंह गौर एसंकल्प जैनएहनी जैनए हिमांशु तिवारीए कमलेश पालए राकेश पाल एबबलू पाल शोभाराम पालए जैकी यादव अवधेश तिवारीए स्वप्निल तिवारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला से शराब के लिए अड़ीबाजी, आरोपी गिरफ्तार

जागरण, रीवा। अमहिया पुलिस अड़ीबाजी करने वाले आरोपियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। ताजा मामला द्वारिका नगर का सामने आया। अमहिया पुलिस ने बताया कि जिला बदर का एक आरोपी जिला बदर समाप्त होते ही महिला से शराब पीने के लिए पैसा मांगने के लिए अड़ीबाजी करने लगा। मामले की शिकायत महिला ने अमहिया थाना पुलिस से की जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है। अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने जानकारी दी कि शातिर आरोपी अजय पाण्डेय जिलाबदर समाप्त होते ही महिला से अड़ीबाजी कर रहा था, आरोपी के खिलाफ शहर के अलग-अलग में दर्जनभर मामले दर्ज है। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी अजय पाण्डेय पिता स्व बिहारीलाल पाण्डेय 27 वर्ष निवासी छिवला थाना बैकुंठपुर हाल मुकाम द्वारिकानगर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज गया है।

दुनिया में बिरले हैं संत सीतराम अग्रवाल जैसे धर्मानुरागी

200 साल पहले राजदरबार को सौंपा गया था राधाकृष्ण मंदिर

कलेक्ट्रेट के पीछे स्थित यह मंदिर और जमीन अतिक्रमण का शिकार

जागरण, रीवा

जागरण स्पेशल न्यूज

कलेक्ट्रेट के पीछे स्थित राधाकृष्ण मंदिर और उससे लगी लगभग तीन एकड़ जमीन वर्तमान में अतिक्रमण और प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है। इसका निर्माण 200 साल पहले संत सीताराम अग्रवाल द्वारा कराया गया था। संत सीताराम अग्रवाल बेहद धर्मनिष्ठ व्यक्ति थे। धर्म के प्रति उनकी अटूट आस्था का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने राधाकृष्ण मंदिर के मुख्य द्वार पर शिला पर उकेरी अपनी लेटी हुई प्रतिमा की स्थापना की थी। इसके पीछे उनकी मंशा यह थी कि जो भी श्रद्धालु मंदिर में पूजा अर्चना करने आये उनके ऊपर पैर रखकर गुजरें और इसके बाद राधा कृष्ण के दर्शन करें। यह शिला आज भी मंदिर के सामने लगी हुई है और उसी से होकर सभी श्रद्धालु मंदिर में पूजा अर्चना करने जाते हैं। सन 1825 में संत सीता राम अग्रवाल ने मंदिर का निर्माण कराकर रीवा दरबार को सौंपा था। उनके कोई औलाद नहीं थी, लिहाजा उन्होंने मंदिर से लगी लगभग तीन एकड़ जमीन भी मंदिर के लिए दान कर दी थी। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर के रखरखाव के लिए 1800 चांदी के सिक्के भी रीवा दरबार को सौंपे थे। राजशाही समाप्त होने के बाद यह मंदिर शासन के अधीन हो गया और धर्मार्थ शाखा में मर्ज हो गया। संत सीताराम अग्रवाल द्वारा वृंदावन से बुलवाकर पंडित रासबिहारी गोस्वामी को पुजारी नियुक्त किया था। उन्होंने उन्हीं से गुरुदीक्षा भी ली थी। वर्तमान में उनकी पांचवी पीढ़ी के पंडित सुरेश चंद्र गोस्वामी बतौर पुजारी मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं और मंदिर की देखरेख भी करते हैं। मंदिर में अतिक्रमण के कारण श्री गोस्वामी दुखी हैं और जिला प्रशासन से लगातार मंदिर के संरक्षण एवं अतिक्रमण हटाने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन जिला प्रशासन द्वारा मंदिर एवं उससे लगी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है।

ऐतिहासिक बावड़ी की नहीं हुई सफाई

मंदिर परिसर में संत सीता राम अग्रवाल द्वारा भव्य ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण भी कराया गया था, जिसमे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ राहगीरों को भी शीतल पेय जल उपलब्ध रहता था, इस बावड़ी में नीचे तक सीढ़ियां बनी हुई हैं और नीचे नहाने धोने के बाद कपड़े बदलने आदि के लिए भी कमरे बने हुए हैं। वर्तमान में बावड़ी का रास्ता बंद कर दिए जाने के कारण नीचे कोई नहीं जा सकता। बावड़ी में अभी भी जल स्रोत जीवित है, लेकिन सफाई व सरंक्षण के अभाव में उसमे काई जमा है। जिससे पानी होने के बाद भी हरा दिखता है।

मंदिर के बाहर अवैध दुकान का निर्माण

मंदिर के मुख्य द्वार के बगल में अवैध दुकान का निर्माण किया जाकर इसे व्यवसायिक बना दिया गया है। पुजारी सुरेश चंद्र गोस्वामी द्वारा इस बावत कई बार जनसुनवाई में शिकायत दर्ज करवाई गई कि मंदिर परिसर में स्व. श्याम बिहारी दुबे को गुजर बसर करने के लिए दिया गया था, लेकिन बाद में नेहरू नगर में उनका घर बन जाने के बाद भी कब्जा नहीं छोड़ा और दुकान का निर्माण करा लिया। इससे मुख्य गेट के बगल में बनी मंदिर की कोठरी का बाहर खुलने वाला दरवाजा भी बंद हो गया है।

क्षतिग्रस्त होता जा रहा मंदिर : 200 साल पहले निर्मित यह मंदिर वर्तमान में धीरे-धीरे जर्जर स्थित में पहुंच गया है। इसके सरंक्षण एवं जीर्णोद्वार किए जाने की आवश्यकता है, अन्यथा मंदिर का जर्जर हिस्सा कभी भी धराशाई हो सकता है। मंदिर की छत कई जगह क्षतिग्रस्त हो गई है। मंदिर के पुजारी द्वारा अतिक्रमण हटाने एवं मंदिर के सरंक्षण के लिए कई बार जनसुनवाई में आवेदन दिया, जिला प्रशासन द्वारा उनके आवेदन पर ध्यान नहीं दिया गया।

देवलहा जलप्रपात में मिला युवक का शव

जागरण, रीवा। शहर के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत देवलहा जलप्रपात में 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। रविवार को देवलहा जलप्रपात के पास उसकी बाइक मिलने के बाद उसकी खोजबीन शुरू हुई जिसके बाद शव को बाहर निकाला गया। मृतक घर से अपने दोस्त के घर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा, जिससे रातभर परिजन उसकी तलाश करते रहे, जिसके बाद दूसरे दिन उसका शव प्रपात में मिला है। मृतक विकास कुमार वर्मा 22 वर्ष हनुमना थाना क्षेत्र के चरैया गांव का रहने वाला था। बताया गया कि युवक शनिवार की दोपहर 3.20 बजे अपने पिता राम सुरेश मोतीलाल वर्मा से कहकर निकला था कि वह दोस्त से मिलने नईगढ़ी के पथरौडा गांव जा रहा है। विकास ने 4.12 बजे अपने पिता को फोन कर बताया कि वह दोस्त के यहां पहुंच गया है। जिसके बाद उसने कहा था कि वह आधे घंटे में वापस आ जाएगा। जब आधे घंटे बाद पिता ने फोन किया तो विकास का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। इसी बीच बीती शाम पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक ने जलप्रपात में छलांग लगाई है। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक बाइक बरामद की है, जिसे मृतक के दोस्त ने विकास की होना बताया। घटना की जानकारी के बाद मृतक के पिता का आरोप है कि उनके बेटे की हत्या कर शव को जलप्रपात में फेंका गया है। रविवार सुबह पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहन निकलवाया जिसके बाद उसे पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया जहां शव पीएम उपरांत परिजनों को सौप दिया गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण ट्रेनिंग सेंटर टीकमगढ़ द्वारा फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का किया गया आयोजन

जागरण, टीकमगढ़। भारतीय खेल प्राधिकरण ट्रेनिंग सेंटर टीकमगढ़ द्वारा आज फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया गया। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल की थीम पत्रकार एवं मीडिया पर आधारित रही। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम ससत्याए जिले के मीडिया प्रतिनिधिए देवेश चंदेलए पी प्रसन्ना कुमारए प्रियंक खरेए श्री प्रिंस सेनए अनूप मंडलए कुण् कृतिका चंद्राए खेल एवं युवा कल्याण विभाग टीकमगढ़ के खेल शिक्षक अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने फिटनेस जागरूकता एवं वातावरण सुरक्षित रखने के लिए जनसाधारण से अपील की। फिट इंडिया साइकिल रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ की गई। रैली मिश्रा तिराहाए सिंधी धर्मशालाए गांधी चौराहा होते हुए पुलिस लाइन पर समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्वक भागीदारी देखने को मिली और लोगों ने इस पहल की सराहना की । इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजनए विशेषकर युवाओं को शारीरिक रूप से फिट एवं स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करना है। फिट इंडिया साप्ताहिक कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को आयोजित किया जाता हैए

ताकि फिटनेस के प्रति जनजागरूकता को बढ़ाया जा सके और नागरिकों को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

कोचिंग सेंटर के बाहर से बाइक चोरी

रीवा। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिरमौर चौराहा पोस्ट ऑफिस के पीछे स्थित के सामने कोचिंग सेंटर के सामने से बाइक चोरी हो गई। पीड़ित शैलेंद्र शुक्ला निवासी अनंपुर ने बताया कि 15 मई को वो अपनी बाइक कोचिंग सेंटर के बाहर खड़ा कर अंदर चले गए जिसके बाद दोपहर करीब 3.30 बजे बाहन निकले तो बाइक नहीं थी। सीसीटीवी से चेक किया गया तो दोपहर करीब 1.40 पर उनकी होण्डा साइन बाइक क्रमांक एमपी 17 एनबी 7959 को चेहरे में नकाब लगाए एक बदमाश ले जाता दिखा। पीड़ित ने मामले की शिकायत अमहिया थाना में दर्ज करवाते हुए आरोपियों का पतासाजी कर कार्रवाई की मांग की है।

कार्यालय वन संरक्षक सामाजिक वानिकी वृत्त रीवा (म.प्र.)
जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- ccfre.rwa@mp.gov.in , Phone- 07662- 297493

कार्यालय संपादन हेतु स्टेशनरी सामग्री क्रय हेतु ई–निविदा सूचना।

समस्त प्रदायकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वन संरक्षक सामाजिक वानिकी वृत रीवा के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 में कार्यालयीन कार्यो के संपादन हेतु स्टेशनरी/साफ–सफाई सामग्री क्रय की आवश्यकता है, सामग्री प्रदाय स्थल कार्यालय सामाजिक वानिकी वन वृत रीवा किया जाना होगा । सामग्री के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। इस ई–निविदा के लिए दिनांक 26.05.2025 से आवेदन ऑनलाईन के माध्यम से वेबसाईट https://mptenders.gov.in के द्वारा ही स्वीकार्य किया जावेगा। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.05.2025 तक है। निविदा की दिनांक 16.06.2025 टेक्निकल बिड खोलने की कार्यवाही की जावेगी एवं 16.06.2025 को फाईनेंशियल बिड खोलने की कार्यवाही की जावेगी।
(मुख्य वन संरक्षक द्वारा अनुमोदित)

सहायक वन संरक्षक
सामाजिक वानिकी वृत्त रीवा
जी–13404/25

कार्यालय नगर परिषद गुढ़ जिला- रीवा (म.प्र.)
Office of The Nagar Parishad Gurh Dist. Rewa (M.P.)
Address:- Ward No.-12 Gurh Dist.- Rewa (M.P.) Pin No. 486553
Email: cmogudh@mpurban.gov.in

क्र. 718/(E.T.)/न.परि./2025 — गुढ़ दिनांक 26.05.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2025_UAD_426642_1 दिनांक– 26.05.2025	CONSTRUCTION OF BALANCE WORK OF SANSKRITIK BHAVAN CM INFRA 3rd FACE NAGAR PARISHAD GURH IN FINANCIAL YEAR 2025-26.	1–6 माह वर्षाकाल सहित 2–4104961.00	1–5000.00 2–30787.00	26.06.2025

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन http//:www.mptenders.gov.in की वेबसाइड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(के.एन. सिंह)
मुख्य नगर पालिक अधिकारी
नगर परिषद गुढ़
जिला–रीवा (म.प्र.)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन
लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

शिकायतकर्ता की भूमि पर जबरन कब्जा

प्रताड़ित कर झूठा केस का दवाब बनाकर षड़यंत्र

एसपी से की गई शिकायत

जागरण, टीकमगढ़। देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले इलाके के बावरी निवासी नूर मुहम्मद तनय रहमत खान पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने बताया कि उनकी स्वामित्व की जमीन जो हीरानगर में स्थित है जिस पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। अनावेदकगण किताब खाए शाहिद खाए इरफान खाए अनवर खा एवं अमजद खा द्वारा जबरन कब्जा किया जाकर मकान निर्माण किया गया जो न्यायलय में प्रकरण लंबित है। अनावेदकगण अपराधी प्रवृत्ति के है। जबरन दबाव बनाकर झूठे केस में फसाने के षडयंत्र रच रहे है। महिलाओं को मारपीट कर थाने पहुंचा देते है और झूठे केस में फसवाने के प्रयास कर रहे है। रजिस्ट्री कराने का दबाव बना रहे है मना करने पर फर्जी केस में फसवाने और जेल भेजने की धमकी दे रहे है। अनावेदक किताव खा के द्वारा महिला सुकरतियाँ से मिलकर धारा 326 ताण्तहत मिथ्या अराध पंजीबद्ध कराया था व आवेदक के भाई नसीर खा को जेल भिजवा दिया थाए एवं लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक से उन्होंने मांग की है कि मामले में मिथ्या शिकायते दर्ज न कर मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जाएं।

खलिहान में लगी आग, पैरा व आम के पेड़ जले

रीवा। मऊगंज के घूरेहटा गांव में रविवार की दोपहर एक किसान के खलिहान में आग भड़क उठी। धान के पैरा में लगी आग के साथ फसल सहित आम के पेड़ आगजनी की भेट चढ़ गए। घटना की सूचना पर पहुंचे दमकल के वाहन ने आग पर काबू पाया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक मऊगंज जिले के ग्राम घूरेहटा निवासी मुन्नालाल कुशवाहा के खलिहान में दोपहर अचानक आग लग गई इस दौरान खलिहान में रखी फसल सहित पैरा जलकर खाक हो गया । तेज हवाओ के चलते आग की लपटों ने आम के पेड़ों को भी अपने आगोश में ले लिया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल प्लाट नं0 1402 रकवा 0.6 डि. का अंश रकवा 280 वर्गफिट स्थित भूमि फोर्ड रोड रीवा, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा म.प्र. के मालिक स्वामी संतोष कुमार गुप्ता पिता स्व. बद्री प्रसाद गुप्ता, वास्ते कृष्ण कुमार गुप्ता पिता स्व. बद्री प्रसाद गुप्ता, निवासी फोर्ट रोड रीवा वार्ड क्रमांक 20, थाना सिटी कोतवाली रीवा, जिला रीवा म.प्र. की है। नजूल रकवा 280 वर्गफिट पर निर्मित बहुमंजिला मकान को कृष्णकुमार गुप्ता पिता स्व. बद्री प्रसाद गुप्ता विक्रय के फिराक में है, जबकि पारिवारिक व्यवस्था पत्र के तहत् बहुमंजिला में निर्मित भवन आवेदक संतोष कुमार को प्राप्त हुआ है, जो पारिवारिक व्यवस्था पत्र में जो बहुमंजिला भवन प्राप्त हुआ था, उसे विक्रय के फिराक में है, यदि कोई विवादित प्लाट में निर्मित बहुमंजिला मकान क्रय करता है, उसकी समस्त जिम्मेदारी क्रेता व विक्रेता की होगी। ऐसी स्थिति में आवेदक द्वारा उक्त नजूल प्लाट की बिक्री पर रोक लगाने हेतु प्रकाशन किया जा रहा है।

भवदीय
संतोष कुमार गुप्ता
पिता स्व. बद्री प्रसाद गुप्ता,
निवासी फोर्ट रोड रीवा,
जिला रीवा म.प्र.
मो0नं0 9981694771
RN-82513

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म0प्र0)

क्रमांक 365/विशेष विवाह/ 2025
रीवा, दिनांक 21/05/2025

इश्तहार

आवेदक धीरेन्द्र कुमार द्विवेदी पिता श्री संतोष कुमार द्विवेदी, उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम –बम्हनी, गढ़ीहा पो. जदुआ, तहसील सेमरिया, जिला रीवा आवेदिका जनकनंदनी शुक्ला पिता श्री अशोक शुक्ला, उम्र – 27 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10, सेमरिया, जिला रीवा (म0प्र0) के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं 100/–रू. चालान प्रस्तुत किया गया है।, जो विचाराधीन है।

अत: उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वत: अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
पेशी दिनांक– 23.06.2025

विवाह अधिकारी
जिला रीवा (म.प्र.)
RN 82255

कार्यालय, अधीक्षक जिला जेल शहडोल,मध्यप्रदेश

क्रमांक 405 /भवन/2025 — शहडोल,दिनांक 22/05/2025

:– ई निविदा सूचना भवन सामग्री हेतु वार्षिक ठेका वर्ष 2025–2026–प्रथम बार आमंत्रण

जिला जेल शहडोल मे भवन निर्माण में लगने वाली सामग्रियों के क्रय करने के लिए ई–निवदाऐं वर्ष 2025–2026 https:// www.mptender.gov.in पर प्रथम बार निविदा आंमत्रित गई है। इच्छुक व्यापारीगण निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी वेवसाईट से प्राप्त करें। विवरण निम्नानुसार हैं।

क्र.	विवरण	दिनॉक/समय	स्थान
1.	2	3	4
1.	प्री–विड मीटिंग	26.05.2025/ प्रातः 11:00 बजे	जिला जेल पहडोल,(म.प्र.)
2.	ई–निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रू.05.00 लॉख तक 500.00 एवं रूपये 05.00 लॉख से अधिक 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेले, 800 अन्य प्राप्तियॉ में जमा की जावेगी।	16.06.2025/ सायं 05:00 बजे तक	www.mptender.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
3.	ई–निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	16.06.2025/सायं 5:00बजे तक	www.mptender.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
5.	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	17.06.2025/ प्रातः 11.00 बजे	जिला जेल पहडोल,(म.प्र.)
6.	वित्तीय ई–निविदा खोलने की तिथि	18.06.2025/ प्रातः 11:00 बजे	www.mptender.gov.in पर प्राप्त की जा सकती हैं।

नोट :–
01.– संबंधित व्यापारियों को सूचित किया जाता है, कि ई–निविदा के नियम व शर्तो का पालन करना अनविार्य है, तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptender.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती हैं।

(भास्कर पाण्डेय)
जेल अधीक्षक
जिला जेल शहडोल (म.प्र.)
जी–13410/25

पार्थ योजना के अंतर्गत युवाओं को दिया जायेगा प्रशिक्षण

जागरण, डिंडोरी। खेल और युवा कल्याण अधिकारी मो. अहमद खान ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को पुलिस, आर्मी एवं अर्द्ध सैनिक बलों में नियुक्ति के लिए लिखित एवं शारीरिक परीक्षा की तैयारी के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु स्ववित्तपोषित ''पार्थ योजना'' प्रारंभ की गई है। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 09 संभागीय मुख्यालय भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, मुरैना, शहडोल एवं सागर में प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उक्त प्रशिक्षण केन्द्रों में 05 मई 2025 से प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया गया है। राज्य शासन की उपरोक्त योजना प्रदेश के युवाओं को पुलिस, आर्मी आदि में सेवा का अवसर प्रदान करने की महत्वपूर्ण योजना है। जिले के सभी शासकीय व निजी महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को उक्त योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने में लिखित एवं शारीरिक परीक्षा की तैयारी करने में सहायता मिलेगी व अन्य प्रतियोगी परीक्षा के लिए भी उक्त प्रशिक्षण से लाभ प्राप्त होगा। पाथ योजना की अधिक जानकारी के लिये कार्यालयीन समय में खेल और युवा कल्याण विभाग इण्डोर खेल परिसर कलेक्ट्रेट प्रांगण डिण्डौरी में सम्पर्क कर सकते हैं।

पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण, टैंकरों और जुगाड़ के कुओं का सहारा

जागरण, मंडला। आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले के नारायणगंज जनपद में भीषण जल संकट गहरा गया है, जहाँ ग्रामीण पीने के पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं और श्रमदान से जुगाड़ के कुएं खोदने को मजबूर हैं। खासकर ग्राम पंचायत घोटखेड़ा के चाटी और समनापुर गाँव इस समस्या से बुरी तरह प्रभावित हैं। जहाँ एक ओर सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजनाएँ कछुआ चाल चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण दूषित पानी पीने को विवश हैं, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।नारायणगंज जनपद की ग्राम पंचायत घोटखेड़ा के ग्राम समनापुर जल संकट से जूझ रहा है। जिसकी आबादी करीब 1200 की है और सात हैंडपंप होने के बावजूद उनमें से केवल एक ही चालू है। यह अकेला हैंडपंप इतनी बड़ी आबादी की प्यास बुझाने में असमर्थ है। हालात ऐसे हैं कि सुबह से ही महिलाएं और बच्चे पानी लेने के लिए लंबी कतारों में लग जाते हैं, जिससे उनके दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन उनमें पानी अभी तक नहीं पहुँचा है। समनापुर के भागीरथी सोयम ने बताया कि ग्राम चाटी में भी पानी का जल स्तर इतना काम हो गया है कि गांव में लगे सात हैडपंप में

से सिर्फ एक हैंडपंप चालू है। ग्रामीणों को पेयजल के लिए बड़ी दिक्कत हो रही है। गांव में जल समस्या ठंड के सीजन में विकराल रूप ले रही है। नदी, नालों में युवाओं द्वारा श्रमदान से खोदे गए जुगाड़ के कुओं से ग्रामीण प्रदूषित पानी का उपयोग करने को मजबूर हैं, जो ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गई है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।

टैंकरों पर निर्भर चाटी गाँव

ग्राम चाटी की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। ग्राम चाटी के कृपाल सिंग सैयाम ने बताया कि पंचायत द्वारा एक टैंकर लगाया गया है, जो पेयजल उपलब्ध कराता है। लेकिन यह टैंकर भी दो दिन में केवल एक बार आता है, जिससे पीने के पानी की समस्या कुछ हद तक हल होती है, लेकिन नहाने-धोने और पशुओं को पानी पिलाने के लिए ग्रामीणों को 2 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है।

प्रशासन की अनदेखी और दूषित पानी का उपयोग

ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिवर्ष गर्मी के सीजन में जल स्तर में भारी गिरावट यहां आ जाती है। इस गर्मी में भी नदी, तालाब और स्टॉप डैम का पानी समेत अन्य जल स्रोत भी सूख गए है। महादेव मार्को ने बताया कि गांव में एक ही हैंडपंप के भरोसे ग्रामीण है। गर्मी में सभी जल स्त्रोतों का जल स्तर नीचे चले जाता है। ग्रामीणों वर्षो से इस समस्या से जूझ रहे है।

समस्या निराकरण के लिए बैठक

जल संकट और नेटवर्क की समस्या के निराकरण के लिए ग्राम समनापुर के बुजुर्गों, मुखिया, पंच, मुकदमों और क्षेत्रीय समाजसेवकों ने एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में पेयजल और नेटवर्क की समस्याओं से शासन-प्रशासन को अवगत कराने पर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि प्रशासन को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए और गाँव-गाँव पेयजल पहुँचाने की योजनाओं के कार्य में तेजी लानी चाहिए।

गांव में एक ही हैंडपंप के भरोसे ग्रामीण हैं। बरसात के दिनों में भले ही नदी, तालाब और स्टॉप डेम में पानी रहता है, लेकिन गर्मी आते ही ये सभी स्रोत सूख चुके हैं। हमें पेयजल की समस्या के चलते इसी में एकत्र गंदा पानी उपयोग करना पड़ रहा है। गांव के युवाओं को श्रमदान कर जुगाड़ का कुआं बनाना पड़ा है।

ग्रामीण

मनरेगा में 12 लाख की लूट

सारंगपुर तालाब का बेस्टवेयर 9 महीने में टूटा

जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं

जागरण, डिंडोरी। जिले की बजाग जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत सारंगपुर में मनरेगा योजना के तहत कराए गए तालाब गहरीकरण और बेस्टवेयर निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। बताया जा रहा है कि लगभग 12 लाख रुपये की लागत से किए गए इस कार्य की गुणवत्ता इतनी निम्न रही कि महज 9 महीने में ही निर्माण कार्य टूटकर धराशायी हो गया। बेस्टवेयर, जिसे ओवरफ्लो पानी की निकासी के लिए बनाया गया था, दो हिस्सों में बिखर चुका है।

घटिया सामग्री, भ्रष्टाचार का आरोप : ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में बेहद घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। उनका आरोप है कि ग्राम पंचायत और सब इंजीनियर की मिलीभगत से यह सारा भ्रष्टाचार अंजाम दिया गया। स्थानीय लोगों ने कई बार इस घोटाले की शिकायत की, लेकिन अब तक न तो कोई जांच शुरू हुई और न ही कोई जवाबदेही तय की गई है।

9 महीने में उजड़ गया विकास का सपना : करीब 9 महीने पहले मनरेगा के तहत यह परियोजना शुरू की गई थी, लेकिन समय से पहले ही निर्माण कार्य दम तोड़ गया। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर निगरानी रखी गई और न ही किसी

अधिकारी ने निरीक्षण किया। परियोजना पर खर्च हुए 12 लाख रुपये का हिसाब अब सवालों के घेरे में है।

जांच नहीं तो होगा आंदोलन ग्रामीणों की चेतावनी..? : गांव वासियों ने मांग की है कि इस घोटाले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। उनका कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाया तो वे जनपद और जिला स्तर पर आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

प्रशासन की चुप्पी बनी रहस्य : सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद अब तक न तो प्रशासन ने कोई जांच बैठाई और न ही कोई बयान जारी किया है। इससे यह संदेह और भी गहरा हो गया है कि कहीं इस भ्रष्टाचार को ऊपरी स्तर से संरक्षण तो नहीं मिल रहा? यह मामला सिर्फ एक पंचायत का नहीं, बल्कि पूरी प्रणाली की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। यदि अब भी जिम्मेदार नहीं जागे, तो ऐसे भ्रष्टाचार जनविश्वास को पूरी तरह खत्म कर देंगे।

बारिश के पहले करें आवश्यक तैयारियाँ : कलेक्टर

जागरण, मंडला। समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में इस बार समय से पहले मानसून आने की संभावना है इसके लिए आवश्यक तैयारियां बारिश से पहले करना सुनिश्चित करें। लोक स्वास्थ्य एवं पीएचई आपसी समन्वय कर सभी हेंडपंप तथा कुओं में आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन कराएं। क्लोरीनेशन दिनांक का स्टीकर संबंधित जल स्त्रोत पर चिपकाएं। बारिश में डायरिया और दूषित जल से होने वाली अन्य बीमारियों के होने की आशंका होती है। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त दवाईयों की व्यवस्था रखें। इसके साथ ही बारिश में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के मामले भी सामने आते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में एंटीवेनम के डोज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अभी से सीएम हेल्पलाईन के

प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कुटीर-ग्रामोद्योग, फॉरेस्ट तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निम्न गुणवत्ता वाले प्रकरणों को पुनः ओपन करवाकर संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। यह सुनिश्चित करें कि सी एवं डी केटेगरी में कोई भी विभाग न रहे। सीएम डैशबोर्ड के विषय में समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख डैशबोर्ड के बिन्दुओं को गंभीरता से लें। इससे संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं, जिससे विभागीय स्कोर बेहतर हो सके। बैठक में टीएल पत्रों की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास शहरी, गेहूं परिवहन, समग्र ई-केवाईसी, धरती आबा, अपार आईडी, पीएम किसान सम्मान, उच्च न्यायालय की अवमानना, रिट पिटिशन, नरवाई प्रबंधन, विकसित कृषि संकल्प अभियान, फूड ई-केवाईसी, आईटीआई तथा पॉलीटेक्निक में प्रवेश, अंतर्विभागीय बिन्दुओं सहित अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम सहित संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि पुरानी स्वीकृति वाले सभी निर्माण कार्य समय पर खत्म करें। आरईएस के दोनों डिविजन लम्बित कार्यों की सीसी जारी करने के लिए सप्ताहवार कार्ययोजना तैयार करें। तैयार की जाने वाली कार्ययोजना की एक प्रति संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय में जमा कराएं जिससे इसकी मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि खेत-तालाब तथा डगवेल रिचार्ज के प्रगतिरत कार्यों को 2 सप्ताह में पूर्ण कराएं। डगवेल के कार्यों में यह सुनिश्चित करें कि खेतों का पानी सीधे कुओं में न जाये। कलेक्टर ने कहा कि जून के मध्य में शीडबॉल के जरिए प्लांटेशन किया जाना है, इसके लिए फॉरेस्ट, आंगनवाड़ी एवं जनपद पंचायतों द्वारा शीडबॉल तैयार की जा रही है। जिले में 1 लाख 51 हजार से अधिक शीडबॉल के जरिए पौधारोपण किया जायेगा।

बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित

जागरण, मंडला। जिला योजना भवन में बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अधीक्षक भू-अभिलेख श्री हीरालाल तिवारी ने बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन के संबंध में शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों का प्रस्तुतिकरण करते हुए की जाने वाली तैयारियों के विषय में जानकारी दी। कलेक्टर

श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि माँ नर्मदा के तटीय क्षेत्रों तथा छोटे-बड़े तालाबों में बारिश में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि नदी तट से लगे हुए बस्ती क्षेत्रों में जहाँ जलभराव होता है उनका चिन्हांकन करें। अतिवृष्टि की स्थिति में उनके लिए आश्रय स्थल भी चिन्हित करें। राहत कैम्प की तैयारी रखें। आपात स्थिति के लिए अतिरिक्त नौका तथा लाईफ सेविंग किट की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम को बांधों में जलस्तर की जानकारी, बिजली गिरने की सूचना आदि समय पर उपलब्ध हो, इसके लिए संबंधितों की ड्यूटी लगाएं। स्नानघाट एवं तालाबों में चेतावनी के संकेतक लगवाएं। उन्होंने सभी नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश शुरू होने के पूर्व नगरीय क्षेत्रों में नालियों की सफाई कराएं। नालियों के कचरे का सफाई के साथ-साथ ही निपटारा कराते जाएं, जिससे जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीओपी श्री पीयूष मिश्रा समस्त एसडीएम सहित संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

चंदला शासकीय कॉलेज को बदनाम कर रहे नकल माफिया

ग्रामोदय की परीक्षाओं से चंदला के शासकीय महाविद्यालय की साख पर संकट

लवकुशनगर। छतरपुर जिले में इन दिनों चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की दूरवर्ती शिक्षा के अंतर्गत बीए, एमए, एमएसडब्ल्यू सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। ये परीक्षाएं उन विद्यार्थियों के लिए हैं जो नियमित कॉलेज में नहीं जा पाते जिनमें से कई शासकीय कर्मचारी या घर बैठे डिग्री की चाह रखने वाले शामिल हैं। लेकिन इन परीक्षाओं को लेकर अब गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं, विशेषकर चंदला स्थित शासकीय महाविद्यालय में। सूत्रों के अनुसार, चंदला कॉलेज में चित्रकूट विश्वविद्यालय के दूरवर्ती शिक्षा के तीन परीक्षा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों की जिम्मेदारी संचालकों को सौंपी गई है। इन तीनों पर गंभीर आरोप हैं कि इन्होंने परीक्षार्थियों से ?500 से 1000 तक की रकम लेकर नकल की छूट दी है। आरोप यह भी है कि यह अवैध वसूली शासकीय महाविद्यालय के ईमानदार और वरिष्ठ प्राचार्य एन.के. वर्मा के नाम का दुरुपयोग कर की जा रही है। परीक्षार्थियों से कहा जा रहा है कि नक़ल का अतिरिक्त पैसा लगेगा ताकि छात्र आसानी से पैसे देकर नकल कर सकें और किसी प्रकार की जांच या भय न रहे। परीक्षा हॉल में गाइड और किताबें ले जाना आम बात बन चुकी है और कई छात्रों को उत्तर लिखने के लिए समूह में बैठाया जा रहा है।

प्राचार्य ने दी सख्त चेतावनी

जब इस पूरे मामले की जानकारी शासकीय महाविद्यालय चंदला के प्राचार्य एन.के. वर्मा को दी गई, तो उन्होंने स्पष्ट और कड़ा रुख अपनाते हुए कहा यदि कोई मेरे नाम का दुरुपयोग कर रहा है या कॉलेज की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है, तो इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसकी तत्काल शिकायत उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय प्रशासन से की जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। नकल माफिया सिर्फ परीक्षा प्रक्रिया को नहीं, बल्कि पूरे सरकारी शिक्षा तंत्र को बदनाम करने में लगे हैं। प्रशासन और विश्वविद्यालय की चुप्पी चिंताजनक है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अब तक विश्वविद्यालय प्रशासन, परीक्षा पर्यवेक्षक और जिला प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की सक्रिय जांच या कार्रवाई के संकेत नहीं हैं। यदि जल्द ही इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो यह केंद्र भविष्य में डिग्री बेचने की पहचान बनकर रह जाएगा।

प्रशासन के नियमों को ताक पर रखते हुए नगर में प्रवेश कर रहे भारी वाहन

लवकुश नगर। नगर के अंदर भारी वाहन अपनी मनमानी के अनुसार नगर में प्रवेश करते देखे जा रहे है जिससे नगर में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह बदहाल होती जा रही है। सड़क पर निकलने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है वही नगर परिषद के अधिकारी इस समस्या को लेकर लापरवाह नजर आ रहे है।

प्रशासन की नियमावली : अक्टौहा तिराहा से पुराना बस स्टैंड (छतरपुर महोबा रोड) तक भारी वाहन, मालवाहक का प्रवेश प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, जिसमें स्कूल वाहन एवं अतिआवश्यक वाहन ही नगर के अंदर प्रवेश कर सकते है, और यही नियम चंदला सरबई से आने वाले वाहनों के लिए है। लेकिन ये नियम कागजों तक ही सिमट का रह गए है। वही परिषद की तरफ से वसूली करने वाले अस्थाई लड़के इन वाहन चालकों से अवैध वसूली कर इन्हें नगर में प्रवेश करने देते है जिससे नगर के अंदर घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो जाती हैं।

हो सकता है बड़ा हादसा

नगरीय प्रशासन की मेहरवानी नगर की जनता वर्षों से देखती चली आ रही है नगर परिषद को सिर्फ अपनी उटपटांग बसूली से मतलब है जनता की परेशानियों से नहीं कार्यालय से महज कुछ ही दूरी पर डिवाइडर के किनारे ईंटो से लदे भरी ट्रक दिन रात खड़े रहते है बिडम्बना तो तब बनती है जब इन ट्रकों के किनारे ट्रेक्टर लगाकर ईंटो को लादा जाता है उस समय मात्र कुछ ही जगह बचती है जिसमे भारी वाहन,चार पहिया और दोपहिया वाहन और पैदल राहगीर निकलते हैं ऐसे में हमेशा कोई बड़ी घटना का अंदेशा बना रहता है। लेकिन नगर का प्रशासन इन ईंटो के ठेकेदारों और डंप मालको पर मेहरवान बना हुआ है।

जिला अस्पताल में पहले डॉक्टर फिर नर्स विवादों में, मरीजों से किया दुर्व्यवहार

छतरपुर। जिला अस्पताल छतरपुर में पदस्थ डॉक्टर एवं नर्स विवादों में अक्सर बने रहते हैं इसी क्रम में नर्स सीमा राहंगडाले एक बार फिर विवादों को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल की चौथी मंजिल पर भर्ती मरीज के परिजनों से नर्स सीमा द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, मरीज के परिजन इलाज को लेकर परेशान थे और पर्ची में लिखी गई जांच व दवाओं के लिए पर्ची मांग रहे थे। इस दौरान नर्स सीमा ने उनसे बहस शुरू कर दी और कई मरीजों के परिजनों से तीखी झड़प हो गई। परिजनों का कहना है कि नर्स का रवैया लगातार असहयोगात्मक रहा है और वे कहती हैं, हमें ड्यूटी करना है, काम नहीं करना, न तुम्हारी सुनना और न ही मरीजों की। पूर्व में भी सीमा राहंगडाले पर इसी प्रकार के कई विवाद और झूठी शिकायतों का आरोप लग चुका है। इस बार भी नाराज परिजनों ने कलेक्टर, सीएमएचओ और थाना कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सीएमएचओ ने मामले की जांच कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है, जबकि सिविल सर्जन डॉ. शरद चौरसिया ने नर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। परिजनों का कहना है कि हार्ट पेशेंट जिस मंजिल पर भर्ती हैं, वहां इस तरह के नर्सिंग स्टाफ का व्यवहार मरीजों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकता है। उन्होंने नर्स को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की मांग करते हुए लिखित आवेदन भी सौंपा है। एक मरीज ने कहा, अगर नर्सिंग स्टाफ अच्छा व्यवहार करे तो मरीज का आधा दर्द यूं ही ठीक हो जाता है, लेकिन इस तरह का चिल्लाना और रुखा व्यवहार मरीज की स्थिति को और बिगाड़ सकता है।

कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई समय-सीमा की बैठक

जागरण, डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सोमवार को कलेक्टर सभागार में समय-सीमा की बैठक ली। उक्त बैठक में जिले में चल रही योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा एश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, एसडीएम सुश्री भारती मेरावी सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने कहा कि सर्वशिक्षा अभियान विभाग के द्वारा संचालित स्कूलों में बीस हजार शौचालय मरम्मत के कार्य किए गए जिस पर कलेक्टर ने पटवारी द्वारा जांच कराते हुए एसडीएम सत्यापन रिर्पोट प्रस्तुत करेंगे। कि किया गया मरम्मत कार्य छात्र-छात्राओं के अनुरूप हुआ। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर, नाजिर को शिक्षा विभाग कि पूरक परिक्षाओं कि व्यवस्थाओं हेतु शासन से प्राप्त आबंटन

को तत्काल जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने ग्रामीण विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों (एई एवं एपीओ) को निर्देश दिए कि जल गंगा संर्वधन अभियान से जुड़ी एएस, टीएस एवं निर्माण कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता में रखें जाएं और इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले नजूल अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लंबित राजस्व वसूली को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने समस्त तहसीलदारों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी अवैध निर्माणों की पहचान कर अवैध पट्टों को निरस्त किये जाएं। साथ ही पट्टे की आड़ में किये गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जिले में हो रहे अवैध खनन एवं परिवहन को लेकर, सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अवैध खनन एवं परिवहन को तुरंत रोका जाए। अवैध खनन की शिकायतें मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य और खाद्य विभाग को निर्देश दिए, कि जिले में बिकने वाली खाद्य सामग्री की नियमित जांच करें। खासतौर पर मेवा मिष्ठानों, होटलों और रेस्टोरेंट्स में सफाई और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भोजन की शुद्धता में कोई समझौता न हो। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि जिले में लगे हाईटेंशन तारों की उचित निगरानी की जाए ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। बार बार देखा गया कि समाचार पत्रों में हाईटेंशन तार की घटना प्रकाशित होती रहती है, जिस पर कलेक्टर ने कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्य करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्याएं देखने को मिल रही है, जिस पर कलेक्टर ने पिपरिया, सेंदुरखार टोला में पेयजल व्यवस्था एवं पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए और जब भी पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाए तो वह सड़क के बीच में इस तरह से न हो कि यातायात बाधित हो। कलेक्टर ने समस्त तहसीलदार को ग्रामीण और शहरी क्षैत्र में अवैध रूप से बिक रही शाराब पर रोक लगाने के निर्देश दिए एवं संबंधित पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तथा अन्य निर्माण विकास कार्यों की कार्यवाही पूर्ण कर लें ताकि आने वाले वर्षा के पानी को तालाबों में संग्रहण किया जाए और आने वाली पानी की समस्यां को कम किया जा सके।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

शिकंजा कसने का औजार बन रही जांच एजेंसियां

प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज को लेकर कई वर्ष से अंगुलियां उठ रही हैं। विपक्षी दलों ने सर्वोच्च न्यायालय में धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत उसकी अतार्किक छापेमारियों पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। वे एक तरह से सरकार के लिए अपने विपक्षियों पर शिकंजा कसने का औजार बन चुकी हैं। विपक्ष लगातार कहता रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के इशारों और बदले की भावना से कार्रवाई करता है।

देखा गया कि निदेशालय अनुचित तरीके से और अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करते हुए लोगों को गिरफ्तार और उन्हें बेवजह प्रताड़ित कर रहा है, तो अदालत ने उसे मर्यादा का पाठ पढ़ाया था। फिर भी ईडी के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। तब अदालत ने पूछा कि आपके आरोप-पत्रों की तुलना में दोषसिद्धि इतनी कम क्यों है। फिर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में उसे निर्देश दिया कि बिना पुख्ता सबूतों के किसी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल नहीं किए जाने चाहिए। मगर उसका भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सारी हदें लांघ रहा है। यह संघीय ढांचे का उल्लंघन है। दरअसल, निदेशालय शराब की दुकानों को लाइसेंस जारी करने में अनियमितताओं के आरोप में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम यानी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच कर रहा था। अदालत ने उस जांच पर रोक लगा दी है। यह पहला मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने किसी जांच पर ही रोक लगा दी है।

आरोपपत्र पर बहस के दौरान निदेशालय की खामियों पर फटकार तो अनेक बार लगा चुका है, पर जांच पर रोक किसी भी जांच एजेंसी के लिए बड़ी बात होनी चाहिए। दरअसल, जांच

> जांच एजेंसियां सरकार की इच्छाओं के अनुरूप कार्रवाई करती देखी जाने लगी हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे संघीय ढांचे का उल्लंघन बताते हुए प्रवर्तन निदेशालय को कड़ी फटकार लगाई है।

एजेंसियां सरकार की इच्छाओं के अनुरूप कार्रवाई करती देखी जाने लगी हैं।

यह अकारण नहीं है कि ईडी के निदेशक को बार-बार सेवा विस्तार दिया जाता रहा और उस पर भी सर्वोच्च न्यायालय को पूछना पड़ा कि क्या आपको इस पद के लिए कोई और योग्य व्यक्ति नहीं मिल रहा। तथ्य यह है कि ईडी ने पिछले दस-ग्यारह वर्षों में चार हजार से अधिक मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए, मगर उनमें से दोषसिद्धि एक फीसद से भी कम हो पाई है। फिर, ज्यादातर मामले केवल विपक्षी दलों के नेताओं या उन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज हुए, जो सरकार के अनुकूल नहीं थे। कई ऐसे भी मामले हैं, जिनमें चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के मकसद से ईडी की कार्रवाइयां की गईं। दिल्ली और झारखंड के मुख्यमंत्री इसके उदाहरण हैं। कई नेताओं को बिना पुख्ता सबूत के जेल भेज दिया गया और लंबे समय तक उनकी जमानत नहीं होने दी गई। इन प्रकरणों से ईडी, आयकर विभाग और सीबीआइ जैसी जांच एजेंसियों की साख बुरी तरह प्रभावित हुई है। ये एजेंसियां जब तक सकारी दबाव से मुक्त होकर स्वायत्त तरीके से काम नहीं करेंगी, तब तक इनकी विश्वसनीयता बहाल नहीं हो सकती।

सुरक्षा में रणनीतिक गेम चेंजर बनी ब्रह्मोस

सामरिक संसाधन

एयर मार्शल अमित तिवारी (अ.प्रा.)

> हालिया सैन्य कार्रवाई में भारत ने सटीकता से लक्ष्य नष्ट करने में सक्षम ब्रह्मोस मिसाइल सुखोई एमकेआई-30 से छोड़ी। ब्रह्मोस को इसकी परम गति, सटीकता और गतिज प्रभाव सबसे घातक पारंपरिक क्रूज मिसाइलों में से एक बनाती है। ब्रह्मोस की गति से बनने वाले सीधे प्रबलित प्रहार का आघात गहरे बंकरों, युद्धपोतों या कमांड सेंटर तक को नष्ट कर सकता है। तकनीकी युद्धक तरीकों के चलते ब्रह्मोस रणनीतिक गेम चेंजर बन रही है।

महायुद्ध के दौरान वायु सेना के महारथी कहा करते थे कि हवाई ताकत स्वाभाविक रूप से आक्रामक होती है और इसको अपना काम करने की पूरी छूट होनी चाहिए, जीत के लिए हवाई युद्ध में श्रेष्ठता होना आवश्यक है; बमवर्षक दुश्मन की रक्षा में सेंध लगा देते हैं और इसके बाद रणनीतिक बमबारी के जरिए उसकी इच्छाशक्ति को तोड़ा जा सकता है। हालिया सैन्य कार्रवाई में, भारतीय वायु सेना द्वारा हवा से प्रक्षेपित ब्रह्मोस का समायोजन सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से करने की सार्थकता फिर पुष्टि करती है कि यह सिद्धांत अभी भी उतना ही सही है, जिसकी वजह से पाकिस्तान युद्ध विराम का अनुरोध करने को मजबूर हुआ। 1983 में, भारत सरकार ने एकीकृत गाइडेड मिसाइल विकास कार्यक्रम का गठन किया। शुरुआत में यह बैलिस्टिक मिसाइलों पर केंद्रित था। लेकिन 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान इराकी वायु रक्षा प्रणालियों पर अमेरिकी युद्धपोतों और हवाई जहाजों से प्रक्षेपित टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों के विनाशकारी प्रभाव ने भारत को इसका दायरा बढ़ाने को प्रेरित किया। साल 1998 में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने रूसी समकक्ष के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत ब्रह्मोस एयरोस्पेस संयुक्त उद्यम की स्थापना की गई। साल 2001 में ब्रह्मोस का पहला टेस्ट लॉन्च किया गया। ब्रह्मोस एक दो-चरणीय क्रूज मिसाइल है, जिसके प्रथम चरण प्रकोष्ठ में एक ठोस प्रोपैलेंट बूस्टर भरा रहता है, जो मिसाइल को सुपरसोनिक (आवाज की गति) बना देता है। अपना काम पूरा करने के बाद, इस प्रकोष्ठ के अलग होने के उपरांत, आगे की उड़ान एक तरल-ईंधन चालित रैमजेट इंजन से होती है। जो इसे मैक-3 (ध्वनि की गति से तीन गुणा) जितनी क्रूजिंग रफ्तार प्रदान करता है। यह मिसाइल 15 किमी की ऊंचाई लेकर महज 10 मीटर के बीच उड़ान भर सकती है और इसकी कार्य सीमा 300-800 किमी तक हो सकती है। यह 200-300 किलोग्राम तक का पारंपरिक वारहेड (विस्फोटक) ले जा सकती है और 'फायर-एंड-फॉरगेट' सिद्धांत पर काम करती है। दागे जाने के बाद, यह इनर्शियल नेविगेशन, उपग्रहीय मार्गदर्शन और इलाके की भूगोलीय रूपरेखा के मिलान का उपयोग करके अपने लक्ष्य तक स्वायत्त रूप से पहुंचती है, और एक मीटर से भी कम की सटीकता से वार करने में समर्थ है। हवा-से-सतह पर मार करने वाला इसका संस्करण 2017 में बना और इसे 2020 में स्क्वाड्रन 222, टाइगर शार्क्स में शामिल किया गया था। ब्रह्मोस को इसकी परम गति, सटीकता और गतिज प्रभाव सबसे घातक पारंपरिक क्रूज मिसाइलों में से एक बनाती है। ब्रह्मोस की गति से बनने वाले सीधे प्रबलित प्रहार का आघात गहरे बंकरों, युद्धपोतों या कमांड सेंटर तक को नष्ट कर सकता है। इसकी गतिज यानी काईनैटिक ऊर्जा अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल से 32 गुना अधिक है। जैसे-जैसे थल आधारित वायु रक्षा प्रणालियां अधिक सटीक एवं घातक होती जा रही, हवाई माध्यम (लड़ाकू विमान) को अपने काम को अंजाम देने में जो स्वतंत्रता पहले कभी हासिल थी, वह कम होती जा रही है। यूक्रेन-रूस युद्ध इसका जीवंत उदाहरण है। शुरुआती चरणों में अपने-अपने विमान बेड़े का भारी नुकसान उठाने के बाद, दोनों पक्षों ने युद्धग्रस्त क्षेत्रों में उड़ान भरने से परहेज करने और लंबी दूरी के हवाई हथियारों पर भरोसा करना शुरू किया। यही तरीका हालिया भारत-पाक टकराव में देखने को मिला। न तो भारतीय और न ही पाकिस्तानी लड़ाकू विमान एक-दूसरे देश की वायु सीमा में दाखिल हुए। पाकिस्तानी हमलों में ज्यादा निर्भरता तुर्किये निर्मित ड्रोनों पर रही, जिनमें अधिकांश मार गिराये गये। पाकिस्तान ने 'फतह' नामक बैलेस्टिक मिसाइल का भी उपयोग किया। इन बैलिस्टिक मिसाइलों का राडार क्रॉस-सेक्शन मार्क अधिक होता है और वे एक पूर्वानुमानित लीक, उच्च-ऊंचाई वाले परवलयिक प्रक्षेप पथ (हाई आल्टीट्यूड पैराबॉलिक ट्रैजेक्ट्री) का अनुसरण करती हैं। यह उनकी कमजोरी भी बन जाता है, जिसका आकलन करके, उन्हें हवा में ही नष्ट करना आसान हो जाता है। निश्चित रूप से, भारत ने तमाम हमलावर मिसाइलों को मार गिराया। इसके विपरीत, भारत ने एकदम सटीकता के साथ लक्ष्यों को नष्ट करने की क्षमता रखने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों को सुखोई एमकेआई-30 से छोड़ा। हालांकि विस्तृत परिणाम गोपनीय ही रहेंगे, लेकिन इनकी मार का असर निर्विवाद है। इन मिसाइलों ने सटीक हमले के मकसद हासिल करते हुए, पायलटों के लिए न्यूनतम जोखिम सुनिश्चित किया। कम ऊंचाई पर उड़ने की अपनी क्षमता, सुपरसोनिक क्रूज प्रोफ़ाइल के कारण, ब्रह्मोस को मौजूदा वायु रक्षा प्रणालियों के साथ रोक पाना लगभग असंभव है।

भारतीय वैज्ञानिक पहले से ही भविष्य के अधिक घातक संस्करण, ब्रह्मोस-एनजी (नेक्स्ट जेनरेशन) विकसित करने में लगे हैं। यह छोटी और हल्की होंगी और तेजस, मिराज़ और राफेल जैसे विमानों से छोड़ी जा सकेंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह करते वक्त गति, दायरा, मारक क्षमता या चुपके से मार करने की विशेषता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे रडार से लैस करने से इनकी सटीकता और बढ़ जाएगी। ठीक इसके साथ, रूसी जिरकोन मिसाइल से प्रेरित, ब्रह्मोस-द्धद्ध के रूप में एक हाइपरसोनिक संस्करण विकसित किया जा रहा है। इसमें स्क्रैमजेट इंजन लगा होगा, जिससे गति 8 मैक से अधिक और रेंज 1,500 किमी से अधिक हो जाएगी। इसे रोकना असंभव होगा। यह मिसाइल सच में गेम चेंजर हो सकती है।

किसी देश के रणनीतिक प्रभाव को बढ़ाने में हथियारों का निर्यात महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला फिलीपींस 2022 में इसका पहला ग्राहक बना। वियतनाम और इंडोनेशिया ने भी दिलचस्पी दिखाई है। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति से बनती चिंताओं के आलोक में, आसियान देशों द्वारा ब्रह्मोस खरीदना उनकी क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान कर सकता है। इस विशिष्ट बाजार में भारत के प्रवेश से एशियाभर में इसके सामरिक और आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। ब्रह्मोस की सफलता 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा देने वाले सरकार के प्रयासों का एक उदाहरण है। इस मिसाइल में 70 प्रतिशत से अधिक कल-पुर्जे भारत निर्मित हैं। इसकी सफलता से डीआरडीओ, भारतीय उद्योगों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग और नवाचार को बढ़ावा मिलने की संभावना है। ब्रह्मोस की सफलता युद्ध के मैदान की बदलती प्रकृति का प्रमाण है, जो अब रणनीति आधारित योजना से बदलकर तकनीकी रूप से संचालित युद्धक तौर-तरीकों की ओर बढ़ रही है, विशेष रूप से क्रूज मिसाइलों जैसे सटीक-निर्देशित हथियारों का उदय। सुरक्षा परिदृश्य में ब्रह्मोस एक सामरिक संपदा और रणनीतिक गेम-चेंजर बनने जा रही है।

(लेखक भारतीय वायुसेना में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रहे हैं।)

चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी-समावेशी बनाने का प्रयास

चुनाव प्रक्रिया

डॉ. जगदीप सिंह

> नये वोटर आईडी बनाने का कदम मतदाता सूची की विश्वसनीयता सुदृढ़ करेगा, मतदान प्रक्रिया सुगम बनाएगा और चुनावी धोखाधड़ी रोकने में मदद करेगा। राजनीतिक दृष्टिकोण से, यह आयोग की निष्पक्ष छवि को पुनर्स्थापित कर सकता है तथा विपक्षी दलों की रणनीतियां प्रभावित कर सकता है।

भारत निर्वाचन आयोग ने हाल ही में मतदाता सूची में इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड यानी ईपीआईसी नंबरों की डुप्लिकेशन समस्या को हल करने के लिए नए पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय लगभग दो दशक पुरानी एक तकनीकी समस्या को संबोधित करता है, जिसमें विभिन्न राज्यों के मतदाताओं को गलती से एक जैसे ईपीआईसी नंबर आवंटित हो गए थे। इसके परिणामस्वरूप मतदान के दौरान भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई, कुछ मत अमान्य घोषित किए गए, और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगे। ईपीआईसी नंबर, जिसे आमतौर पर वोटर आईडी के रूप में जाना जाता है, भारतीय मतदाताओं की पहचान का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। निर्वाचन आयोग ने इस समस्या के समाधान के लिए नए और अद्वितीय ईपीआईसी नंबरों के साथ मतदाता पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों की समस्या ने मतदाता सूची की सटीकता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए थे। नए पहचान पत्रों के जारी होने से मतदाता डेटाबेस अधिक विश्वसनीय और पारदर्शी बन सकेगा, जिससे निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और कार्यक्षमता को बल मिलेगा तथा मतदाताओं का विश्वास और बढ़ेगा। पूर्व में, डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के कारण कई मतदाताओं को मतदान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, और कुछ मामलों में उनके मत अमान्य कर दिए जाते थे। अब, नए और अद्वितीय ईपीआईसी नंबरों के माध्यम से मतदाताओं को अपनी पहचान सत्यापित करने में सुविधा होगी।

डुप्लिकेशन की समस्या को समाप्त करने के लिए डेटाबेस को अद्यतन करने और एक केंद्रीकृत प्रणाली को अपनाने की आवश्यकता थी। यह भविष्य में अन्य तकनीकी सुधारों– जैसे आधार से मतदाता सूची को जोड़ने या बायोमेट्रिक सत्यापन को लागू करने – के लिए आधार प्रदान कर सकता है। साथ ही, यह निर्णय चुनावी धोखाधड़ी, जैसे फर्जी मतदान, को रोकने में सहायक सिद्ध होगा।

ईपीआईसी नंबर डुप्लिकेशन का मुद्दा हाल के महीनों में राजनीतिक विवाद का केंद्र रहा है। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को उठाकर निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए थे। उनका आरोप था कि अन्य राज्यों के मतदाताओं के ईपीआईसी नंबरों का उपयोग करके फर्जी मतदान किया जा रहा है। इस समस्या के समाधान से आयोग अपनी साख में सुधार ला सकता है और राजनीतिक दलों के बीच विश्वास पुनः स्थापित कर सकता है। हालांकि, कुछ दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करते रह सकते हैं, लेकिन अब यह मुद्दा पहले की तुलना में कम प्रासंगिक रहेगा।

यह निर्णय मतदाता सूची और संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इससे राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को व्यापक चुनावी सुधारों, जैसे मतदाता सूची का डिजिटलीकरण, पारदर्शी मतदान प्रणाली, और ईवीएम-वीवीपैट की विश्वसनीयता पर विमर्श के लिए प्रेरणा मिल सकती है।

हालांकि यह निर्णय सकारात्मक दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियां होंगी। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ के क्षेत्रों में नए ईपीआईसी कार्डों का वितरण एक जटिल प्रक्रिया हो सकती है। साथ ही, मतदाताओं को नए कार्डों के बारे में जागरूक करना और पुराने कार्डों को अमान्य करने की प्रक्रिया को भी प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। भविष्य में, निर्वाचन आयोग को ऐसी समस्याओं से बचने के लिए और अधिक सुदृढ़ तकनीकी समाधानों–जैसे ब्लॉकचेन आधारित मतदाता डेटाबेस या बायोमेट्रिक एकीकरण – पर विचार करना चाहिए।

साथ ही, राजनीतिक दलों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना आवश्यक होगा ताकि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर कोई संदेह न रहे। निर्वाचन आयोग द्वारा ईपीआईसी नंबर डुप्लिकेशन समस्या के समाधान हेतु लिया गया निर्णय भारतीय चुनाव व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। यह कदम मतदाता सूची की विश्वसनीयता को सुदृढ़ करेगा, मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाएगा और चुनावी धोखाधड़ी को रोकने में मदद करेगा।

यह आयोग की निष्पक्ष छवि को पुनर्स्थापित कर सकता है तथा विपक्षी दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, इस निर्णय का पूर्ण प्रभाव इसके प्रभावी कार्यान्वयन और मतदाताओं के बीच जागरूकता पर निर्भर करेगा। यह पहल भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पारदर्शी तथा समावेशी बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

प्रसंगवश

भाषाई टकराव राष्ट्रीय एकता के लिये चुनौती

> समय-समय पर उभरने वाले भाषा विवाद क्षेत्रीय गर्व और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों को ही उजागर करते हैं। अब ताजा विवाद कर्नाटक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक प्रबंधक के कन्नड़ में बात करने से इनकार करने पर उठा है।

इसमें दो राय नहीं कि भाषाई विविधता रंग-बिरंगे फूलों की तरह भारत की खूबसूरती की वाहक है। वहीं यह विविधता देश की सांस्कृतिक समृद्धि का आधार भी है। यह विडंबना ही है कि राजनीतिक लाभ के लिये क्षेत्रीय भाषा के गौरव के नाम पर हिंदी विरोध का मोर्चा अकसर खोला जाता है। निस्संदेह समय-समय पर उभरने वाले विवाद क्षेत्रीय गर्व और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों को ही उजागर करते हैं। कुछ समय पहले ऐसे ही विवाद में मराठी को व्यवहार में न अपनाने के आरोप लगाकर एक अधिकारी को थप्पड़ मारने का विवाद सामने आया था। कालांतर भाजपा शासित राज्य में मराठी की अनिवार्यता कामकाज में लागू की गई थी। अब ताजा विवाद कर्नाटक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक प्रबंधक के कन्नड़ में बात करने से इनकार करने पर उठा है। जिसका कहना था कि वह हिंदी भाषी है और हिंदी में वार्तालाप करेगा। इस प्रकरण में अधिकारी का तबादला व खासा विवाद हुआ। स्वाभाविक रूप से क्षेत्रीय भाषा की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल खासे सक्रिय हुए। इस बीच जन सेवा में भाषाई संवेदनशीलता के प्रशिक्षण की मांग भी उठी। वैसे भी केंद्रीय सेवाओं के रूप में काम करने वाले विभागों व बैंक आदि के कर्मचारियों व अधिकारियों के विभिन्न राज्यों में अकसर तबादले होते रहते हैं। यह संभव भी नहीं कि हर व्यक्ति हर राज्य की भाषा बोल सके, लेकिन सीधे तौर पर जन-सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को राज्य की स्थानीय भाषा का ही उपयोग उपभोक्ताओं से सहज संवाद के लिये करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर बेंगलुरु में एक तकनीकी पेशेवर को हिंदी में बोलने के कारण पार्किंग की सुविधा से वंचित कर दिया गया। इस घटना ने गैर हिंदी भाषी इलाकों में भाषायी सहिष्णुता की बहस को नये सिरे से खड़ा किया। निश्चित रूप से दोनों ही घटनाएं भाषाई व सांस्कृतिक एकता के लिये चुनौती पेश करती हैं। जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि ये घटनाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानी एनईपी 2020 के त्रि-भाषा फार्मूले की पृष्ठभूमि में हुई हैं। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को तीन भाषाएं सीखने की सलाह दी गई है। जिसमें कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं होनी चाहिए। हालांकि, इस शैक्षिक नीति का मकसद बहुभाषावाद और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है,लेकिन तमिलनाडु में इस नीति का प्रतिरोध सामने आया है। राजनीतिक दल इसे हिंदी थोपने और अपनी भाषाई पहचान के लिये खतरा बता रहे हैं। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विरोध की राजनीति का पुराना इतिहास रहा है। खासकर तब से जब हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाने की कवायद शुरु हुई थी। हालांकि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति लचीलेपन के साथ इस बात पर जोर देती रही है कि किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। इसके साथ यह भी कि भाषाओं के चयन का मुद्दा राज्य, क्षेत्रों और छात्रों पर छोड़ दिया जाएगा। वहीं कतिपय राजनीतिक दल आरोप लगाते रहे हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा का व्यावहारिक क्रियान्वयन एक विवादस्पद मुद्दा है। बहरहाल, इस मुद्दे पर क्षेत्रीय भाषाओं पर इसके प्रभाव और हिंदी के कथित प्रभुत्व को लेकर बहस चल रही है। बहरहाल, इस तरह के विवादों से आगे बढ़ने के लिये आपसी सम्मान और समझ का माहौल बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। सार्वजनिक संस्थानों को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उनकी सेवाएं स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही कर्मचारियों व अधिकारियों को सांस्कृतिक और भाषाई संवेदनशीलता में प्रशिक्षित किया जाए। निस्संदेह, शैक्षिक नीतियों को पूरे लचीलेपन के साथ लागू किया जाना चाहिए। जिसमें बहुभाषी दक्षता को बढ़ावा देते हुए क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान किया जाना चाहिए। निस्संदेह, भारत की भाषाई बहुलता को एक विभाजनकारी कारक के बजाय एक एकीकृत शक्ति के रूप में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। देश की विविध भाषाओं को सहानुभूति और खुलेपन के साथ अपनाकर, हम अपने राष्ट्र के ताने-बाने को मजबूत कर सकते हैं। साथ ही यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भाषा एक पुल बने, न कि एक बाधा।

॥गीता॥

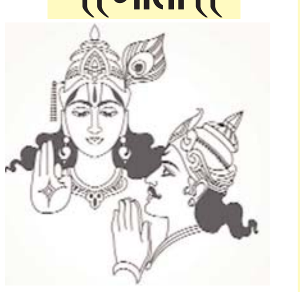

श्लोक : सुखार्थिनः कुतोविद्या नास्ति विद्यार्थिनः सुखम।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम॥

भावार्थ

जिसे सुख की अभिलाषा हो (कष्ट उठाना न हो) उसे विद्या कहाँ से और विद्यार्थी को सुख कहाँ से सुख की ईच्छा रखनेवाले को विद्या की आशा छोड़नी चाहिए, और विद्यार्थी को सुख की।

जीवन दर्शन

प्रतिकूलता अस्थिर मनोदशा के लिए जिम्मेदार

मानव जीवन में प्रतिकूलता अपरिहार्य है। इसके परिणामस्वरुप अधिकांश लोगों का मन दुःखी रहता है, जो उनके अस्थिर मनोदशा का कारण बनता है। प्रतिकूलता को लाभ में बदल कर हम जीवन के सबसे कठिन संकटों के दौरान भी खुश रह सकते हैं। प्रतिकूलता अपरिहार्य है, लेकिन अधिकांश सफल लोग प्रतिकूलता को लाभ में बदल देते हैं। कुछ लोग बाहरी परिस्थितियों को अपने मानसिक स्थिति पर नियंत्रण करने देते हैं, जिससे उनकी भावनात्मकता में उथल-पुथल होती है। उच्च दृष्टिकोण चुनना हमारी भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति को निर्धारित करता है। विपत्ति अस्तित्व की एक अटल सच्चाई है और इस ग्रह पर कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो इससे बचने का दावा कर सके। चाहे हम कितनी भी मेहनत से धर्म के मार्ग का अनुसरण करें, दुख अपरिहार्य है। सबसे सफल लोगों ने दुनिया की सबसे भयावह परिस्थितियों का सामना किया है और फिर भी उन्होंने इतिहास के पन्नों में अपनी छाप छोड़ी है। संतों का जीवन इसका आदर्श उदाहरण है। सूरदास जन्म से ही नेत्रहीन थे, मीराबाई विधवा थीं, कबीरदास अज्ञात माता-पिता के संतान थे, और नरसी मेहता व तुलसीदास को समाज ने उपहास का पात्र बनाया। इसी प्रकार, बीथोवन ने अपने श्रेष्ठतम संगीत रचनाएं तब कीं जब वे लगभग बहरे हो चुके थे। फिर भी, इन विपत्तियों ने उनके उत्साह को कम नहीं किया; इसके बजाय, उन्होंने इन कठिन परिस्थितियों को अपनी जीवन में अवसर के रूप में उपयोग किया। इसके विपरीत, कुछ लोग सोचते हैं कि उनके मनोदशा का चालनचक्र दूसरों के हाथों में है। इस प्रकार, वे बार-बार दूसरों के व्यवहार के आधार पर भावनात्मक उतार-चढ़ाव में व्यसित हो जाते हैं। ऐसे लोगों को लगता है कि लोगों या परिस्थितियों के कारण, नकारात्मक भावनाएँ 'उनके साथ घटित होती हैं'। उदाहरण के लिए, वे अपने चिढ़चिढ़े स्वभाव के लिए, अपने माता-पिता को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें लगता है कि उनके पालन-पोषण के कारण वे ऐसे हो गए हैं। वे अपने हालातों के लिए–बॉस, जीवनसाथी, पड़ोसी या राजनीति को दोष देते हैं। वे दोषारोपण की अनुत्पादक आदत विकसित करते हैं, और इसलिए, वे कभी भी अपने मनोदशा को सुधारने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी महसूस नहीं करते । सच्चे सफल व्यक्ति उद्दीपन (परिस्थिति) और प्रतिक्रिया (भावनाएं) के बीच के अंतर को समझते हैं और खुशी चुनते हैं।

स्वामी मुकुन्दानन्द

संक्षिप्त खबरें

यूनीफाईड पेंशन योजना के लिए समिति का गठन

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य शासन के वित्त विभाग ने कैबिनेट में निर्णय के बाद कर्मचारियों के लिए यूनिफाईड पेंशन योजना को लेकर समिति का गठन किया है। समिति योजना लागू करने की प्रक्रिया पर समग्र रूप से विचार कर 4 माह में अपना प्रतिवेदन वित्त विभाग को सौंपगी। आदेश में कहा गया है कि दिनांक 01-01-2005 को अथवा इसके उपरांत नियुक्त शासकीय कर्मचारी(एनपीएस अभिदाता)के लिए वैकल्पिक रुप से यूनिफाईड पेंशन योजना लागू किया जाना है। समिति का अध्यक्ष अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव वन एवं कृषि उत्पादन आयुक्त को बनाया गया है जबकि मनीष रस्तोगी-प्रमुख सचिव वित्त,लोकेश कुमार जाटव-सचिव वित्त, तन्वी सुन्द्रियाल-संचालक बजट, अजय कटेसरिया उपसचिव सामान्य प्रशासन विभाग और जेके शर्मा संचालक पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा बतौर सदस्य के तौर पर समिति में शामिल किया गया है।

50-50 के अनुपात में प्रवेश करेगा संस्कृत विश्वविद्यालय

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष विद्यार्थियों के लिए विशेष अवसर प्रदान करते हुए 50 प्रतिशत सीटों पर कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के माध्यम से तथा शेष 50 प्रतिशत सीटों पर स्वयं के आयोजित नॉन-सीयूईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर नामांकन की व्यवस्था की है।जिन विद्यार्थियों ने सीयूईटी नहीं दिया है, उनके लिए भी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने प्रवेश का द्वार खुला रखा है। नॉन-सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 30 मई तय की गई है। इसके तहत प्रवेश परीक्षा 8 जून को आयोजित की जाएगी और परीक्षा का परिणाम 13 जून को घोषित किया जाएगा। सफल अभ्यर्थी 16 जून से 23 जून के बीच फीस जमा कर प्रवेश ले सकेंगे।सीयूईटी के अंतर्गत प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं 6 जून तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

इंदौर में चीन और बांग्लादेश के कपड़ों का व्यापार बंद

जागरण, इंदौर। पाकिस्तान के साथ ही उसका समर्थन करने के लिए चीन और बांग्लादेश के प्रति भी इंदौर के लोगों में भारी गुस्सा है। व्यापारी भी इससे अछूते नहीं हैं। वह भी अपने स्तर पर इन देशों का बहिष्कार कर रहे हैं और लोगों से भी इसके खिलाफ अपील कर रहे हैं। ऐसे में शहर के व्यापारियों ने निर्णय लिया है कि वे अब चीन और बांग्लादेश के कपड़े नहीं बेचेंगे। वे इनके बहिष्कार की मुहिम चला रहे हैं। इसके लिए दुकानों के बाहर पोस्टर लगा दिए हैं। पुराने माल पहले ही वापस कर दिया है।

खंडवा गैंगरेप की घटना के बाद निशाने पर सरकार, कांग्रेस ने बनाया जांच दल

घटना को लेकर सरकार भी बेहद नाराज, ले सकती है सख्त एक्शन, कांग्रेसियों ने पूछे सवाल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के खंडवा गैंगरेप मामले को लेकर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। इस घटना को लेकर कांग्रेस ने तीन सदस्यीय जांच दल का गठन किया है। इधर सूत्रों का कहना है कि इस मामले को लेकर सरकार को कोई एक्शन ले सकती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि खंडवा में एक महिला की गैंगरेप के बाद मौत हो गई, बेहोशी की हालत में उसे तेज ब्लीडिंग हो रही थी। बताया जा रहा है कि दरिंदे ने निजी अंग में सरिए या लकड़ी जैसा कुछ डाला,उससे बच्चादानी ही बाहर निकल गई। बर्बर अत्याचार की हद ने आदिम युग के जंगलराज को भी पीछे छोड़ दिया है । दुस्साहस की ऐसी पराकाष्ठा तभी हो सकती है,जब प्रदेश में कानून का डर खत्म हो गया हो। लाड़लियों के उत्पीड़ने की इस इंतहा पर भी सरकार चुप है।

जीतू ने आगे लिखा कि महिला उत्पीड़ने से गंभीर रुप से पीड़ित मप्र. में महिला अपराध ने भाजपा सरकारों के सरोकारों को भी उजागर कर दिया है। क्या भाजपा सत्ता इस सरकारी हत्या को दोष से मुक्त हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 31 मई को प्रधानमंत्री को भोपाल नहीं खंडवा ही आना चाहिए। सरकारी खर्च पर प्रदेश की हजारों महिलाओं को भी अब खंडवा में ही बुलाना चाहिए। देश के ह्दय प्रदेश की तेज धड़कनों को पूरे देश को सुनना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी खंडवा गैंगरेप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह घटना जंगलराज की एक भयानक तस्वीर है, जहां महिलाओं की सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि खंडवा आदिवासी क्षेत्र है,जहां एक 45 साल की महिला के साथ निर्भया से भी ज्यादा दर्दनाक घटना हुई है। यह सामूहिक दुष्कर्म और बर्बरता किसी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि सम्मेलन,आयोजन और नारों से नहीं महिलाओं को जमीन पर सुरक्षा चाहिए। इस घटना को लेकर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए न कि सिर्फ दिखावा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने इस घटना को लेकर एक्स में पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि बदमाशों ने महिला के साथ इतनी दरिंदगी की कि महिला का गर्भाशय बाहर निकालना पड़ा। यादव ने पत्रकारों से इस मामले पर चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि खालवा में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। मध्यप्रदेश में हमारी बहन-बेंटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित है। एनसीआईबी के आंकड़ों में महिलाओं के मामले में हम प्रथम स्थान पर है। खालवां कांड को लेकर मुख्यमंत्री,गृहमंत्री एवं क्षेत्र के मंत्री दृष्क्रर्मियों पर क्या कार्रवाही करेंगे यह प्रदेश की जनता जानना चाहती है। दुष्क्रर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाही होनी चाहिए।

सरकार की जिम्मेदारी भी कोर्ट को सौंपें: मसूद

इधर मंत्री विजय शाह के मामले को लेकर कांग्रेस ने रविवार को एक बार फिर से सरकार पर हमला बोला। इस मामले को लेकर प्रदेश के 9 संभागों पर कांग्रेस नेताओं ने मीडिया के समक्ष अपनी बातें रखीं। विधायक आरिफ मसूद ने सवाल किया कि ऑपरेशन सिंदूर के 10 से ज्यादा दिन हो गए हैं, लेकिन इस मामले पर मंत्री विजय शाह को लेकर सरकार ने अब तक कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को कोर्ट के निर्णय पर ही कदम उठाना है, तो फिर इस्तीफा देकर भाजपा सरकार पूरी कमान ही कोर्ट को ही क्यों नहीं सौंप दी जाती। मसूद ने कहा कि कोर्ट को ही सरकार चलाने दी जाए।

अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

सूत्रों की मानें तो खंडवा की घटना को लेकर सरकार बेहद नाराज है। इस मामले पर सरकार कोई बड़ा एक्शन ले सकती है। माना जा रहा है कि कुछ अधिकारियों को हटाया जा सकता है। बताया गया है कि सीएम सचिवालय ने भी इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तलब की है।

शिक्षकों को सशक्त करने के प्रयास का सहभागी बनेगा निटर

प्रशिक्षण: उच्च शिक्षा विभाग के लिए अभिनव पहल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (निटर) द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के प्रोफेसर, प्राचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। निटर के डायरेक्टर प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग की दूरदर्शिता के फलस्वरूप उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रदेश के शैक्षिक मानकों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। उक्त कार्यक्रमों से न केवल मप्र के उच्च शिक्षा विभाग के शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक सदस्यों की क्षमता में वृद्धि हो रही है। आधुनिक शैक्षणिक तकनीकों, गुणवत्ता के मानकों, डिजिटल लिटरेसी एवं शैक्षणिक नेतृत्व को अपनाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। आशा है कि भविष्य में भी ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रदेश के शिक्षकों को समयानुसार उन्नत और प्रभावशाली शिक्षण पद्धतियों से सशक्त किया जा सकेगा और हमारा संस्थान इस प्रयास का सहभागी बनेगा।

निटर के डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पीके पुरोहित ने बताया की उच्च शिक्षा विभाग के लिए हमारे संस्थान द्वारा अगस्त माह तक कुल 35 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इनमें से 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम हो चुके हैं। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एकेडेमिक लीडरशिप डेवलपमेंट फॉर गवर्नेस एंड मैनेजमेंट ऑफ़ द इंस्टिट्यूट पर 02 प्रोग्राम किए गए। इनमें प्रधानमंत्री उत्कृष्ट एवं आटोनोमश कालेज के 65 प्राचार्यो, मॉडर्न लाइब्रेरीज एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पर 45 ग्रंथपल, 12 दिवसीय रिफ्रेशर कार्यक्रम में कुल 55 असिस्टेंट प्रोफेसर ने साइंस फॉर इंजीनियरिंग एप्लीकेशन विषय पर 03 प्रोग्राम में 111 असिस्टेंट प्रोफेसर, ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस ऑफ लैब एक्यूपमेंट्स पर 42 प्रयोगशाला तकनीशियन, मैनेजरियल स्किल्स एंड प्रोफेशनल एथिक्स पर 37 असिस्टेंट प्रोफेसर, 21 सेंचुरी कम्युनिकेशन डिजिटल मोड पर 42 असिस्टेंट प्रोफेसर सहित करीब 400 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

अगस्त तक प्रस्तावित है शिक्षकों का प्रशिक्षण

आगामी अगस्त तक 25 प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है जिसमें प्राचार्यों के लिए 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम यूज ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर आउटकम बेस्ड एजुकेशन विषय पर, 05 इंस्टिट्यूट डेवलपमेंट प्लान विषय पर, 05 भारतीय ज्ञान परंपर विषय पर, एवं 05 अन्य विषयों पर अगस्त माह तक आयोजित किये जा रहे है, जिनमें लगभग 350 प्राचार्य एवं 450 सहायक प्राध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विभाग के करीब एक हजार 400 सदस्यों को प्रशिक्षित जायेगा। इसके आलावा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी कार्य जारी हे।

हर बूथ पर कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात'

विशेष संवाददाता भोपाल। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अपने सभी बूथ केंद्रों पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात को सुना। कार्यक्रम के बाद नेताओं ने अब यह देश के जन-जन की बात हो गई है और कार्यक्रम सामाजिक आंदोलन और जनक्रांति बन गया है। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री कहा कि प्रधानमंत्री अपने कार्यक्रम में राजनीति से उपर उठकर सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हैं और मन की बात' के माध्यम से देश को जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा मन की बात कार्यक्रम आम आदमी के जीवन को प्रेरणा देता है। कार्यक्रम से लोगों को जीवन जीने का नजरिया, समाज और पर्यावरण के संरक्षण के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चित्रकूट में यूपी सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के संगठन सचिव अभय महाजन के साथ मन की बात को सुना। इसी तरह पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने जबलपुर के सेना मुख्यालय के बत्रा सभागार में सेना के अधिकारियों एवं जवानों के साथ प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भीमन की बात कार्यक्रम को सुना। सांसद आलोक शर्मा ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर कुली और उनके परिजनों के साथमन की बात कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के उपरांत शर्मा ने कहा कि कुलियों के उत्थान के लिए वो रेलमंत्री से चर्चा करेंगे और संसद में भी बात रखूंगा। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पत्र लिखकर कुलियों को रेलवे की सरकारी नौकरी में डी-ग्रेड में समायोजित करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि कुली की पहचान का बिल्ला या बैच, निधन के बाद उनके परिवार में ही मिलना चाहिए।

भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बना: शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने राजधानी के खटलापुरा मंदिर परिसर में मन की बात सुनी। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पूरे सकल्प के साथ जुटे हैं। देश के 140 करोड़ जनता का संकल्प है कि आतंकवाद पूरी दुनिया से समाप्त होगा और इसकी शुरुआत हो गई है। ऑपरेशन सिंदूर में सेना के पराक्रम से देशवासियों का दिल गर्व से भर गया है। तिरंगा यात्रा से देशभक्ति का जज्बा हर भारतीय में देखा जा सकता है। पूरा देश सेना को एप्रिसिएट कर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब भारत दुश्मन देश को घुटने टेकने पर मजबूर किया है। इसलिए यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं वह करते हैं।

सांसद आलोक शर्मा ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर कुली और उनके परिजनों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत का संकल्प मेरे लिए मंत्र बना: चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री की दो दिवसीय यात्रा लाड़कुई से शुरू

जागरण भैरूंदा (नसरुल्लागंज)। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण पंचायत विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के गांवों का विकास करने, किसानों की आय में वृद्धि कर उनकी दशा सुधारने महिला सशक्तिकरण, आदिवासियों के उत्थान के लिए रविवार देर शाम लाड़कुई से विकसित भारत संकल्प यात्रा का आगाज किया। केंद्रीय मंत्री ने अपनी इस यात्रा को आरंभ करने का दिन अपने दिवंगत पिता प्रेम सिंह चौहान की पुण्यतिथि के दिन चुना। इस दौरान चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत का संकल्प मेरे लिए मंत्र बन गया है। भारत का हर गांव विकसित होगा तभी हम प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत संकल्प को पूरा कर सकेंगे। इसके लिए हर जन मानस को विकसित बनाना होगा। दो दिवसीय यात्रा का समापन सोमवार 26 मई को भैरूंदा के सीएम राइज स्कूल खेल मैदान में होगा।

पत्नी सहित कार्तिकेय और अमानत भी शामिल

केंद्रीय मंत्री की पदयात्रा में उनके साथ पत्नी साधना सिंह, बेटे कार्तिकेय ओर बहू अमानत चौहान भी शामिल हुईं। बहू अमानत में इस कार्यक्रम में शामिल होने से एक बार फिर उनकी राजनीति में इंट्री को लेकर चर्चाओं का दौर शुरु हो चुका है। क्षेत्रीय कार्यक्रम में उनकी ये दूसरी इंट्री है। उन्होंने किसी प्रकार से संवाद नहीं किया।

शिवराज ने फिर कहा- टाइगर अभी जिंदा है

बुधनी विधानसभा के लाई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने एक बार फिर कहा कि आपको चिंता करने की जरूरत नहीं टाइगर अभी जिंदा है। शिवराज के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में एक बार फिर चर्चा का दौर शुरु हो चुका है। आखिर लंबे समय बाद केंद्रीय मंत्री ने अपने भाषण को क्यों दोहराया।

आरपीएफ के हत्थे चढ़े दो चोर बुक सामग्री ले जाते धरे गए

भोपाल। रेलवे पुलिस फोर्स ने भोपाल स्टेशन से दो चोर रंगे हाथ पकड़े हैं। यह दोनों रेलवे द्वारा बुक सामग्री को चोरी कर ले जा रहे थे। इसी दौरान आरपीएफ स्टाफ की नजर इन पर पड़ी और दोनों पकड़ लिया गया। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रशांत यादव ने बताया कि गत दिवस भोपाल रेलवे स्टेशन से एक बुकशुदा पार्सल जिसमें एक जीवित पिंजरा (लाइव केज) में कुल 40 कबूतर रखे थे उसको चोरी कर ले जाते हुए दो व्यक्तियों को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान अमन रावत उम्र 20 वर्ष एवं राकेश लोहट (बाल्मीकि) उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को रेलवे स्टेशन से बुकशुदा संपत्ति को चोरी कर ले जाते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपराध स्वीकार किया और जांच में यह भी सामने आया कि ये दोनों पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं एवं आदतन अपराधी हैं। दोनों आरोपियों से मौके पर की गई पंचनामा कार्रवाई के तहत चोरी की गई संपत्ति को जब्त कर लिया गया है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

75 साल बाद...

पड़ा है। मौसम विभाग ने सोमवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट को रेड अलर्ट में अपग्रेड किया। मुंबई में चेतावनी के साथ ही मौसम विभाग ने कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों के लिए भी अलर्ट जारी किया है। विभाग ने कुल स्थानों पर 'अत्यंत भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं' की चेतावनी दी है। यह चेतावनी मंगलवार सुबह तक प्रभावी रहेगी।
दक्षिण कोंकण में मानसून 10 दिन पहले पहुंच गया है और 27 मई तक सक्रिय रहेगा। अगले तीन दिनों में मानसून मुंबई समेत महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर राज्यों में आगे बढ़ेगा। केरल में मानसून 25 मई को ही पहुंच गया था, जो सामान्य तिथि 1 जून से एक सप्ताह पहले है। सोमवार को ठाणे और पालघर जिलों में मूसलधार बारिश हुई, जिससे कई प्रमुख सड़कों को बंद करना पड़ा और नदी किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

मुरैना जिले में...

महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव है। प्रारंभिक जांच में पता चल रहा है कि जिन दो लोगों की गोली लगने से मौत हुई है, वे शराब के व्यवसाय से जुड़े थे। संभवतः उसी को लेकर यह घटना हुई होगी।
बताया जा रहा है कि पूर्व में भी शराब माफिया और शराब ठेकेदारों के कर्मचारियों के बीच विवाद हो चुका है। पुलिस का कहना है कि पूर्व के विवाद और आरोपियों की तलाश के साथ रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। शराब माफिया में चाचा-भतीजे की मौत के बाद से क्षेत्र में तनाव है। इसकी वजह भी है, क्योंकि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार चलता है। वे सिहौनिया थाना क्षेत्र के भाई खां का पुरा गांव पहुंचे। यहां अवैध शराब कारोबार से जुड़े दूसरे ग्रुप के प्रदीप तोमर, लुक्का तोमर और ललकी पंडित पहले से मौजूद थे। दोनों गुट एक-दूसरे से विवाद करने लगे।
कानून व्यवस्था चरमराई: कटारे: घटना को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। मप्र विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- मप्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। मुरैना जैसे संवेदनशील जिले में दिनदहाड़े सरेआम गोलीबारी की घटना कोई सामान्य बात नहीं, यह सरकार की नाकामी का प्रतीक है।

कोरोना के मरीजों...

की पुष्टि हुई। मध्य प्रदेश में भी संक्रमण फैल रहा है। इंदौर में कोविड-19 के दो और मरीज मिलने के बाद यहां मरीजों की संख्या बढ़कर 4 हो गई है। शहर की 72 वर्षीय महिला और 25 वर्षीय पुरुष में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। इंदौर में पिछले तीन दिन में कुल चार लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

राज्यवार स्थिति: केरल सबसे आगे केरल: 430 सक्रिय मामले। दो मौतें। 19 मई तक महज 95 मामले थे।

महाराष्ट्र: 209 सक्रिय मामले, चार मौतें। 19 मई तक केवल 56 केस थे।

दिल्ली: 105 सक्रिय मामले, जबकि 19 मई तक केवल 5 मामले थे। एक सप्ताह में 99 नए मामले आए।

कर्नाटक: सक्रिय मामले 13 से बढ़कर 47 हुए। एक मौत भी।

गुजरात: 83 मामले (पहले 7 थे)

उत्तर प्रदेश: 15 मामले (19 मई तक शून्य) **पश्चिम बंगाल:** 12 मामले (पहले केवल 1) **तमिलनाडु:** 69 मामले (लगभग स्थिर, पहले 66) **संक्रमण दर और रुझान :** 5 से 12 मई: देश में 93 केस आए थे। **13 से 19 मई:** यह संख्या बढ़कर 164 हो गई। 19 से 26 मई: आंकड़ा १००० के पार

धनखड़ बोले- किसान...

है। कृषि उद्योग समागम जैसा कार्यक्रम का देश का हर राज्य इसका अनुकरण करेगा। प्रदेश में शीघ्र ही 1300 करोड़ के कृषि उद्योग आकार लेंगे। राज्य सरकार नई तकनीक और नवाचारों के माध्यम से किसानों का जीवन बेहतर कर रही है। जीआईएस 2025 में हमें 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के औद्योगिक निवेश प्रस्ताव मिले हैं, इससे प्रदेश में 22 लाख से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश तेज गति से विकास की ओर अग्रसर है। यहां अब प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 52 हजार रुपए हो गई है। सरकार ने दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। इसमें कोई भी किसान 25 से लेकर 200 गाय या भैंस पाल सकता है और सरकार इसमें 25 प्रतिशत तक अनुदान देगी। सरकार का लक्ष्य प्रदेश का दुग्ध उत्पादन योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का है।

अभियान | बच्चों का बोझ कम करने भोपाल में 16 जून से शुरू होगा अभियान,यह प्रयोग करने वाला मप्र पहला राज्य

तौल कांटे से किया जाएगा स्कूली बच्चों के बस्तों का वजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में नौनिहालों के कंधों पर बस्ते का बोझ बढ़ा दिया गया है। उनके कंधों पर कितना वजन स्कूल जाता है, जिसकी गहन चैकिंग होगी। यह चैकिंग अभियान 16 जून से शुरू हो जाएगा। जिला के शिक्षा विभाग का जांच दल तौल कांटा लेकर स्कूली बसों की चैकिंग के साथ शुरू करेगा। ऐसा प्रयोग करने वाला मप्र देश का पहला राज्य होगा। भोपला के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) नरेंद्र कुमार अहिरवार ने छोटे बच्चों के बस्ते की जांच करने के आदेश जारी कर दिए हैं। स्कूली बच्चों के बस्ते के वजन को कम करने के लिए करीब तीन साल पहले सितंबर 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के कारण बच्चे कंधे पर भारी बस्ते का वजन ढोने के लिए मजबूर है। इस पॉलिसी में उल्लेख था कि जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में टीम स्कूलों का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों के बस्ते का वजन मापन करेगी, लेकिन अधिकारियों के ढीले रवैये के चलते बच्चे बस्ते का भारी वजन ढो रहे हैं। अपने बच्चों को बस्ते का वजन उठाने से बचाने के लिए अभिभावक खुद बस्ता लेकर स्कूल पहुंचाते हैं।

क्या कहती है पालिसी

- सप्ताह में एक दिन बैग विहीन दिवस किया गया है। इस दिन कार्यानुभव से संबंधित गतिविधियां कराई जाएंगी।
- दूसरी तक के बच्चों को होमवर्क नहीं दिया जाएगा। तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को प्रति सप्ताह दो घंटे का गृह कार्य दिया जाए। छठवीं से आठवीं तक प्रतिदिन एक घंटे और नौवीं से 12वीं तक में प्रतिदिन दो घंटे का ही गृह कार्य दिया जाए।
- स्कूल डायरी का वजन भी बस्ते के वजन में ही शामिल किया गया है।
- आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अभ्यास पुस्तिकाएं, वर्क बुक एवं अन्य आवश्यक सामग्री को स्कूल में ही रखने की व्यवस्था करना होगी। कंप्यूटर, नैतिक शिक्षा, सामान्य ज्ञान, स्वास्थ्य शारीरिक शिक्षा एवं कला की कक्षाएं बिना किताबों के ही लगाई जानी चाहिए।

यह होना चाहिए बस्ते का वजन

कक्षा	वजन (किग्रा. में)
पहली	1.6-2.2
दूसरी	1.6-2.2
तीसरी	1.7-2.5
चौथी	1.7-2.5
पांचवी	1.7-2.5
छठवी	2.0-3.0
सातवी	2.0-3.0
आठवीं	2.5-4.0
नौवीं	2.5-4.5
10वीं	2.5-4.5

11वीं व 12वीं-बस्ते का वजन शाला प्रबंधन समिति द्वारा विभिन्न विषय स्ट्रीम के आधार पर तय किया जाएगा।

" स्कूल खुलने के साथ 16 जून से बस्ते के वजन की जांच के लिए अभियान शुरू होगा। जिले की टीम तौल कांटा लेकर बस्ते का वजन चैक करेगी। यह अभियान स्कूली बसों की चैकिंग के साथ होगा।

■ **नरेंद्र कुमार अहिरवार**
जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

सात से आठ किलो वजन ढो रहे विद्यार्थी

दूसरी और तीसरी कक्षा के विद्यार्थी सात से आठ किलो का वजन ढो रहे हैं। कभी भी तो पालक ये बोझ लेकर स्कूल पहुंचते हैं। जबकि नीति के मुताबिक दूसरी कक्षा के बच्चे के बस्ते का वजन दो से ढाई किलो होना चाहिए। हालांकि कुछ निजी स्कूल बैग पॉलिसी का पालन भी कर रहे हैं। अब बस्ते के वजन को चैक करने के लिए भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार चैकिंग अभियान शुरू कर रहे हैं। यह अभियान स्कूली बसों की चैकिंग के साथ शुरू होगा। इस अभियान में विभाग की टीम तौल-कांटा लेकर बस्तों का वजन चैक करेगी।

स्कूल प्रबंधन नहीं करते आदेश चस्पा

प्रत्येक स्कूल को नोटिस बोर्ड एवं कक्षा के कक्ष में बस्ते के वजन का आदेश लगाना होता है, लेकिन किसी भी स्कूल में आदेश नहीं लगाया गया है। विभाग ने विद्यार्थियों के बस्ते का वजन निर्धारित किया है। इसके लिए जिले के जिला शिक्षा अधिकारी (डीइओ) व जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) प्रत्येक तीन माह में विद्यार्थियों को स्कूल बैग की जांच कराना होती है। जांच में निर्धारित सीमा से बैग का वजन अधिक पाए जाने पर स्कूल पर कार्रवाई की जाएगी, लेकिन प्रदेश में डीईओ व डीपीसी द्वारा कोई निरीक्षण नहीं किया जाता है।

नाट्य प्रस्तुति रंगायन द मेलोडी ऑफ आर्ट ने दर्शकों को किया भावविभोर

एनटीपीसी विंध्याचल विंध्य क्लब की थिएटर वर्कशॉप में झलकी कला, संवेदना और सामाजिक संदेश की त्रिवेणी

जागरण, विंध्यनगर

एनटीपीसी विंध्याचल विंध्य क्लब द्वारा भोपाल के सुप्रसिद्ध शैडो ग्रुप के सहयोग से आयोजित 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का सफल समापन परियोजना के उमंग भवन सभागार मे हुआ। इस अनोखे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा नाट्य प्रस्तुति रंगायन द मेलोडी ऑफ आर्ट जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस वर्कशॉप में विंध्याचल परियोजना के कर्मचारियों और उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मंच के माध्यम से कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को उजागर किया जैसे बच्चों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करना पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करना और महिलाओं की भूमिका व उनके त्याग को पहचानना। यह कार्यशाला केवल अभिनय सीखने का माध्यम नहीं रही बल्कि प्रतिभागियों के भीतर संवेदनशीलता आत्मअनुशासन और सामाजिक चेतना को भी जागृत करने वाली साबित हुई। कार्यक्रम के समापन समारोह में ई.सत्य फणि कुमार कार्यकारी निदेशक विंध्याचल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे जिनमें डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी मुख्य महाप्रबंधक. चिकित्सा संजीब कुमार साहा महाप्रबंधक. प्रचालन एवं अनुरक्षण ए.जे.राजकुमार महाप्रबंधक. अनुरक्षण व एडीएम राजशेखर पाला महाप्रबंधक. प्रचालन अतिन कुंडू महाप्रबंधक. परियोजना और राकेश अरोड़ा मानव संसाधन प्रमुख विंध्याचल शामिल रहे। इसके अतिरिक्त श्रीमती सारिका चतुर्वेदी उपाध्यक्ष सुहासिनी संघ और श्रीमती शिल्पा कोहली महासचिव सुहासिनी संघ की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। गणमान्य अतिथियों ने प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत समर्पण और सामाजिक जागरूकता की प्रशंसा करते हुए थिएटर को एक सशक्त संवाद माध्यम बताया जो न केवल मनोरंजन करता है बल्कि समाज को दिशा भी देता है। यह कार्यक्रम विंध्य क्लब की रचनात्मक सोच और आयोजन क्षमता का प्रत्यक्ष प्रमाण बना जो आगे भी ऐसे प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

सिंगरौली महोत्सव के तीसरे दिन अटल सामुदायिक भवन बलौजी में रंगोली प्रतियोगिता हुआ आयोजन

प्रतिभागियों ने रंगोली से दिया भारतीय संस्कृति और कला का परिचय ऑपरेशन सिंदूर की उकेरी गई रंगोली

जागरण, बैढ़न। 17 वे सिंगरौली महोत्सव के आगाज जिस रंगा रंग अंदाज में हुआ उसी तरह से हर दिन महोत्सव का रंग दुगुने रफ्तार से सिंगरौली वासियो पर चढ़ता जा रहा है। सिंगरौली महोत्सव के तीसरे दिन की सुरूआत रंग बिरंगी रंगोली प्रतियोगिता के अटल सामुदायिक भवन बिलौजी मे हुआ। इस रंगोली प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियो द्वारा आकर्षक रंगोलियां सजाई। इन रंगोलियों में भारत की शौर्य गाथा दिखाने के लिए आपरेश सिंदूर की आकृती उकेरी गई वही भारतीय संस्कृति और परंपरा को दिखाने के लिए मोरए भारतीय परिधान में स्त्रीए पर्यावरण को बचाने का संदेश देने वाले पेड़.पौधे को समाहित करते हुए चित्र एवं विभिन्न प्रकार की मनमोहक आकृतियां उकेरी गईं। रंगोली प्रतियोगिता में 10 से 15 तक जूनियर वर्ग एवं 15 से अधिक सीनियर वर्ग के सोलो एवं ग्रुप में विभिन्न प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक रंगोली कला के माध्यम से अलग.अलग सामाजिक सरोकार के मैसेज देते हुए रंगोली बनाई गई। उक्त कार्यक्रम में जूनियर वर्ग में सोलों में प्रथम स्थान पर रौनक फिज़ा द्वितीय स्थान पर अनिका गुप्ता एवं तृतीय स्थान पर अनुपमा गुप्ता रहीं एवं जूनियर वर्ग ग्रुप में प्रथम स्थान पर कशिश विश्वकर्मा रागिनी विश्वकर्मा कीरतदीप कौर मेहर प्रीत कौर रही वहीं दूसरे स्थान पर गरिमा कुशवाहा एवं आंचल गुप्ता रही एवं तृतीय स्थान पर श्वेता गुप्ता एवं रिद्धि गुप्ता ने बाजी मारी। इसी प्रकार सीनियर वर्ग सोलो में प्रथम स्थान पर अंशु रानी द्वितीय स्थान पर पल्लवी कुमारी एवं तृतीय स्थान पर स्वाती प्रधान रही। सीनीयर रंगोली ग्रुप में प्रथम स्थान पर साक्षी सिंह आकांक्षा पटेल अनामिका विश्वकर्मा एवं राखी यादव द्वितीय स्थान पर पिंकी मरकाम एवं यामिनी बेन रही तथा तृतीय स्थान पर सुमन सोनी प्रियंका सेन तथा नीता वर्मा का ग्रुप रहा उक्त कार्यक्रम में शामिल समस्त प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

क्रीड़ा भारती जिला सिंगरौली के ब्लॉक चितरंगी के कार्यकारणी का हुआ गठन

जागरण, चितरंगी। आज क्रीड़ा भारती जिला सिंगरौली के ब्लॉक चितरंगी की बैठक सामुदायिक भवन चितरंगी मे रखी गई जिसमे क्रीड़ा भारती ब्लॉक चितरंगी के कार्यकारणी का गठन कर विभाग प्रमुख सुखचैन शुक्ल द्वारा कार्यकारणी की घोषणा की गई जिसमे संरक्षक दिनकर बैस सह संरक्षक लक्ष्मण सिंह बैस संयोजक लाल कुमार सिंह सह संयोजक लाल सुंदर सिंह अध्यक्ष उमाशंकर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव बैस उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह मंत्री भूपेंद्र बैस सह मंत्री अश्वनी प्रताप सिंह क्रीड़ा केंद्र प्रमुख जगदीश सिंह क्रीड़ा केंद्र सह प्रमुख पवन कुमार बैस को बनाया गया। इस अवसर पर विभाग प्रमुख सीधी सिंगरौली क्रीड़ा भारती सुखचैन शुक्ल जिला संयोजक डा.विनोद राय सह संयोजक लाल बहादुर सिंह जिला अध्यक्ष पंकज सिंह जिला मंत्री सुनील सिंघम शाह प्रवीण सिंह सुनील सिंह राम रहिश मुकेश बैस शिव प्रसाद पाल उमा शंकर बैस केकराव सहित कई खेल प्रेमी व खिलाडी उपस्थित रहे।

संत निरंकारी आश्रम में 12 लाख से निर्मित पेवर ब्लॉक कार्य का विधानसभा अध्यक्ष ने किया लोकार्पण

पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन जन पहुचाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने किया पौधारोपण

दीन मनुष्यों के सेवा से ईश्वर प्राप्ति की जा सकती: विधानसभा अध्यक्ष

सिंगरौली। अपने एक दिवसीय प्रवास पर सिंगरौली आयें विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के द्वारा संत निरंकारी आश्रम ढोटी में लोक निर्माण विभाग द्वारा 12 लाख की लागत से करायें गये पेवर ब्लाक कार्य का विधिवत पूजा अर्चन के साथ लोकापर्ण किया गया। तत्पश्चात संत निरंकारी आश्रम परिसर में विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा आम जनो को पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देने के लिए मौलश्री का पौधा रोपण किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने संत निरंकारी आश्रम में आयोजित प्रवचन का श्रवण किया। एवं अपने उद्बोधन में कहा कि दीन मनुष्यों की सेवा से ही ईश्वर की प्राप्ति की जा सकती है। उन्होंने कहा कि संसार में जितने कार्य पुण्य के या भले माने जाते हैं, सेवा या परोपकार का दर्जा उनमें सब में ऊँचा है। जो लोग आध्यात्मिक जगत में वास्तव में ऊँचा उठना चाहते हैं उनके हृदय सेवा की भावना से इतने परिपूर्ण हो जाने चाहिए कि अपने संपर्क में आने वाले मनुष्यों की ही नहीं वरन् पशु-पक्षियों और पे?-पौधों तक की सेवा करने को उत्सुक रहे। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में तो जो लोग देश के आध्यात्मिक गुरु होते थे उनका ही यह कर्तव्य माना जाता था कि वे अपना सारा समय यज्ञ, अनुष्ठान, अध्ययन, शिक्षण, परामर्श आदि में लगाएं जिससे कि सम्पूर्ण जाति का कल्याण हो। इसलिए हम आज यह सकल्प ले कि दीन मनुष्यों की सेवा कर ईश्वर की राह में सरणागत हो जायें।

इस अवसर राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह, सांसद सीधी सिंगरौली डॉ. राजेश मिश्र के द्वारा भी अपने विचार रखे गये। इस दौरान सिंगरौली विधानसभा के विधायक श्री राम निवास शाह, कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक श्री मनीष खंत्री, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, प्राधिकरण अध्यक्ष श्री दिलीप शाह सिंगरौली विधानसभा के पूर्व विधायक राम लल्लू बैस, देवसर विधानसभा के पूर्व विधायक सुभाष बर्मा, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश द्विवेदी, राम सुमिरन गुप्ता, प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष राम नरेश शाह सहित आम जन मानस भारी संख्या में उपस्थित रहे।

चितरंगी में सिविल डिफेंस होमगार्ड वालेंटियर का प्रशिक्षण

जागरण, चितरंगी। सामुदायिक भवन में एकदिवसीय जन जागृत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सिविल डिफेंस होमगार्ड वालेंटियर का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 200 वालंटियर उपस्थित रह जो कि जिलेवार सिविल डिफेंस वालंटियर बनाए जाने के तारतम्य में आयोजित किया गया था। जिला कलेक्टर एवं दंडाधिकारी के आदेश सचिव मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा पत्र के माध्यम से जिलेवार सिविल डिफेंस वालंटियर बनाए जाने के निर्देश दिए गए थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चितरंगी तहसीलदार ऋषिनारायण सिंह जनपद पंचायत चितरंगी के सचिव जगन्नाथ सिंह और विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सिविल डिफेंस वालंटियर की भूमिका समुदाय की सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में सहायता प्रदान करना है। वालंटियरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे आपातकालीन स्थितियों में प्रभावी ढंग से काम कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वालंटियरों को सिविल डिफेंस के बारे में जागरूक करना और उन्हें आपातकालीन स्थितियों में काम करने के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से वालंटियरों को समुदाय की सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

नगर गौरव दिवस पर दीपों से जगमग सिंगरौली नगर

जागरण, बैढ़न। चार दिवसीय सिंगरौली महोत्सव का आगाज धूम धाम के साथ 24 मई को किया गया। समारोह का समापन 27 को नगर गौरव दिवस उत्सव के साथ होगा। नगर गौरव दिवस को भव्य एवं सुन्दर बानने के लिए 27 मई को संध्या पर दीपोत्सव का आयोजन माजन मोड़ से विन्ध्यनगर चौराहे सहित शहर के विभिन्न सर्वजनिक स्थलो पर किया जायेगा। वही सिंगरौली महोत्सव के आखरी सध्या पर वालीवुड के जाने माने गायक अरूणिता कंजीलाल एवं नचिकेत लेले अपने गानो के जादू से सिंगरौली वासियों का मन मोहेगे। जिला प्रशासन द्वारा नगर वासियो से आग्रह किया गया है अपने नगर गौरव दिवस पर बढ़चढ़कर अपनी उपस्थित दर्ज कराकर आयोजन का सहभागी बने।

सरई मुख्य बाजार के द्वार पर पानी भरने के कारण मुसाफिरों को हो रही परेशानी

जागरण, सरई। नगर परिषद सरई की वार्ड क्र. 13 के गुलबी गुप्ता के घर के पास रोड में पानी जमा हुआ है। उस जगह पर पानी भरने के कारण लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। सरई मुख्य बाजार के द्वार रोड पर पानी भरने के कारण मुसाफिरों को पानी में घुसकर आगे की यात्रा करनी पड़ती है। वार्ड क्र.13 में उस स्थान से आगे पानी निकलने के लिए नालियां नहीं हैं। जिसके कारण पूरे बाजार का निस्तारण पानी मुख्य रोड सरई. बंजारी मार्ग पर गुलबी गुप्ता के घर के पास रोड पर इकट्ठा हो रही है। जो दुर्घटना का कारण भी बन सकती है। इस मोहल्ला में लगभग वर्ष भर पहले रोड की बद्हाल स्थिति थी जिससे बरसात में वहां से गुजरना काफी काफी कठिन था। जो काफी जद्दोजहद बहुत से बन पाई है। वहीं अब नाली की जबरदस्त समस्या सामने खड़ी है। जो विकराल रूप ले चुकी है। स्थानीय नगर परिषद के जनप्रतिनिधि व आला. अफसर इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वार्ड वासियों ने इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया है।

विभिन्न स्थानीय मुद्दों को लेकर कलेक्टर एवं एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा, वैधानिक कार्यवाही की मांग की गई

जागरण, सिंगरौली। आज दिनांक 26 में 2025 को जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली ग्रामीण एवं शहर के संयुक्त तत्वाधान में सिंगरौली जिले की विभिन्न स्थानीय मुद्दों को लेकर जिला कलेक्टर सिंगरौली एवं पुलिस अधीक्षक सिंगरौली को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा उचित वैधानिक कार्यवाही की त्वरित मांग की गई। ज्ञापन प्रस्तुति की प्रमुख मांग जिले की कानून व्यवस्था पर थी कांग्रेस का मानना है कि संघ एवं भाजपा के दबाव मे सिंगरौली पुलिस दोहरे मापदंड कि कार्यशैली का अनुकरण कर रही है जिसका जीवंत उदाहरण विगत दिनों कांग्रेस नेता रामशिरोमणि शाहवाल जी कि गिर?तारी है किस प्रकार से पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर ना सिर्फ गिर?तारी कि अपितु चार्ज शीट तक तैयार कर डाली इसके विपरीत सुहिरा मे 2 माह पूर्व घटित घटना मे आज तक कोई चार्जशीट दाखिल नहीं कि गई। जिले मे आये दिन कोयला परिवहन के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं और सिंगरौली का जनमानस परेशान है और आज दिनांक तक परिवहन हेतु कोई वैकल्पिक ढांचा नहीं तैयार हुआ जो कि प्रशासनिक अनदेखी और शासन कि उदसीनता का स्मारक है। जिले मे कई अधिकारी कई वर्षो से कार्यरत है और तबादला सिर्फ दिखावे का होता आ रहा है जिससे न्याय मे विलम्ब और अन्याय हो रहा आम जनमानस के साथ कांग्रेस कई वर्षो से जमे अधिकारियो और कर्मचारिओ को जिले से बाहर स्थानांतरित करने कि मांग करती है। अवैध रेत उत्खनन चरम पर है ठेकेदारों द्वारा भारी मात्रा मे रेत उत्खनन कर प्रकृति का दोहन किया जा रहा जो कि पर्यावरण के लिए घातक है। जबकि खदानों कि सीमायें चिन्हित है फिर भी सीमा से बाहर उत्खनन किया जा रहा। कांग्रेस ऐसे ठेकेदारों के विरुद्ध प्रशासन को वैधानिक कार्यवाही कि मांग करती है एवं उनसे जुर्माना वसूलने कि वकालत करती है। जिले मे ब? रहे महिला के विरुद्ध प्रकरणों मे आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई है जो कि घोर निंदनीय है कांग्रेस उचित और ठोस कदम उठाने कि मांग करती है सिर्फ नारे देने से महिला सुरक्षा बहाल नहीं होगी। जिले की कई तहसीलों में राजस्व के कई प्रकरण अनावश्यक रूप से सालों से लंबित पड़े हुए हैं जो की सत्ता के दबाव में हो रहे हैं और आम जनमानस को उचित प्रतिफल नहीं प्राप्त हो पा रहा है कांग्रेस मांग करती है कि ऐसे प्रकरणों का निपटारा तुरंत कर सिंगरौली की आम जनमानस को राहत दी जाए। वन अधिकार हक प्रमाण पत्र जिन लोगों का पीडीए हो गया है उन्हें आज तक प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है उन्हें अभिलंब प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए ऐसी कांग्रेस मांग करती है। ज्ञापन वाचन जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष ज्ञानेंद्र द्विवेदी जी ने किया साथ में जिला कांग्रेस सिंगरौली शहर अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल जी उपस्थित रहे। ज्ञापन प्रस्तुति मे मुख्य रूप से सेवादल मुख्य संगठक रुपेश पाण्डेय जी, जिला संगठन मंत्री बालमुकुंद सिंह परिहार जी, जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह जी, जिला संगठन सचिव रावेन्द्र श्रीवास्तव जी, चितरंगी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संकठा सिंह जी, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह चौहान जी, जिला पंचायत सदस्य संदीप शाह जी, अशोक सिंह पैगाम जी, पिछड़ा वर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शाह जी, अनुसूचित जाति प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल वर्मा जी, जिला महामंत्री ग्रामीण उपेंद्र द्विवेदी जी उपस्थित रहे।

एनसीएल के केंद्रीय अस्पताल सिंगरौली ने मोरवा में लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

जागरण, सिंगरौली। एनसीएल के केंद्रीय अस्पताल सिंगरौली ने मोरवा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान केंद्रीय अस्पताल की टीम ने स्थानीय सब्जी विक्रेताओं को नौतपा के समय लू से बचाव हेतु जानकरी प्रदान की।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को लू से बचने के उपायों जैसे पर्याप्त पानी पीने हल्के कपड़े पहनने के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही भीषण गर्मी में डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव हेतु सभी को ओआरएस ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन घोल का भी निशुल्क वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सीएमएस केंद्रीय चिकित्सालय डॉ.मंजरी मेहता डॉ.ओम एवं टीम उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा समय समय पर स्थानीय क्षेत्र के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे अनेक शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं तनुज कुमार पिता स्व. नरेंद्र कुमार उम्र 50 वर्ष एन.एच.3 डी-34 एनटीपीसी विंध्यनगर तहसील व जिला सिंगरौली म.प्र. का निवासी हूं । मैं यह शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरा विवाह 10/5/2002 को हुआ था तब मेरी पत्नी का नाम भावना श्रीवास्तव था। विवाह के पश्चात मेरी पत्नी का नाम भावना हो गया है अत: मेरी पत्नी को भावना श्रीवास्तव के स्थान पर भावना के नाम से जाना जाए पहचाना जाए एवं अभिलेखों में दर्ज किया जाए अपनी पत्नी के नाम सुधार किए जाने बाबत मैंने शपथ पत्र निष्पादित कराया है।

स्वरोजगार मूलक योजनाओं से प्रत्येक माह हितग्राही हों लाभान्वित : कलेक्टर

एनआरसी से डिस्चार्ज पर बच्चों को पौष्टिक आहार किट एवं माताओं को मजदूरी की प्रतिपूर्ति राशि देने का होगा प्रयास

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा है कि स्वरोजगारमूलक योजनाओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों के हितलाभ प्रकरणों के समय पर निराकरण के उद्देश्य से माहवार लक्ष्यपूर्ति का प्रयास किया जाए। इसके लिए विभागीय व बैंक स्तर पर जरूरी समन्वय के माध्यम से निरंतर कार्य कर हितग्राहियों को लाभ प्रदान करना सुनिश्चित करें। किसी भी स्थिति में वित्तीय वर्ष के अंतिम माह अथवा अंतिम त्रैमास की प्रतीक्षा न करें। इस संबंध में उन्होंने हर माह स्वरोजगार प्रकरणों का वितरण कराने सहित लगातार मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही विभाग के अधीनस्थ लोकसेवकों द्वारा लापरवाही बरतने पर वेतनवृद्धि रोकने की चेतावनी भी दी। इसके अलावा शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में भी तत्परतापूर्वक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के समयसीमा में निराकरण के उद्देश्य से पुरानी शिकायतों सहित वर्तमान माह में प्राप्त शिकायतों का भी समानांतर रूप से संतुष्टिपूर्वक निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके अलावा प्राथमिकता के साथ टीएल और जनसुनवाई पत्रों का भी निराकरण हो। उन्होंने कई बार निर्देश के बावजूद सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर एल.1 स्तर पर निर्धारित समयावधि में शिकायत अटेंड न करने तथा लोक सेवा गारण्टी अधिनियम की विभिन्न नागरिक सेवाओं के समय सीमा में निराकरण न होने पर संबंधितजनों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के सख्त निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि विभागीय अधिकारी विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में जिले की रैंकिंग में सुधार के लिए भी सार्थक प्रयास करें। साथ ही संवेदनशीलता से आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण सहित आमजन के प्रति अपने व्यवहार और दृष्टिकोण में भी बदलाव लाएं। इस दौरान विशेषकर 70 वर्ष एवं अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक एवं भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल में पंजीकृत श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग की केसीसी योजना में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। समस्त जिलाधिकारियों को जिला मुख्यालय पर मंगलवार को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित जनसुनवाई में भी जिला कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनों की समस्या निराकरण के लिए निर्देशित किया गया। टीएल बैठक में न्यायालयीन प्रकरण अंतर्गत जवाबदावा कार्यवाही और अवमानना याचिकाओं के निराकरण की समीक्षा भी की गई। इसके अलावा पोषण पुनर्वास केन्द्रों के सतत् निरीक्षण तथा उपलब्ध सीट क्षमता के विरूद्ध चिन्हांकित शत.प्रतिशत कुपोषित बच्चों के निरंतर रूप से उपचार के लिए भी निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि डिस्चार्ज के उपरांत बच्चों के स्वास्थ्य निगरानी के लिए फॉलोअप की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। आगामी माह से निर्धारित समय उपरांत एनआरसी से बच्चों के डिस्चार्ज के दौरान पौष्टिक आहार किट प्रदान करने तथा बच्चे की माताओं को मजदूरी की प्रतिपूर्ति राशि की व्यवस्था के बारे में भी अवगत कराया। जिला कलेक्टर ने कहा कि कुपोषण समाप्त करने के लिए प्रारंभिक रूप से ही गर्भावस्था के शुरूआती तीन माह की आवश्यक जांच व अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए। स्वास्थ्य योजनाओं विशेषकर महिला स्वास्थ्य की दिशा में सभी जरूरी प्रयास करें।

समग्र ई.केवायसी कार्य में लापरवाही पर होगी कार्यवाही

कलेक्टर ने कहा कि पर्यवेक्षण में अभाव के कारण गत कई माह से निकायवार संचालित हितग्राहियों के समग्र ई.केवायसी कार्य में प्रगति कम है। प्रत्येक जनपद पंचायत सीईओ द्वारा इसके लिए पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों के कार्यों की मॉनिटरिंग कर लापरवाही अथवा स्वच्छंदता बरतने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। इसके बावजूद भी प्रगति में सुधार नहीं होने पर सेवा समाप्ति जैसी कड़ी कार्यवाही भी करें। शासकीय सेवकों के आधार में वांछित सुधार के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर में शिविर लगाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा संभागायुक्त के निर्देशानुसार आगामी दिवसों में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा समय पर वित्तीय स्वत्वों के लाभ के लिए आगामी 31 मई तक जिला पेंशन कार्यालय में प्रकरण प्रेषित करने के लिए कहा। जिला पेंशन अधिकारी ओपपिन गुप्ता ने बताया कि न्यायालयीन लोकायुक्त एवं विभागीय जांच के प्रकरणों को छोड़कर सभी सामान्य प्रकरणों का शासन के निर्देशानुसार समय सीमा में निराकरण किया जाएगा। लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों में भी प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने आगामी 12 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में सागर में प्रस्तावित संभागीय समीक्षा बैठक के संबंध में आवश्यक कार्यवाही शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति के लिए सार्थक पोर्टल पर यूजर पंजीयन कराएगे आगामी वर्षाकाल के पूर्व बाढ़ एवं राहत संबंधी तैयारीए समर्थन मूल्य पर उपार्जित स्कंध के परिवहन व किसानों को भुगतानए जल गंगा संवर्धन अभियान में अन्य विभागों द्वारा भी गतिविधियों के निरंतर आयोजनए विभिन्न परियोजनाओं में

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने शामिल हुए कलेक्टर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्रीय विधायक

जागरण, पन्ना। पन्ना नगर के छत्रसाल नज़र बाग स्टेडियम में विगत 9 मई से ग्रीष्मकालीन खेल चल रहे हैं युवा खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित हो रहे हैं जिसमें विभिन्न खेलों के लगभग तीन सैकड़ा से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं उक्त खेल प्रतिदिन सुबह 6रू00 बजे से 8रू00 बजे तक चलते हैं जिसमें बैडमिंटन खो खो फुटबॉल एथलेटिक्स कबड्डी मलखंभ आदि खेल युवा कल्याण अधिकारी एसपी सिंह बघेल द्वारा लगातार बेहतर ढंग से खेलों का संचालन कराया जा रहा है खेलों के साथ.साथ खिलाड़ियों को अन्य प्रकार की व्यावहारिक एवं बौद्धिक जानकारियां भी दी जा रहीं हैं जिसमें अलग.अलग दिन अलग.अलग विषय का ज्ञान रखने वाले लोग खिलाड़ी बच्चों को अवगत कराते हैं इसी कड़ी में दिनांक 26मई को खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करने कलेक्टर सुरेश कुमार शर्मा पुलिस अधीक्षक एस साई कृष्णा क्षेत्रीय विधायक तथा पूर्व मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह सहित अनेक लोग शामिल हुए जिन्होंने उपस्थित खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तत्पश्चात आरएसएस के पूर्व जिला प्रमुख लक्ष्मीकांत शर्मा ने बौद्धिक के रूप में अपने विचार व्यक्तकिए उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार सीखना चाहिए उन्हें अपने माता.पिता का सम्मान भगवान की तरह करना चाहिए क्योंकि माता.पिता उनके जन्मदाता है यदि जो बच्चा माता.पिता का सम्मान नहीं करता है वह संस्कारहीन होता है इसलिए सभी बच्चों को अपने माता.पिता का सम्मान करना अति आवश्यक है उन्होंने अनेक उदाहरण देकर भी बच्चों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास किया तत्पश्चात सभी बच्चों को हाईवे पुलिस चौकी प्रभारी संजय जादौन की तरफ से बेहतर स्वल्पाहारकी व्यवस्था की गई थी जिसमें बच्चों के साथ.साथ अतिथियों ने भी स्वल्पाहार का मजा लिया इस अवसर पर अनेक लोग उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह डॉक्टर कैलाश मोदी अमर बहादुर सिंह विनोद तिवारी रूद्र प्रताप सिंह वरिष्ठ पत्रकार मनीष मिश्रा राकेश शर्मा अकरम खान नगर निरीक्षक रोहित मिश्रा यातायात प्रभारी नीलम लव्य कार पुलिस लाइन के आर आई विलावन सिंह कंवर खेल प्रशिक्षक राहुल सिंह गुर्जर प्रकाश सिंह पहलवान सिंह लॉरेंस ईट्स मुस्तकीम खान कार्यक्रम का सफल संचालन खेल अधिकारी एवं एसडीओपी एसपी सिंह बघेल द्वारा किया गया।

श्री108 तारतम ब्रह्मवाणी साप्ताहिक पारायण एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ

जागरण, पन्ना। श्री राधा कृष्ण प्रणामी निजानंद सेवा समिति सुनवानी कला तहसील अमानगंज में बीते 23 मई 2025 से श्री 108 तारतम ब्रह्मवाणी साप्ताहिक पारायण एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन 29 मई 2025 तक किया जा रहा है?। मालूम हो की सुनवानी कला में स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर के रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

श्री 108 परायण पाठ का वाचन कर रहे हैं ब्रह्ममुनी : श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर सुनवानी कला में रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष में श्री108 तारतम ब्रह्मवाणी साप्ताहिक पारायण मंदिर के सामने स्थित प्रांगण में बहुत ही सुंदर पंडाल बनाकर किया जा रहा है। आयोजित साप्ताहिक पारायण महायज्ञ में श्री तारतम वाणी का वाचन 108 ब्रह्ममुनी द्वारा किया जा रहा है। सुबह 8रू00 बजे विधिवत पूजन उपरांत श्री तारतम वाणी का वाचन प्रारंभ होता है जो पूरे दिन चलता रहता है। इस महोत्सव में शिरकत करने धाम व धर्मस्थलों से धर्म आचार्यए धर्मगुरुए महंतए संतए विद्धजन एवं संगीतज्ञ पहुंच कर इस महायज्ञ की शोभा बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ ले रहे हैं। संगीत में श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करा रहे हैं परमानंद जी महाराज श्री राधा कृष्ण प्रणामी दयानंद सेवा समिति द्वारा रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष में आयोजित संगीत में श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कथा व्यास श्री परमानंद जी महाराज ;इकदिल इटावाद्ध द्वारा कराया जा रहा है। कथा का आयोजन प्रातः 9रू00 बजे से 12रू00 बजे तक एवं दोपहर उपरांत 3रू00 बजे से 6रू00 बजे तक किया जा रहा है। इसके अलावा रात्रि में सत्संग एवं भजन 9रू00 बजे से रात्रि 10रू30 बजे तक किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन के अध्यक्ष रामकृपाल पटेल एवं संयोजक महंत प्रभु दयाल द्वारा समस्त सुंदरसाथ एवं ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

जय हिंद यात्रा जतारा नगर में हाथ में तिरंगा लेकर निकले कांग्रेसी, लगाए भारत माता के जयकारे

आपरेशन सिंदूर को सफल बनाने में एक अहम भूमिका निभाई देश की बेटियां किरण अहिरवार

जागरण, टीकमगढ़। भारतीय सेना देश के खिलाफ होने वाली साजिश का जबाव देना जानती है। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर नए उभरते हुए भारत का संपन्न होने का प्रमाण है। सोमवार को जतारा नगर में जय हिंद यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में शामिल नगर के महिलाए युवा और कांग्रेस नेताओं ने गर्मजोशी के साथ हाथ में तिरंगा झंडा लहराते हुए भारत माता की जय के नारे लगते हुए चले। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर सोमवार को जतारा नगर में जय हिंद यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल लोग डीजे पर बज रहे देशभक्ति के गीत सुनकर जोश में भरे दिखे। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। इस दौरान नगरवासियों ने जगह.जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। प्रदेश महासचिव श्रीमती किरण अहिरवार ने कहा कि सेना के सम्मान में आज जतारा नगर में जय हिन्द यात्रा निकाली गई ।उन्होंने कहा कि हम सलाम करते हैं उन देश के बहादुर बेटियों का जिन्होंने महिला सशक्तिकरण का उदाहरण दियाए आपरेशन सिंदूर को सफल बनाने में एक अहम भूमिका निभाई और दुनिया को दिखा दिया कि इस देश की बेटियां किसी से कम नहीं है। जब जब देश में आंच आई तो इन बेटियों ने दुश्मनो के छक्के छुड़ा दिए।इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन साहू ने कहा कि भारत की सेना देश की सरहदों की रक्षा करना जानती है। आज का भारत सशक्त और संपन्न हैए जो आतंकी हमलों का सही तरीके से जबाव देना जानता है। यह हमारे देश के शक्ति संपन्न होने का प्रमाण है। आज हम सब लोगों को अपनी सेना पर गर्व है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान की ऐसी हरकतें बंद नहीं की तो भारतीय सेना एक दिन पाकिस्तान का नाम विश्व के नक्शे से मिटा देगी। यात्रा में शामिल नगर के आम जनता में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर गर्मजोशी दिखाई दी और वह भारत माता की जय और भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चले। आयोजित यात्रा में जतारा ब्लॉक अध्यक्ष सचिन जैनए प्रमोद सोनीए रुपेन्द्र बुन्देलए महेश चौरासिया जिला अध्यक्ष अध्यक्ष गुलाब कुशवाहाए जिला उपाध्यक्ष श्री पत यादवएएडवोकेट सफी मोहम्मदए डॉ रमेश शर्माए अनिल रिछारियाए रामकुमार गुप्तए धीरेन्द्र चौबेए सुरेश रजकए श्रीराम यादवए हरि नारायण कुशवाहाए रामकिशोर अहिरवारए रघुवर दयाल कुशवाहाए आकाश घोष ए राजेश यादव आशीश सैनीए पंकज समेले सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारीगण सहित अन्य लोग शामिल रहे।

पन्ना पुलिस ने पूर्व में भारी मात्रा में जब्त अवैध शराब के प्रकरण में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पन्ना। जिले में अवैध शराब के विरूद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गतए थाना कोतवाली पुलिस द्वारा दिनांक 21.22 मई 2025 की दरम्यानी रात पन्ना.छतरपुर मार्ग पर बक्कुर मनौर के पास एक संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक न्त्95 ।ज्2317 से बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब ;94 कार्टूनए कुल 856ण्44 लीटरद्ध बरामद की गई थी। बरामद शराब की अनुमानित कीमत ?6ए36ए510ध. एवं वाहन की कीमत ?8ए00ए000ध. सहित पुलिस द्वारा कुल ?14ए36ए510ध. रूपये का मशरूका जप्त किया गया था । मामले में अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना कोतवाली पन्ना में अपराध क्रमांक 461ध्25ए धारा 34;2द्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था । मामले में पन्ना पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किये गये एवं अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया । जिसके फलस्वरूप मामले में मुखबिर सूचना के आधार पर पन्ना पुलिस द्वारा 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है । जिसमें रामचरण साहू पिता नंदकिशोर साहू निवासी सटई रोड छतरपुर तथा अंकित कुशवाहा तथा राजीव कुशवाहा सिंचाई कॉलोनी छतरपुरपुलिस अन्य संलिप्त व्यक्तियों एवं संभावित नेटवर्क की जानकारी एकत्र कर रही है। शीघ्र ही इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जायेगी मामले में विवेचना जारी है ।पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साई कृष्ण एसण् थोटा द्वारा इस कार्यवाही की सराहना करते हुएए टीम को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार देने की घोषणा की है ।

महेंद्र सिंह का रीवा स्थानांतरण आर एलएस मौर्य होंगे पन्ना के नए अधीक्षण यंत्री

पन्ना । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ए विभाग में पदस्थ रहे अधीक्षण यंत्री महेंद्र सिंह का राज्य शासन द्वारा रीवा के लिए स्थानांतरण कर दिया गया है उनके स्थान पर नए अधीक्षण यंत्री के रूप में आर एल एस मौर्य को पदस्थ किया गया है ज्ञात हो कि महेंद्र सिंह द्वारा पन्ना जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार तथा फर्जी वाडा किया है इनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में नल जल योजनाओं स्कूल आंगनबाड़ी केंद्र की नल जल योजनाओं तथा हैंड पंप लगाने एवं सुधार कर के नाम पर भारी फर्जी वाडा एवं भ्रष्टाचार किया है इनकी कार्य प्रणाली से अनेक अधिकारी कर्मचारी भी प्रताड़ित एवं परेशान रहे हैं सिर्फ भ्रष्टाचारीयो की चांदी रही है स्थानीय लोगों ने शासन प्रशासन से इनके कार्यकाल की जांच कराकर कार्यवाही करने की भी मांग की है

अनुपस्थित पंचायत के सचिव की जगह अन्य की व्यवस्था नहीं की गई

कामकाज ठप्प हितग्राही परेशान

जागरण, पन्ना। जिले के शाहनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत चंद्रावल का मामला पुलिस थाने तक पहुंचा तथा सरपंच एवं उसके पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज है पन्ना जिले के शाहनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत चंद्रावल में विगत डेढ़ माह पूर्व सरपंच मिलन प्रजापति और सचिव ज्ञानेंद्र द्विवेदी के बीच जनसुनवाई के दौरान हुए विवाद के मामले में सरपंच के खिलाफ एफआईआर हो चुकी है। सरपंच के द्वारा सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार के तमाम सबूत और की गई शिकायतों के आवेदन प्रस्तुत कर भ्रष्टाचार की शिकायतों को दबाने के लिए पूर्व नियोजित षडयंत्र बताया गया है। इस मामले के बाद डेढ़ माह से सचिव ज्ञानेंद्र द्विवेदी पंचायत से अनुपस्थित बताया जा रहा है ऐसे में पंचायत के तमाम काम प्रभावित हो रहे हैं। हितग्राहियों के केवाईसी सहित कोई काम नहीं हो पा रहे हैं। सरपंच मिलन प्रजापति ने 26 मई 2025 को जिला मुख्यालय पन्ना पहुंचकर जिला पंचायत सीईओ के नाम आवेदन सौंप कर बताया है कि हितग्राही अपनी समस्या लेकर मेरे पास पहुंच रहे हैं लेकिन सचिव के अनुपस्थित से मैं कुछ भी नहीं कर पा रहा हूं। कुछ काम सचिव के द्वारा लोगों को ठेके पर दिए गए थे उनकी राशि भुगतान के लिए भी लोग भटक रहे हैंए इससे पूर्व जनपद सीईओ शाहनगर से भी फरियाद कर चुके हैं लेकिन अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गयाए सरपंच ने शीघ्र निराकरण की मांग उठाते हुए बताया है कि या तो सचिव को जिम्मेदारी निभाने के लिए निर्देशित किया जाए या फिर किसी और को प्रभार सौंपा जाए ताकि पंचायत के काम और हितग्राहियों के काम में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न ना हो।

खानापूर्ति करने आबकारी टीम ने पकड़ी नाम मात्र अवैध शराब

टीकमगढ़। यूं तो अवैध शराब विक्रय का सिलसिला जोरो पर है कई ऐसे कबूतरखाने जो आबकारी विभाग के पूरे अधिकारियों की निगरानी में है लेकिन इन पर कार्यवाही के नाम पर सिर्फखानापूर्ति की जाती रही हैवही एक बार फिर आबकारी टीम ने कार्यवाही को अंजाम दिया। लेकिन यह सिर्फऔर सिर्फखानापूर्ति है। जानकारी के मुताबिक सूत्र बता रहे है की कोतवाली थाना क्षेत्र के पठा में देशी महुआ की अवैध शराब को पकड़ा गया हैं तो वही बुड़ेरा थाना क्षेत्र के श्यामपुरा गांव में उत्तरप्रदेश की करीब 11 रसभरी फरूटी को पकड़ा है। जिस तरीके से यह कार्यवाही की गई है और फोटो में जो अवैध शराब की मात्रा दिखाई गई तो इससे यह स्पष्ट हुआ कि यह सिर्फखानापूर्ति है।

गुनौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्रेशाही का आलम

मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं के बैठने एवं पीने के लिए पानी भी नहींनसीब

जागरण, पन्ना। मध्य प्रदेश के सबसे पिछडे जिलों में सुमार पन्ना जिले में स्वास्थ्य सुविधाएं बद से बदतर हो चुकी हैं। गुनौर विधानसभा मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हाल तो और भी बेहाल बताए जा रहे हैं। यहां आने वाले मरीजों और गर्भवती महिलाओं के बैठने एवं पीने के लिए पानी की भी सुविधा नहीं है। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में विकास का ढिंढोरा पीटने वाले नेताओं की लचर स्वास्थ्य सेवाओं के सवालों पर बोलती बंद हो जाती है। आज 26 मई 2025 को सुबह से ही गुनौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की भीड़ लगी थी चेकअप करवाने के लिए गर्भवती महिलाएं भी आई हुई थी जिन्हें जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा था। यहां पंखा या कूलर की भी कोई सुविधा नहीं थीए पसीने से तर.बतर मरीज और गर्भवती महिलाएं परेशान देखी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंदर देखने पर केवल एक ही कूलर नजर आया वह भी पर्याप्त हवा नहीं दे पा रहा है। मरीजों ने बताया कि डॉक्टर 11 बजे के बाद आते हैं और कुछ देर बाद चले जाते हैंए इलाज व औषधियों की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है जिसके चलते अधिकांश मरीजों व गर्भवती महिलाओं या घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचते ही जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर कर दिया जाता है और जिला ीप चिकित्सालय में भी इलाज की कोई गारंटी नहीं होती यहां भी अधिकांश डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस में व्यस्त रहते हैं और प्राइवेट तौर पर परामर्श लेने वालों को ही भर्ती करते हैं इसके अलावा सीधे अस्पताल पहुंचाने वालों में से अधिकतर मरीजों को रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया जाता है एक ओर शासन के द्वारा आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारी भरकम बजट खर्च किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों की मनमानी और अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण आम नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव 29 मई को पन्ना में अनेक कार्यक्रम में होंगे शामिल

जागरण, पन्ना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 29 मई को पन्नाजिले के प्रवास पर रहेंगे तथा अनेक कार्यक्रमों में शामिल होंगे श्री यादव बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल की जयंती पर पन्ना पहुंच रहे हैं जो आयोजित जयंती समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे श्री जुगल किशोर लोक का शिलान्यास करेंगे स्थानीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में शामिल होकर आम जनता को संबोधित करेंगे कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर जिले के अधिकारियों द्वारा तैयारी की जा रहे हैं ।

ग्राम पंचायत कृष्णगढ़ में धार्मिक कार्यक्रम अखंड राम धुन सम्पन्न, भंडारा आज

पन्ना । ग्राम पंचायत कृष्णगढ़ में सिद्ध स्थान कुटी सदगुरु महाराज सन्यासी बाबा चामीटा बाले के स्थान पर सभी ग्राम वासियों के सहयोग से अखंड राम नाम संकीर्तन की रामधुन की बैठकी गांव एवं क्षेत्र की मंगल कामना के लिए सभी के सहयोग से धार्मिक कार्यक्रम चल रहा है एवं आज मंगलवार को अखंड राम धुन का समापन एवं कन्या भोज भंडारे का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें आप सभी धर्म प्रेमी भक्तजन एवं क्षेत्रवासी अधिक से अधिक संख्या में शामिल हुए एवं धर्म लाभ प्राप्त किया ।

मछली ठेकेदार के पुत्रों ने की युवक से गंभीर मारपीट, वीडियो सोशल मीडिया पर किया वायरल

गलत कार्यवाही करने पर कोतवाली प्रभारी और आरक्षक को सस्पेंड करने की यादव महासभा ने उठाई मांग

जागरण, टीकमगढ़ । बीते दिनों जिला जेल के सामने निवास करने बाले मछली ठेकेदार और उनके परिजनों के द्वारा एक युवक से गंभीर मारपीट की गई है। यह युवक कोई और नही उनका ही पार्टनर मनोज यादव निवासी बम्होरी मड़िया बताया गया हैए जिनका पैसों के लेन.देन को लेकर कुछ विवाद हुआए जिसमे मछली ठेकेदार संजय सिंह उर्फ गुडडू गौर और उनके पुत्रो सहित अन्य के द्वारा युवक के साथ गभीर मारपीट की गई है। जिसमे युवक को गंभीर चोटें आई है। मामले का खुलासा तब हुआ जब मारपीट का वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हो गया। साथ ही युवक से मारपीट होने के बाद मारपीट करने बाले लोग युवक को गंभीर हालत में कोतवाली ले गएए जंहा युवक पर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी। सोमवार दोपहर को अखिल भारतीय यादव महासभा ने एसपी कार्यालय पहुंच एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें सैकड़ों लोग मौजूद रहेए जिन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कोतवाली प्रभारी और एक आरक्षक को सस्पेंड करने को लेकर जमकर नारेबाजी की। साथ ही आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग उठाई। ज्ञापन देंते पीड़ित मनोज यादव के भाई विजय सिंह यादव ने बताया कि 23 मई 2025 को रात्रि करीब 11 बजे के लगभग संजय सिंह गौर उर्फगौर निवासी जेल के पास टीकमगढ़ से मेरे भाई मनोज यादव को कुछ उधारी के रूपये चाहिये थे। इतनी मारपीट होने के बाद भी उल्टा मारपीट में घायल व्यक्ति पर ही कोतवाली पुलिस ने उल्टा गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर दिया। जब मारपीट का वीडियो जैसे ही वायरल हुआ तब आज सोमवार को यादव महासभा ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर एसपी को ज्ञापन सौपा है और दो दिवस में कार्यवाही करने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि फर्जी तरीके से मनोज यादव पर दर्ज की गई एफआईआर खारिज की जाएए साथ ही मारपीट करने बाले संजय सिंह उर्फ गुड्डू सिंह गौरए जितेन्द्र सिंह ठाकुर ताल दरवाजाए आदित्य पिता संजय सिंह गौरए युवराज सिंह गौरए गगन शुक्ला सहित अन्य लोगों द्वारा गारपीट की गईए इन पर धारा 307 के तहत एफ्आईण्आरण् दर्ज की जाये। और कोतवाली प्रभारी पंकज शर्मा सहित आरक्षक मनीष भदौरिया को पीड़ित पर ही मामला दर्ज करने के मामले में सस्पेंड करने की मांग की है। साथ ही मारपीट करने बालो ने जिस जगह मकान का निर्माण किया है वह अतिक्रमण में बना हुआ है जिसे अतिक्रमण मुक्त किया जाए। ज्ञापन में यादव महासभा ने दो दिवस में कार्यवाही करने का अल्टीमेटम दिया हैए उन्होंने कहा कि कार्यवाही नही होने पर उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे जिसकी जबाबदेही प्रशासन की होगी । इस दौरान यादव महासभा के प्रदेश महासचिव कमलेश यादव कारीए युवा जिलाध्यक्ष सचिन यादवए सरदार यादवए राहुल यादवए जैकी यादवए चीकू यादवए नरेंद्र यादवए सरपंच पुष्पेंद्र यादवए कल्लू यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

महिला सशक्तिकरण की नई कहानी लिख रहा है मध्यप्रदेश

नारी उत्थान की मिसाल-मध्यप्रदेश का कमाल

एक समय था जब महिलाएं सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन आज मध्यप्रदेश में हालात बदल रहे हैं। राज्य सरकार महिलाओं को केवल सहयोग नहीं, बल्कि सम्मान और स्वावलंबन की नई पहचान देने की दिशा में काम कर रही है। आज मध्यप्रदेश सिर्फ योजनाएं नहीं बना रहा, वह एक ऐसी सोच का निर्माण कर रहा है जहां महिला होना कमजोरी नहीं, शक्ति का पर्याय है। यह बदलाव धीरे-धीरे हर घर, हर गांव और हर शहर में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत होकर सक्रियता पूर्वक कार्य कर रहे है। उनका मानना है कि हम नारी सशक्तिकरण को केवल योजना के रूप में नहीं जन आंदोलन के रूप में देख रहे है। नारी शक्ति मिशन हमारे इस दृष्टिकोण का विस्तार है जिसमें हर जिले से महिलाओं को जोड़ा जा रहा है।

कामकाजी महिलाओं को मिलेगा अब अपना ठिकाना

प्रदेश में इंदौर और भोपाल में 250 बेड क्षमता के 3 वर्किंग वुमन हॉस्टल संचालित है। इसके अतिरिक्त स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना में वर्ष 2024-25 में 5412 बिस्तरीय 8 नये हॉस्टलों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 4 महिला एवं बाल विकास विभाग और 4 उद्योग विभाग द्वारा संचालित किये जायेगे। इसमें सिंगरौली, देवास, नर्मदापुरम और झाबुआ में 100-100 बिस्तरों के 4 हॉस्टलों के लिए 40.59 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। अब घर से दूर काम करने वाली महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास मिलेगा।

जब ज़िंदगी मुश्किल हो, तब साथ देता है वन स्टॉप सेंटर

घरेलू हिंसा, शोषण या किसी भी संकट में फंसी महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर उम्मीद की किरण बनकर उभरे हैं। प्रदेश में 57 वन स्टॉप सेंटर पहले से ही संचालित हैं। जिनके माध्यम से वर्ष 2024-25 में 31 हजार 763 महिलाओं को सहायता प्रदान की गई। अब 8 और नए सेंटर मंजूर किए गए हैं- पेटलावद, पीथमपुर, मनावर, लसूडिया, साबेंर, मैहर, पांढूर्णा और मऊगंज में वन स्टॉप सेंटर की मंजूरी दी गई है। अब तक कुल एक लाख 27 हजार 94 संकटग्रस्त महिलाओं को इन केन्द्रों से लाभ मिल चुका है।

एक कॉल, और मदद हाजिर

महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को अब 112 आपात सेवा से जोड़ा गया है। यानी अब कोई भी महिला मुसीबत में हो तो सिर्फ एक कॉल से पुलिस, काउंसलिंग, आश्रय और कानूनी मदद सब एक साथ मिल सकती है। वर्ष 2024-25 में लगभग 82 हजार 552 महिलाओं को त्वरित सहायता मिली है। योजना के प्रारंभ से अबतक एक लाख 57 हजार महिलाओं को लाभ मिल चुका है।

आत्म-निर्भरता की राह पर महिला उद्यमिता

मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है।

बहनों के हक की कमाई : सीधे उनके हाथ में

लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। न केवल पैसा, बल्कि डिजिटल साक्षरता भी दी जा रही है ताकि बहनें सिर्फ उपभोक्ता नहीं, डिजिटल युग की सहभागी बनें।

छोटे कदम, बड़ी उड़ान - लाड़ली लक्ष्मी योजना

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रूपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं।

कठिन वक्त में शक्ति-सदन बन रहा सहारा

ऐसी महिलाएं और बच्चियां जो बेहद कठिन हालात में हैं, उनके लिए 13 जिलों में 14 शक्ति सदन संचालित किये जा रहे हैं, जहां उन्हें सुरक्षित अस्थायी आश्रय मिलता है। वर्ष 2024-25 में एक हजार 824 महिलाएं और 461 बच्चे लाभान्वित हुए है। आगामी समय में सभी 10 संभागीय मुख्यालयों में शक्ति सदन स्थापित किये जायेगें।

एक राज्य, एक संकल्प - नारी शक्ति को देना सम्मान

राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना ओर ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता हम होंगे कामयाब अभियान चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सायबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'- सशक्त वाहिनी से बदलाव

'सशक्त वाहिनी' के तहत हजारों बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आत्म रक्षा प्रशिक्षण मिला है। इसके तहत 11 हजार से अधिक बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये शैक्षणिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 156 युवतियों का विभिन्न सरकारी पदों पर चयन हुआ। साथ ही 2.6 लाख से अधिक लोगों ने सुरक्षा और अधिकारों को लेकर जागरूकता अभियान में भाग लिया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में विगत वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी मध्यप्रदेश द्वारा शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदाय की गई। वर्ष 2024-25 में लगभग 6 लाख 30 हजार 929 हितग्राही पंजीकृत किये गये।

नारी सशक्तिकरण में अग्रणी मध्यप्रदेश

नारी सशक्तिकरण के नव प्रतिमान गढ़ते मध्यप्रदेश ने सफलता की अनेकों कहानियां लिखकर राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे सतत प्रयासों ने महिलाओं को स्वाबलंबी और आत्मनिर्भर बनाया है। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने शासकीय सेवाओं में महिलाओं के आरक्षण को 33 प्रतिशत से बढ़ा कर 35 प्रतिशत किया है। साथ ही पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की है। उद्यमी महिलाओं को राज्य सरकार 2 प्रतिशत दर से ऋण भी उपलब्ध करा रही है। आजीविका मिशन के माध्यम से 62 लाख से अधिक महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ा गया है। राज्य सरकार के वादों और इरादों में कोई अंतर नहीं है। राज्य सरकार ने माता-बहनों और बेटियों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए नित नई योजनाएं चलाई हैं, जिनके परिणाम उत्साह बढ़ाने वाले हैं। इन प्रयासों के चलते ही मध्यप्रदेश में महिलाएं अब मजबूर नहीं बल्कि मजबूत होकर उभरी हैं। बेटियां वरदान कहीं जाने लगी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से सिद्धि के मंत्र को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आत्मसात करते हुए लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए दिन-रात एक कर दिए हैं। उनके सफल प्रयासों की सफलताओं के नवांकुर आज राज्य को अलंकृत कर रहे हैं। महिलाओं को मजबूर से मजबूत बनाने का अभियान आज उनके सशक्त और आत्मनिर्भरता की कहानी उनकी जुबानी कह रहा है। देश के कई राज्यों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर मध्यप्रदेश द्वारा उठाए गए कदमों को सराहा है और अपने राज्यों में लागू भी किया है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से राज्य की लगभग एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मासिक 1250 रुपए की राशि सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। महिला सशक्तिकरण की यह अनूठी पहल अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय होकर क्रियान्वित की जा रही है। महाराष्ट्र , झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार जैसे राज्यों ने लाड़ली बहना योजना को मील का पत्थर मानते हुए अपनाया है।

सुदृढ़ हो रही है आंगनवाड़ी

राज्य सरकार ने गर्भस्थ महिलाओं और शिशुओं की सुरक्षा के लिए वित्तीय संसाधनों की कोई कमी बाकी नहीं रखी। आंगनबाड़ी केन्द्रों का उन्नयन, रखरखाव एवं संचालन मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में हमेशा से रहा है। इस दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद ने प्रदेश की 12 हजार 670 मिनी आंगनवाडी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाडी केन्द्र के रूप में उन्नयन किए जाने का निर्णय लिया है। इसके लिये पर्यवक्षको के 476 नवीन पद, 12 हजार 670 आंगनवाडी सहायिका सहित कुल 13 हजार 146 नवीन पद स्वीकृत किए गए है। अटल बिहारी वाजपेई बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन के अंतर्गत राज्य सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं। आंगनबाड़ी केदो में मंगल दिवस मनाए जाते हैं। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम में एम्स के सहयोग से गंभीर कुपोषित बच्चों की देखभाल की जा रही है। माता एवं शिशु के चेहरे की मुस्कान के लिए राज्य सरकार स्वयं को न्यौछावर करने से भी पीछे नहीं है। राज्य की 73.40 लाख हितग्राही महिलाएं आधार से पंजीकृत हैं। राज्य में लिंगानुपात 927 से बढ़कर 956 हो गया है। बाल विवाह के मामलों में भी काफी कमी आई है। 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' राज्य सरकार का ध्येय मंत्र रहा है और इस दिशा में बेटियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल और कॉलेज के लिए स्कूटी वितरण का कार्य किया जा रहा है जिससे उनकी शिक्षा की सुविधा में कोई कठिनाई न आए। राज्य सरकार ने बेटियों को डॉक्टर, इंजीनियर, जेईई, जज, सीए आदि परीक्षाओं की तैयारी का खर्च उठाने का जिम्मा स्वयं ले रखा है ताकि माता-पिता को इसके बोझ तले ना दबना पड़े।

पढ़ाई के लिए बेटियों को प्रोत्साहन राशि

कक्षा 12वीं के बाद स्नातक अथवा व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने पर बेटियों को राज्य सरकार 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है। राज्य सरकार की यही मंशा रही है कि प्रदेश की हर बेटी अपने सपने पूरा कर सके। महिला सुरक्षा को अपनी उच्च प्राथमिकता में रखते हुए राज्य सरकार हमेशा गंभीरता से कार्य कर रही है। आपातकालीन स्थिति या किसी भी तरह के संकट में उनकी सहायता के लिए राज्य के सभी 57 जिलों में वन स्टॉप केंद्र संचालित हैं।

देवी अहिल्याबाई : जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की प्रणेता

देवी अहिल्या बाई होलकर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारत की अमोल निधि है। उन्हें समाज ने पुण्य-श्लोका, लोकमाता, मातोश्री, न्यायप्रिया, प्रजावत्सला, राजमाता आदि से संबोधित किया। यह संबोधन समाज का उनके प्रति सम्मान, श्रृद्धा और आदर्श भाव को प्रकट करते है। उनकी कार्य शैली, व्यवहार, कर्म-कर्तव्य का पालन, विपरीत और विषम परिस्थिति में भी स्थिर रहना, उचित समय पर उचित निर्णय, दूरदृष्टि, संकल्प की दृढ़ता, प्रशासनिक कौशल अद्भुत था।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन की स्वीकृति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास में चार वर्गों यथा युवा, महिला, किसान और गरीब को आधार स्तम्भ के रूप में परिभाषित किया है। इसी अनुक्रम में देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारम्भ किया जाएगा। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से विमेन लीड डेवलपमेंट प्रयास को समन्वित रूप से लागू करने के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन का सैद्धांतिक अनुमोदन दिया है। मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास एवं सुरक्षा, महिलाओं एवं बालिकाओं तक विभिन्न सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन व समाज में आर्थिक भागीदारी बढाने के लिए एकीकृत प्रयास करना, समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के लिए पुरुषों में संवेदनशीलता बढ़ाने वाली जागरूकता विकसित किया जाना शामिल है। मिशन के प्रमुख लक्ष्यों में जन्म के समय लिंगानुपात में 5 अंक प्रति हज़ार की वृद्धि करना, बालिकाओं की 10 या उससे अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा में 5त्न की वृद्धि करना, मातृ मृत्यु दर में 10 अंक की कमी लाना, महिला के विरुद्ध अपराध में 5 अंक की कमी लाना, बाल विवाह को रोकने और महिला श्रमबल भागीदारी दर में 3त्न की वृद्धि करना शामिल है। देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के प्रमुख घटक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और जीवन कौशल, आर्थिक स्वावलंबन, सुरक्षा एवं संरक्षण और संवाद से व्यवहार परिवर्तन है।

संघर्ष से सशक्त नेतृत्व की ओर अग्रसर जनजातीय महिलाएं

भोपाल। भारत जैसे देश में, जहाँ नारी को शक्ति और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है, वहाँ जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। जनजातीय महिलाएँ अपनी संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान की प्रतीक रही हैं। सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण जनजातीय वर्ग की महिलायें लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार इस दूरी को समाप्त कर रही है। उद्देश्य यह नहीं कि वे केवल लाभार्थी बनें, बल्कि वे समाज की निर्णायक शक्ति बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करें।

सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम

सरकार की सोच यह नहीं कि महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभ मिले, बल्कि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें, अपने व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में मजबूती से खड़ी हो सकें। प्रधानमंत्री वन धन योजना के तहत जनजातीय महिलाओं को उनके द्वारा संग्रहीत वन उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए सशक्त तंत्र विकसित किया गया है। इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि वे अब स्वयं का व्यवसाय भी कर रही हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिका शिक्षा को प्राथमिकता दी है, जिससे जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उनके पोषण और स्वास्थ्य की सुरक्षा कर रही है। स्टैंड-अप इंडिया योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को स्व-रोजगार हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे खुद के व्यवसाय की स्थापना कर सकें।

मध्यप्रदेश सरकार भी इस दिशा में भी आगे बढ़कर कार्य कर रही है। पीछे नहीं है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में राज्य सरकार महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है, जिससे उनके जीवन स्तर में बड़ा सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री आदिवासी महिला उद्यमिता योजना ने जनजातीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हर घर जल योजना ने जल संकट से जूझ रही ग्रामीण और जनजातीय महिलाओं के लिए राहत प्रदान की है, जिससे उनका दैनिक जीवन सरल हुआ है। पेसा अधिनियम ने ग्राम सभाओं में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती प्रदान की है, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और जागरूक हो रही हैं। अब वे अपनी ग्राम सभाओं में न केवल सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि अपने समुदाय की नीतियाँ तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं।

- महिलाओं के आरक्षण को 33 प्रतिशत से बढ़ा कर 35 प्रतिशत किया
- उद्यमी महिलाओं को राज्य सरकार 2 प्रतिशत दर से ऋण भी उपलब्ध करा रही है।
- 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख बहनें हुईं आत्मनिर्भर।
- मप्र ने कुपोषण के खिलाफ लंबी और चरणबद्ध लड़ाई लड़ते हुए कामयाबी हासिल की है।
- सभी नगरीय निकायों के निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के मानदेय में 20 प्रतिशत वृद्धि।

- लाड़ली बहना योजना में 1.27 करोड़ बहनों को अब तक रु. 35,329 हजार करोड़ से अधिक की राशि का अतंरण।
- अटल बिहारी वाजपेई बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन के अंतर्गत राज्य सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं।
- राज्य की 73.40 लाख हितग्राही महिलाएं आधार से पंजीकृत हैं। राज्य में लिंगानुपात 927 से बढ़कर 956 हो गया है।
- प्रदेश की 12 हजार 670 मिनी आंगनवाडी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाडी केन्द्र के रूप में उन्नयन किए जाने का निर्णय लिया है।

D-16021/25

लखनऊ को घर में हराकर शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

जेएनएन, लखनऊ

आईपीएल-2025 में मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) एक बार फिर से लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना करने वाली है। लखनऊ में ही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में मिली हार के बावजूद, आरसीबी की शीर्ष 2 में जगह बनाने की उम्मीदें अभी भी उनके अपने हाथों में हैं और उन्हें अन्य मैचों के नतीजों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। लखनऊ हालांकि मौजूदा सत्र में अपने निराशाजनक अभियान का अंत जीत से करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाएगी। गुजरात की लगातार हार ने तीसरे स्थान पर काबिज आरसीबी के लिए 2016 के बाद पहली बार शीर्ष दो में जगह बनाने का शानदार मौका बना दिया है। आईपीएल की तालिका में शीर्ष दो पायदान पर रहने वाली टीमों को तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के मुकाबले फाइनल में पहुंचने का एक अतिरिक्त मौका मिलता है। आरसीबी के नाम 17 अंक है और उसके लिए गलती की गुंजाइश बहुत कम है। शीर्ष पर पहुंचने के लिए उसे इस मैच में जीत जरूरी है। मुंबई (16 अंक) और पंजाब (17 अंक) में से कोई एक आज शाम होने वाले मुकाबले के बाद टाइटंस से (18 अंक) से आगे निकलने के लिए तैयार है।

■ आरसीबी के लिए शीर्ष 2 स्थान हासिल करना बेहद जरूरी है, क्योंकि प्लेऑफ प्रणाली शुरू होने के बाद से शीर्ष 2 में फिनिश करने वाली टीमों ने 14 में से 13 खिताब जीते हैं, और इसका एकमात्र अपवाद 2016 में हैदराबाद था। क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम को फाइनल के लिए क्वालिफाई करने का एक और मौका मिलेगा, जबकि एलिमिनेटर खेलने वाली टीमों के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती है।

छक्कों की हो सकती है बरसात

यह मुकाबला छक्कों की जंग बन सकता है। दोनों टीमों के पास धुआंधार बल्लेबाज हैं। इस सीजन में पावरप्ले यानी पहले छह ओवरों में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल (22) ने लगाए हैं। उनके बाद मिचेल मार्श (19) और फिर अजिंक्य रहाणे और सुनील नारायण (15) का नाम आता है। वहीं ओवर 7 से 16 के बीच सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज पूरन हैं, जिनके नाम 27 छक्के दर्ज हैं। उनके बाद सूर्यकुमार यादव (20) और श्रेयस अय्यर (19) हैं। डेथ ओवर्स यानी ओवर 17 से 20 के दौरान एमएस धोनी और टिम डेविड ने सबसे ज्यादा 11-11 छक्के लगाए हैं, जबकि ध्रुव जुरेल (10) और मार्कस स्टॉयनिस (9) भी इस सूची में हैं। अगर स्पिन गेंदबाजों की बात करें, तो पूरन ने सबसे ज्यादा 25 छक्के स्पिन के खिलाफ खिलाफ लगाए हैं। उनके बाद अनिकेत वर्मा (15), हेनरिक क्लासेन और अक्षर पटेल (14-14) हैं। पेस के खिलाफ भी आंकड़े दिलचस्प हैं। यशस्वी और मार्श ने 23-23 छक्के लगाए हैं, जबकि सूर्यकुमार ने 19 और प्रभसिमरन सिंह ने 18 छक्के जड़े हैं।

दो इन-फॉर्म बल्लेबाजों की भिड़ंत

विराट कोहली बनाम निकोलस पूरन। आरसीबी और लखनऊ दोनों के पास एक-एक ऐसा बल्लेबाज रहा, जिसने शुरुआत से ही इस सीजन में कमाल का प्रदर्शन किया है। कोहली और पूरन दोनों ने इस साल 500 से ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन उनके खेलने के अंदाज एक-दूसरे से बिल्कुल जुदा हैं। पूरन जहां पहली ही गेंद से आक्रमण करते हैं और खास तौर पर स्पिन गेंदबाजों को निशाना बनाते हैं, वहीं कोहली अपनी पारी पावरप्ले में संभालकर शुरू करते हैं और फिर रफ्तार पकड़ते हैं। दोनों बल्लेबाजों ने पिछले सीजन से अब तक सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले खिलाड़ियों की सूची में टॉप 5 में जगह बनाई है। कोहली ने 12 पारियों में 60.9 की औसत और 145 के स्ट्राइक रेट से 548 रन बनाए हैं, जिनमें सात अर्धशतक शामिल हैं। दूसरी ओर, पूरन ने 13 पारियों में 199 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट और 46.5 की औसत से 511 रन बनाए हैं, जिनमें पांच अर्धशतक शामिल हैं।

विदेशी शीर्ष तीन पर निर्भर लखनऊ

लखनऊ ने इस सीजन में अपने विदेशी शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर पूरी तरह से भरोसा जताया और उन्होंने टीम को निराश नहीं किया। हालांकि, ये अगर नहीं चले तो टीम काफी मुश्किल में पड़ जाती है। मार्श, पूरन और एडन मारक्रम की त्रिमूर्ति ने लगातार रन बनाकर टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी। मार्श ने 12 पारियों में 46.7 की औसत और 162 के स्ट्राइक रेट के साथ 560 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल रहा। पूरन ने 13 पारियों में 46.5 की औसत और 199 के स्ट्राइक रेट से 511 रन बनाए हैं। जबकि मारक्रम ने 13 पारियों में 34.2 की औसत और 149 के स्ट्राइक रेट के साथ 445 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल रहे। ओपनिंग पार्टनरशिप के औसत की बात करें तो लखनऊ इस मामले में तीसरे स्थान पर है। गुजरात ने 69.9 के औसत से, राजस्थान ने 50.2 के औसत से और लखनऊ ने 49.2 के औसत से ओपनिंग साझेदारियां की है।

हेजलवुड की वापसी

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से आरसीबी के खेमे में उत्साह बढ़ा है। हेजलवुड इस सत्र में टीम के लिए सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 10 मैचों में 18 विकेट लिए हैं और फिलहाल टूर्नामेंट में सबसे च्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में चौथे नंबर पर हैं।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	14	09	05	18	0.254
पंजाब	13	08	04	17	0.327
बेंगलुरु	13	08	04	17	0.255
मुंबई	13	08	05	16	1.292
दिल्ली	14	07	06	15	-0.011
हैदराबाद	14	06	07	13	-0.241
लखनऊ	13	06	07	12	-0.337
कोलकाता	14	05	07	12	-0.305
राजस्थान	14	04	10	08	-0.549
चेन्नई	14	04	10	08	-0.647

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

साई सुदर्शन (गुजरात)	679
शुभमन गिल (गुजरात)	649
सूर्यकुमार यादव (मुंबई)	583
मिचेल मार्श (लखनऊ)	560

पर्पल कैप (गेंदबाज)

नूर अहमद (चेन्नई)	24
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	23
ट्रेंट वोल्ट (मुंबई)	19
जोश हेजलवुड (बेंगलुरु)	18

बाउंड्री मीटर

1180 छक्के
2054 चौके
132 अर्धशतक

शुभमन गिल (649) आईपीएल के एक सीजन में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन बनाने वाले 5वें बल्लेबाज बन गए। उन्होंने डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा। वॉर्नर ने 2017 में बतौर कप्तान कुल 641 रन बनाए थे।

मुसेत्ती, आर्यना सबालेंका और बेन शेल्टन फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस, जेएनएन। अमेरिका के 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने लोरेंजो सोनेगो को सीधे सेटों में 6-4, 4-6, 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। शेल्टन ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में भी सोनेगो को हराया था। इससे पहले आठवीं वरीयता प्राप्त मुसेत्ती ने जर्मनी के क्वालिफायर यानिक हांफमैन को 7-5, 6-2, 6-0 से हराया। वहीं आर्यना सबालेंका ने कामिला राखिमोवा को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। ओलंपिक चैम्पियन चीन की झेंग किंवेन ने फ्रेंच ओपन 2021 उपविजेता अनास्तासिया पी को 6-4, 6-3 से मात दी। पिछले साल की उपविजेता इटली की चौथी वरीयता प्राप्त जैसमीन पाओलिनी ने युआन यूइ को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। अमेरिका के टॉमी पॉल ने डेनमार्क के एल्मेर मोलेर को 6-7, 6-2, 6-3 , 6-1 से हराया। वहीं उनके हमवतन फ्रांसिस टियाफो ने रोमन साफिउलिन को 6-4, 7-5, 6-4 से मात दी। रोलां गैरो पर मिट्टी के रंग की लाल जर्सी पहने दर्शक बड़ी तादाद में पहुंचे थे। मैच देखने के लिए नहीं बल्कि 'लाल बजरी के बादशाह' को विदाई देने के लिए। हाल ही में टेनिस से संन्यास लेने वाले 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल को यहां विशेष ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। नडाल ने 14 बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता है। उनके प्रतिद्वंद्वी और टेनिस के 'फैब फोर' में शामिल नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे भी इस मौके पर उपस्थित थे।

संन्यास से खुश हूं, छह महीने से रैकेट नहीं उठाया : नडाल

राफेल नडाल ने अपने शानदार करियर का आखिरी मैच खेलने के बाद से पिछले छह महीने में टेनिस रैकेट नहीं उठाया है और उनका कहना है कि अब वह सिर्फ नुमाइशी मैच खेलने के लिए ही रैकेट उठाएंगे और संन्यास के अपने फैसले से खुश हैं। उन्हें इस बात का कोई मलाल नहीं कि 22 ग्रैंडस्लैम खिताब जिताने वाली प्रतिस्पर्धी भावना भीतर से खत्म होने के बाद खेल से विदा लेने में उन्होंने देर नहीं की। उन्होंने सर्वाधिक 14 बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता है। नडाल ने कहा कि मैं अब गोल्फ खेलने का मजा लेता हूं और बाकी चीजों में भी आनंद आ रहा है। अब वह अपनी पत्नी और दो वर्ष के बेटे को पूरा समय देते हैं। उनका परिवार भी यहां पहुंचा था, जब उन्हें फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि मुझे टेनिस की उतनी कमी नहीं खल रही, क्योंकि मेरे पास जितना कुछ था, मैने टेनिस को दे दिया।

लेवांडोव्स्की के दो गोल बार्सीलोना ने एथलेटिक बिलबाओ को हराया

मैड्रिड, जेएनएन। स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग ला लीगा का खिताब पहले ही पक्का कर चुकी बार्सीलोना ने एथलेटिक बिलबाओ पर 3-0 की जीत के साथ अपने अभियान को शानदार तरीके से खत्म किया। बार्सीलोना के दिग्गज रॉबर्ट लेवांडोव्स्की इस मुकाबले में दो बार गोल किए, लेकिन वह इस सत्र में स्पेनिश लीग के शीर्ष स्कोरर के रूप में काइलियान एमबापे की बराबरी करने से दूर रहे। लेवांडोव्स्की ने बिलबाओ में 14वें और 17वें मिनट में गोल करके लीग सत्र का समापन 27 गोल के साथ किया, जो कि एमबापे से चार कम है। एमबापे ने रीयाल सोसिएदाद के खिलाफ मैड्रिड की 2-0 की जीत में दो गोल किए थे। लेवांडोव्स्की पिछले कुछ मैचों के दौरान चोटिल थे। उन्होंने नौ अप्रैल को बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ चैंपियंस लीग मैच के बाद से कोई गोल नहीं किया था। ला लीगा में उनका आखिरी लीग गोल मार्च में गिरोना के खिलाफ आया था। वह सत्र के अधिकांश समय में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर थे, लेकिन एमबापे ने पिछले कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले छह मैचों में 10 गोल किए।

■ 36 साल के लेवांडोव्स्की ने बार्सीलोना के साथ अपने गोल का शतक भी पूरा किया। उन्होंने इस टीम के साथ तीन सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में अब तक कुल 101 गोल कर लिए हैं। लेवांडोव्स्की ने इस साल कुल 42 गोल किए, जबकि पिछले सत्र में उनके नाम 26 गोल थे। टीम के साथ अपने पहले साल में उन्होंने 33 गोल दागे थे।

बार्सीलोना ने अपना अभियान 28 जीत, चार ड्रॉ और छह हार से 88 अंक के साथ खत्म किया। यह दूसरे स्थान पर रहे रियाल मैड्रिड से चार और तीसरे स्थान पर रहने वाली एटलेटिको मैड्रिड से 12 अंक अधिक है।

लाहौर कलंदर्स चार साल में तीसरी बार पीएसएल चैंपियन

लाहौर, जेएनएन। लाहौर कलंदर्स ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लैडिएटर्स को छह विकेट से हराकर चार साल में तीसरा खिताब अपने नाम किया। क्वेटा से मिले 202 रन के लक्ष्य को लाहौर कलंदर्स ने 19.5 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत में जिम्बाब्वे के हरफनमौला सिकंदर रजा ने अहम भूमिका निभाई। जो टॉस से महज 10 मिनट पहले इंग्लैंड से लाहौर पहुंचे थे। रजा ने नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था, जिसे जिम्बाब्वे शनिवार को पारी से हार गया था। उन्होंने रविवार को सात गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाए, जबकि कुसल परेरा ने 31 गेंदों में नाबाद 62 रनों की पारी खेली। क्वेटा के अबूझ स्पिनरों की जोड़ी अबरार अहमद (27 रन पर एक विकेट) और उस्मान तारिक (38 रन पर एक विकेट) ने बीच के ओवरों में लाहौर पर शिकंजा कस दिया था।

सिंगापुर ओपन : सात्विक-चिराग, प्रणय लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू पेश करेंगे चुनौती

सिंगापुर, जेएनएन। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी फिटनेस संबंधी चिंताओं को दूर करने के बाद मंगलवार से शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सितारों से सजी भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। विश्व की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने पिछली बार मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में चुनौती पेश की थी। यह जोड़ी हालांकि चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर में ही हट गई थी। सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वे सुदीरमन कप से भी नहीं खेल सके थे। इस साल की शुरुआत में मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे वाली यह भारतीय जोड़ी यहां मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पिछले सप्ताह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचकर किदांबी श्रीकांत ने खुद की और पिछले कुछ महीनों में भारतीय बैडमिंटन पर छाई निराशा को दूर करने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने पिछले कुछ महीनों से भारत के एकल खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सप्ताह दर सप्ताह अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहने की परिपाटी को तोड़ा। श्रीकांत हालांकि इस सप्ताह प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे, लेकिन वह अपने हमवतन खिलाड़ियों को 10 लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अच्छा करने के लिए प्रेरित जरूर करेंगे। विश्व चैंपियनशिप (2023) के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने कुआलालंपुर में श्रीकांत के शानदार प्रदर्शन को करीब से देखा था।

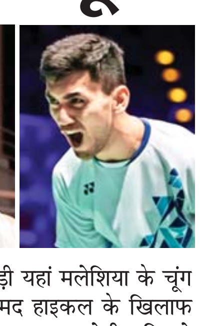

भारत की लगातार दूसरी जीत, जूनियर महिला टीम ने उरुग्वे को हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना), जेएनएन। कनिका सिवाच के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में उरुग्वे को 3-2 से हराया। भारत के इस रोमांचक मुकाबले में कनिका (46वां और 50वां मिनट) के अलावा सोनम (21वां) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए मिलाग्रोस सेगल (तीसरा) और अगस्टिना मैरी (24वां) ने गोल किए। उरुग्वे ने तीसरे मिनट में ही सेगल के पेनल्टी कॉर्नर से बढ़त हासिल कर ली। सोनम ने दूसरे क्वार्टर में 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिलाई। इसके तीन मिनट के बाद ही मैरी ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर उरुग्वे को फिर से बढ़त दिला दी। भारत ने आखिरी क्वार्टर में चार मिनट के अंदर कनिका के दो गोल से वापसी की।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि अब एक करोड़

चेन्नई, जेएनएन। चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर 20 करने के साथ इसकी अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपए करने की घोषणा की गई है। आयोजकों ने बताया कि छह से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में अब प्रत्येक वर्ग में 10 खिलाड़ी भाग लेंगे, जबकि पिछले सत्र में आठ खिलाड़ी भाग लेते थे।

अभिराज के दोहरे प्रदर्शन से जीती रेलवे गर्वित अकादमी

अंडर-15 बॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच अभिराज के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत रेलवे गर्वित ने सोमवार को पहले जीएस पठानिया मेमोरियल अंडर-15 बॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट में आरसीसी को 91 रन से बड़ी शिकस्त दी। मंगलवार को रेलवे युथ और एस क्रिकेट अकादमी के बीच मुकाबला खेला जाएगा। भेल स्थित जवाहर लाल नेहरू स्कूल रेलवे गर्वित क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 223 रन बनाए। अर्नव ने 33, प्रीत ने 28, मोहित ने 23 और अभिराज ने 19 रन का योगदान दिया। आरसीसी के विनम्र ने 3 विकेट झटके। अली और समर को 2-2 सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीसी 36.3 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। नतांत ने 23 और उमेद ने 16 रन की पारी खेली। रेलवे गर्वित के अभिराज और आरव ने क्रमश : 23 व 17 रन देकर तीन-तीन विकेट झटके। हर्षिव ने 39 रन देकर 2 विकेट लिए।

सुपर फुटबॉल क्लब और स्टार बॉयज के बीच मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त

भोपाल, खेप्र। शहर के टीटी नगर स्टेडियम में सोमवार से खेलो भोपाल बेबी लीग फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। प्रतियोगिता का पहला मैच अंडर-10 आयु वर्ग में सुपर फुटबॉल क्लब और स्टार बॉयज के बीच गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मुख्य फुटबॉल प्रशिक्षक जेपी सिंह ने बताया कि समर कैंप के खिलाड़ियों को मंच देने के लिए लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ खेल विभाग सहायक संचालक विकास खराड़कर, फुटबॉल प्रशिक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित थे।

होमी का शतक बेकार, अर्जुन की पारी से जीता विराट कोहली हाउस

अरेरा इंटर हाउस प्रीमियर लीग

भोपाल, खेप्र। विराट कोहली हाउस ने सोमवार को अरेरा इंटर हाउस प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा हाउस को 45 रन से परास्त किया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर अंडर-16 ग्रुप में विराट कोहली हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अर्जुन शुक्ला (100) के शतक की बदौलत आठ विकेट खोकर 265 रन का बड़ा स्कोर बनाया। टीम के लिए निकिता शर्मा (50) ने अर्धशतक जड़ा। प्रांशु कौशिक ने 27, रजीत मीणा ने 26 और नीर यादव ने 19 रन बनाए। रोहित शर्मा हाउस के होमी सोलंकी ने 4 विकेट झटके। वंश मेश्राम, केतन रेवाड़ीकर, मार्तण्ड पाल और लिखित पटेल को एक-एक सफलता मिली। जवाब में रोहित शर्मा हाउस सभी विकेट खोकर 220 रन बना सका। होमी सोलंकी ने 120 रन बनाए। विवान द्विवेदी और दीपांशु रजक ने 17-17। विराट कोहली हाउस के वैभव मारण ने 4 विकेट हासिल किए। अर्जुन शुक्ला और नितिन झा को 3-3 विकेट मिले। सीनियर क्रिकेटर शांतनु शर्मा और असीम शुक्ला ने अर्जुन और होमी को संयुक्त मैन आफ द मैच से पुरुस्कृत किया।

दर्शनार्थी से मारपीट करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी के साथ 5 अन्य दलालों की बाइक धारा 25 पुलिस एक्ट में जब्त

जागरण, सतना

दर्शनार्थी के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी के साथ पांच अन्य दलालो की मोटर साईकल पुलिस एक्ट में जप्त की गई है दुकान मालिक के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करने एसटीएम को पत्र लिखा गया है। यह कार्यवाही मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर कोतवाली टीआई मैहर अनिमेश द्विवेदी के नेतृत्व में देवी जी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक महेन्द्र गौतम द्वारा की गई है।

ये है घटना

शंकर लाल अग्रहरी पिता शारदा प्रसाद अग्रहरी उम्र 17 साल निवासी करनपुर थाना सैनी जिला कौंसम्बी उ.प्र. ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह मॉ शारदा के दर्शन करने मंदिर जा रहा था तभी बंधाबैरियल के पास बाइक से आये रोशन गोस्वामी नामक व्यक्ति ने अपनी दुकान से प्रसाद लेने के लिए कहा और फरियादी की चार पहिया गाडी के आगे-आगे चलने लगा उसकी दुकान से प्रसाद लेने से मना किया तो लालगेट के पास उसने गाडी रूकवाकर पैसो की मांग करते हुये मारपीट शुरू कर दी पुलिस ने बीएनएस की कई धाराओ के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। एसपी मैहर सुधीर अग्रवाल ने मामले पर संज्ञान लेते हुये टीआई अनिमेश द्विवेदी के नेतृत्व में टीम गठित कर 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कराया है। पुलिस ने रोशनी गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया है घटना में प्रयोग की गई बाइक भी जप्त कर ली है। फर्रार आरोपी उमेश पटेल की तलाश की जा रही है। उसकी दुकान को बंद कराने के लिए पुलिस ने एसडीएम को पत्र लिखा है। इस घटना के बाद जो अन्य दलाल पुलिस को देखकर फरार हो गये उनकी पांच बाइको को धारा 25 पुलिस एक्ट के तहत जप्त किया गया है।

श्रमदान से आयेगी जागरुकता: कैलाश विजयवर्गीय

मां मंदाकिनी नदी के सफाई अभियान में शामिल हुए प्रभारी मंत्री

जागरण, सतना। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय अपने चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन मां मंदाकिनी नदी के सफाई अभियान में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आहवान पर जल गंगा संवर्धन अभियान में दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा जनसहयोग से मां मंदाकिनी नदी को निर्मल और स्वच्छ रखने सफाई अभियान शुरू किया गया है। संस्थान का जन सहभागिता से किए जाने वाला यह प्रयास निःसंदेह सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, उत्तरप्रदेश सरकार के श्रम और रोजगार राज्यमंत्री श्री मनोहर लाल पंथ (मन्नू कोरी), विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, संगठन सचिव अभय महाजन, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारियों एवं चित्रकूट के स्थानीय नागरिकों के साथ नदी सफाई अभियान में हिस्सा लिया है। सामूहिक श्रमदान से सभी लोगो में जागरूकता पैदा होगी और नदियों को साफ स्वच्छ रखने का संदेश भी दिया जायेगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि चित्रकूट की पवित्र मंदाकिनी नदी की सफाई और गाद निकालने का कार्य साल भर चलेगा। मानव संसाधन के अलावा इस कार्य में मशीनों की भी आवश्यकता होगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मशीनों और आवश्यकतानुसार मैन पावर के सहयोग से मां मंदाकिनी को निर्मल और स्वच्छ रखा जाएगा। इस मौके पर प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, उत्तरप्रदेश सरकार के राज्यमंत्री श्री मन्नू कोरी, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, पूर्व स्पीकर नगर निगम अनिल जायसवाल, कमिश्नर रीवा बीएस जामोद, डीआईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीएम जितेंद्र वर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जन अभियान परिषद और डीआरआई के कार्यकर्ता, स्वयं सेवक, नगर पंचायत के कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिकों ने मां मंदाकिनी के भरत घाट में पानी में उतर कर नदी के तलहटी में जमा घास और मलवे नुमा गाद निकालने के कार्य में श्रमदान किया। इस मौके पर स्टार समूह के चेयरमैन रमेश सिंह, संपादक संजय गौतम, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी, बालेंद्र गौतम, विजय तिवारी, कृष्णा पाण्डेय, अवध बिहारी मिश्रा, कृषि वैज्ञानिक एमएस नेगी, प्रबल श्रीवास्तव ने भी श्रमदान में हिस्सा लिया।

चित्रकूट के विकास कार्यों का अवलोकन

जागरण, सतना। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को चित्रकूट धाम के समेकित विकास की परियोजना के प्रगतिरत और प्रस्तावित कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय और राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सबसे पहले मोहकमगढ़ किले का निरीक्षण किया। एमपीआईयूडीसी के अधिकारियो ने बताया कि मोहकमगढ़ किले को हैरिटेज के रूप मे विकसित किए जाने की योजना है। दशमी शताब्दी के इस प्राचीन किले के विकास के प्रथम चरण में लगभग 9 करोड़ रूपए का व्यय किया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने बंदर कोल स्थित नाना जी श्रृद्धा केंद्र का अवलोकन भी किया। दीन दयाल शोध संस्थान द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सह्योग से नानाजी श्रृद्धा केंद्र की स्थापना की गई हैं।

घर के अंदर घुसकर चोरी करने वाले आरोपी 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार

एसडीओपी अमरपाटन प्रतिभा शर्मा ने किया खुलासा

जागरण, सतना। घर के अंदर घुसकर चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने में बडी सफलता पाई है। घटना का खुलासा अमरपाटन एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने किया है। इस दौरान अमरपाटन टीआई केपी त्रिपाठी मौजूद रहे। पूरी कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश एएसपी डॉ चंचल नागर के मागदर्शन में की गई है।

ये थी घटना

घटना का खुलासा करते हुये एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि 25 मई को फरियादी लक्ष्मण पटेल उर्फ भोले पिता रामभजन पटेल उम्र 62 साल निवासी मौहट थाना अमरपाटन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी बेटी की विवाह के लिए घर में सोने के आभूषण एवं नगदी रखे हुये था जिसको किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया है। फरियादी ने बताया कि चोरी गये सामान में सोने की 12 नग मंचली, एक पीस लाकिट कुदा माला, 12 पीस दाना ढबल होल , दो नग दो मंजिला झुमका जिसकी कीमत 3 लाख 90 हजार रूपये बताई गई है। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश शुरू की । संदेही अभिजीत पटेल निवासी खरमसेडा से जब पुलिस ने कढाई से पूछताछ की तो उसने अपने साथियों के साथ चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। उनके कब्जे से पुलिस ने चोरी गया 3 लाख 90 हजार रूपये का सामान बरामद कर लिया है।

ये आरोपी गिरफ्तार

चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी अभिजीत पटेल पिता सुरज पटेल निवासी खरमसेडा , नीरज पटेल पिता चन्द्र शेखर पटेल 18 वर्ष निवासी मौहट, अमित कुमार केवट पिता कामता केवट उम्र 23 साल निवासी करिया पतेर, समीर पटेल पिता शुभकरण पटेल उम्र 20 वर्ष निवासी मौहट का नाम शामिल है। मोहित पटेल निवासी झिरिया थाना रामपुर बाघेलान पंकज पटेल निवासी झिरिया अभी फरार जिनकी तलाश में पुलिस जूटी हुई है।

प्रभारी मंत्री ने किये भगवान कामतानाथ के दर्शन

जागरण सतना। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने अपने चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को भगवान कामतानाथ स्वामी के दर्शन एवं आरती कार्यक्रम में शामिल हुए। रविवार को शाम प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कामदगिरि पर्वत की प्रदक्षिणा भी की और परिक्रमा पथ में किए जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन भी किया। इस दौरान चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार भी उनके साथ मौजूद रहे।

चित्रकूट के विकास को लेकर मंत्री ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

जागरण, सतना। दो दिनी दौरे पर सतना पहुचे जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजय वर्गी ने अपने दौरे दूसरे दिन पत्रकारो से मुखातिब हुये । उन्होने कहा कि चित्रकूट के विकास में कोई कसर नही होगी। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा अभियान के अंतर्गत उन्होने मंदाकिनी में स्वच्छता अभियान चलाया। इतना ही नही मंत्री ने कहा कि चित्रकूट में आने वाले समय में नदी नालो को गंदगी को पूरी तरह से साफ कराया जायेगा। इस दौरान राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती पाण्डेय, महापौर योगेश ताम्रकार, और श्यामलाल गुप्ता मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में प्रहलाद चरित्र का हुआ वर्णन

अमदरा। राधा कृष्ण मंदिर अमदरा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में सोमवार को प्रहलाद चरित्र का वर्णन किया गया भक्ति लेने मानो जन शैलाब टूट पड़ा काफी संख्या में महिला पुरुष भक्ति लेने आए वहीं कथा वाचक पंडित श्री बृजकिशोर तिवारी जी कथा के माध्यम से बताए कि प्रहलाद भक्ति में इतने लीन थे कि उनके ऊपर हिरणकशय की की जा रही यातनाओं का कोई प्रभाव नहीं पड़ता यहां तक कि होलिका को आग में लेकर बैठने को कहते थे लेकिन प्रहलाद विष्णु भगवान का नाम लेते हुए बच जाते हैं वहीं होलिका जलकर राख हो जाती है अंत में स्वयं मराने की कोशिश तलवार से किया लेकिन भक्त प्रहलाद तो बच जाते हैं लेकिन हिरणाकश्य का अंत हो जाता हे इस प्रकार जो भगवान की भक्ति में लीन रहता है उसे कभी कष्ट नहीं होता भगवान स्वय उसका कष्ट दूर करते हैं इसके बाद समुद्र मंथन की कथा सुनाई गई साथ ही वामन अवतार पर भी चित्रण किया गया वहीं लोगों से अधिक से अधिक संख्या में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा का आनंद उठाने की अपील की गई है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**

कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com